नई दिल्ली ■ बुधवार, 30 अप्रैल 2025 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 13 ■ अंक 30 ■ पृष्ठ 12

जनभावना टाइम्स

JBT
www.thejbt.com
राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून एवं करनाल से प्रकाशित
निष्पक्ष और निर्भीक खबर

03 पराक्रम के प्रतीक थे भगवान परशुराम | 07 भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 15 रन से हराया | फोटोग्राफर पैपराजी पर फूटा रिया का गुस्सा 06

TUITION TIGER

learn smart

PREMIUM LIVE BATCHES

(only 30 Students per Batch)

CLASS 6 NEEV

CLASS 7 PRAKHAR

CLASS 8 VIRAJ

Fee Rs. 24,000/- Per Course

CLASS 9 PARAKRAM

CLASS 10 PRAKET

Fee Rs. 30,000/- Per Course

CLASS 11 TEJAS (PCM)

CLASS 11 PRAVAAH (PCB)

CLASS 12 ADITYA (PCM)

CLASS 12 AYUR (PCB)

Fee Rs. 36,000/- Per Course

LIVE CLASSES

CLASS 6 EXCEL

CLASS 7 PULSE

CLASS 8 AVENGER

Fee Rs. 2,400/- Per Course

CLASS 9 HECTOR

CLASS 10 HERCULES

Fee Rs. 3,000/- Per Course

CLASS 11 HERMES (PCM)

CLASS 11 ZENITH (PCB)

CLASS 12 APOLLO (PCM)

CLASS 12 CATALYST (PCB)

Fee Rs. 3,600/- Per Course

visit to enroll

www.TuitionTiger.com

81304 81309 9220 90 5919

नई दिल्ली ■ बुधवार, 30 अप्रैल 2025 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 13 ■ अंक 30 ■ पृष्ठ 12

JBT

जनभावना टाइम्स

www.thejbt.com

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून एवं करनाल से प्रकाशित

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

03 पराक्रम के प्रतीक थे भगवान परशुराम | 07 भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 15 रन से हराया | फोटोग्राफर पैपराजी पर फूटा रिया का गुस्सा 06

पहलगाम हमला: प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में हुई उच्चस्तरीय सुरक्षा बैठक

आतंकवाद पर निर्णायक कार्रवाई की तैयारी, मोदी ने दी सेना को पूरी छूट

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि सशस्त्र बलों को पहलगाम आतंकवादी हमले के खिलाफ भारत की जवाबी कार्रवाई का तरीका, लक्ष्य और समय निर्धारित करने की पूरी अभियानगत छूट है। मोदी ने यहां रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल और तीनों सेनाओं के प्रमुखों सहित शीर्ष रक्षा अधिकारियों के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता के दौरान यह टिप्पणी की। सरकारी सूत्रों के मुताबिक, बैठक में मोदी ने कहा कि आतंकवाद को करारा जवाब देना हमारा राष्ट्रीय संकल्प है। सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री ने सशस्त्र बलों की क्षमता में पूर्ण विश्वास व्यक्त किया।

एक सूत्र ने मोदी के हवाले से कहा कि उन्हें (सशस्त्र बलों को) हमारी जवाबी कार्रवाई के तरीके, लक्ष्य और समय के बारे में फैसला लेने की पूरी अभियानगत छूट है। इस बैठक में प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान भी शामिल हुए। यह बैठक पहलगाम आतंकवादी हमले के जवाब में भारत द्वारा उठाए जाने वाले संभावित कदमों पर विचार किए जाने के बीच हुई। पहलगाम के लोकप्रिय पर्यटन स्थल बैसरन में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले में कम से कम 26 लोग

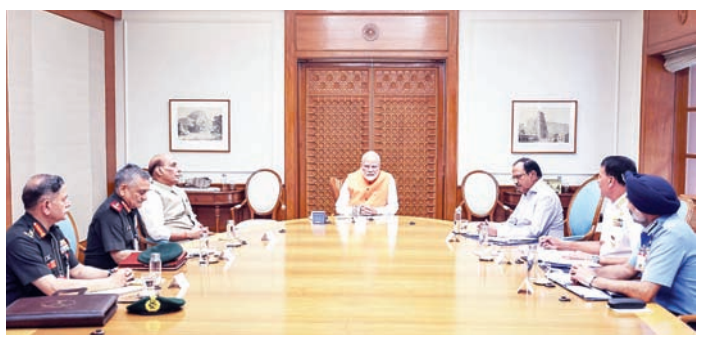

मारे गए थे, जिनमें से अधिकतर पर्यटक थे। प्रधानमंत्री मोदी ने इस हमले में शामिल आतंकवादियों और उनके आकाओं का 'पृथ्वी के अंतिम छोर तक' पीछा करने और उन्हें 'उनकी कल्पना से परे' कड़ी से कड़ी सजा देने का आह्वान किया है। पहलगाम हमला जम्मू-कश्मीर में नागरिकों पर पिछले कई वर्षों में हुआ सबसे घातक हमला है, जिसे लेकर पूरे देश में आक्रोश की लहर है और हमलावरों तथा उनके आकाओं के खिलाफ कठोर जवाबी कार्रवाई की मांग उठ रही है।

प्रधानमंत्री की कठोर टिप्पणियों और राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर उनकी सरकार के कड़े रुख के कारण भारत की ओर से करारी जवाबी कार्रवाई की उम्मीदें बढ़ गई हैं। मोदी सरकार ने 2016 में उरी में सेना के जवानों पर आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तान के अंदर 'सर्जिकल स्ट्राइक' की थी। उसने पुलवामा में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के काफिले को निशाना बनाए जाने के बाद पाकिस्तान के बालाकोट में आतंकवादी ठिकानों पर हवाई हमला किया था। पहलगाम हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कई कदम उठाए हैं, जिनमें पड़ोसी देश के साथ सिंधु जल संधि को स्थगित करना भी शामिल है।

सूत्रों ने बताया कि इससे पहले दिन में केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन ने एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें तीनों सेनाओं के प्रमुख और दो अन्य सुरक्षा संगठनों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए थे। बैठक के एजेंडे पर कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं आई है।

शिक्षा प्रणाली को आधुनिक बनाने की दिशा में काम कर रही सरकार: प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि देश के भविष्य के लिए युवाओं को तैयार करने में शिक्षा प्रणाली एक अहम भूमिका निभाती है और सरकार इसे आधुनिक बनाने की दिशा में काम कर रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने यहां भारत मंडपम में 'युग्म' नवाचार सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि विचार (आइडिया) की 'प्रोटोटाइप' से 'प्रोडक्ट' तक की यात्रा कम से कम समय में पूरी होना जरूरी है।

एआई, क्वांटम कंप्यूटिंग, एडवांस्ड एनालिटिक्स, अंतरिक्ष तकनीक, स्वास्थ्य तकनीक और सिंथेटिक जीव विज्ञान को लगातार बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल देते हुए मोदी ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के विकास और अपनाने में भारत की अग्रणी स्थिति पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि किसी भी देश का भविष्य उसकी युवा पीढ़ी पर निर्भर होता है, इसलिए यह जरूरी है कि हम अपने युवाओं के भविष्य के लिए और उन्हें भारत के उज्ज्वल भविष्य के लिए तैयार करें।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इसमें बड़ी भूमिका देश की शिक्षा प्रणाली की भी होती है, इसलिए हम देश की शिक्षा प्रणाली को 21वीं सदी की जरूरतों के मुताबिक आधुनिक बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमने विकसित भारत के लक्ष्य के लिए अगले 25 वर्षों की समयसीमा तय की है। हमारे पास समय सीमित है, लक्ष्य बड़े हैं। इसलिए जरूरी है कि हमारे विचार (आइडिया) की 'प्रोटोटाइप' से 'प्रोडक्ट' तक की यात्रा भी कम से कम समय में पूरी हो। मोदी ने कहा कि प्रयोगशाला से बाजार की दूरी कम करके अनुसंधान के परिणाम लोगों तक तेजी से पहुंचते हैं और अनुसंधानकर्ताओं को

प्रोत्साहन मिलता है। उन्होंने कहा कि इससे अनुसंधान, नवाचार और मूल्य संवर्धन के चक्र में तेजी आती है।

प्रधानमंत्री ने एक मजबूत अनुसंधान तंत्र की जरूरत बताई और शिक्षण संस्थानों, निवेशकों एवं उद्योग से अनुसंधानकर्ताओं का समर्थन करने को कहा। विश्व के सबसे लंबे 'हाइपरलूप' परीक्षण ट्रैक, भारतीय रेलवे के सहयोग से आईआईटी मद्रास में विकसित 422 मीटर लंबे 'हाइपरलूप' के चालू होने जैसे मील के पत्थरों का हवाला देते हुए प्रधानमंत्री ने नैनो-स्केल पर प्रकाश को नियंत्रित करने के लिए आईआईएससी बेंगलोर के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित नैनो प्रौद्योगिकी और आणविक फिल्म में 16,000 से अधिक चालन अवस्थाओं में डेटा को संग्रहीत और संसाधित करने में सक्षम 'ब्रेन ऑन ए चिप' प्रौद्योगिकी जैसी अभूतपूर्व उपलब्धियों की सराहना की। उन्होंने कुछ सप्ताह पहले ही भारत की पहली स्वदेश निर्मित एमआरआई मशीन के विकास को रेखांकित किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारे शास्त्रों में कहा गया है- परं परोपकारार्थं यो जीवति स जीवति अर्थात जो दूसरों की सेवा और परोपकार के लिए जीवन समर्पित करता है, वही वास्तविक जीवन जीता है। उन्होंने कहा कि पीएम ई-विद्या और दीक्षा मंचों के तहत 'वन नेशन, वन डिजिटल एजुकेशन इंफ्रास्ट्रक्चर' का निर्माण किया गया है जिसका इस्तेमाल देश की 30 से ज्यादा भाषाओं और 7 विदेशी भाषाओं में पाठ्य पुस्तक तैयार करने के लिए हो रहा है।

> मोदी ने कहा कि 'नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क' के जरिए छात्रों के लिए अलग-अलग विषयों को एक साथ पढ़ना आसान हो गया है, यानी भारत के विद्यार्थियों को अब आधुनिक शिक्षा मिलनी शुरू हुई है, उनके कॅरियर के लिए नए रास्ते बन रहे हैं। मोदी ने यह भी कहा कि अनुसंधान और विकास (आर एंड डी) पर 2013-14 में सकल व्यय केवल 60,000 करोड़ रुपये था, जिसे अब सवा लाख करोड़ रुपये तक बढ़ा दिया गया है। उन्होंने कहा कि भारतीय विश्वविद्यालयों के परिसर ऐसे केंद्र बनकर उभर रहे हैं जहां युवाशक्ति सफल नवाचार कर रही है। उन्होंने सम्मेलन में कहा कि आज यहां सरकार, शिक्षा, विज्ञान और अनुसंधान से जुड़े भिन्न-भिन्न क्षेत्र के लोग इतनी बड़ी संख्या में उपस्थित हैं। इस एकजुटता को ही 'युग्म' कहते हैं। एक ऐसा युग्म जिसमें विकसित भारत की भविष्य की तकनीक से जुड़े हितधारक एक साथ जुड़े हैं, एक साथ जुटे हैं।

संक्षिप्त खबरें

असम: सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में एनएससीएन के तीन उग्रवादी ढेर

हाफलोंग। असम के डीमा हसाओ जिले में मंगलवार को सुरक्षाबलों के साथ हुई मुठभेड़ में एनएससीएन के तीन उग्रवादी मारे गए। असम पुलिस के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि डीमा हसाओ जिले के नेशनल प्रोजेक्ट्स (गोल्डन क्वाड्रिलैटरल) के अंतर्गत कार्यरत एनएचएआई को जब एक उगाही पत्र मिला तो इसी के आधार पर असम पुलिस की स्पेशल यूनिट्स और असम राइफल्स ने शनिवार शाम हाफलोंग थाना क्षेत्र के हेरा किलो-न्रियाचिबंग्लो-एन कुबिन-बोरोचानाम-पी कुबिन-मिचिदुई डोएरिंग-चैकाम इलाके में तलाशी अभियान शुरू किया। लगभग 60 घंटे की तलाशी के बाद मंगलवार सुबह सुरक्षा बलों की टीम को एन कुबिन और हेरा किलो के बीच के इलाके में हथियारबंद उग्रवादियों का एक समूह मिला। उग्रवादियों ने फोर्स पर फायरिंग की और दोनों ओर से भारी गोलीबारी हुई। इलाके की तलाशी के दौरान तीन शव बरामद हुए, जिनके पास से दो एके सीरीज की राइफलें और एक पिस्तौल मिलीं।

चार दिन से लापता भारतीय छात्रा वंशिका कनाडा में मृत मिली

ओटावा। कनाडा में अध्ययन के लिए गयी भारतीय छात्रा वंशिका कनाडा के ओटावा में रहस्यमय परिस्थितियों में मृत पायी गयी है। ओटावा स्थित भारतीय उच्चायोग ने कहा कि हमें भारतीय छात्रा वंशिका की मौत की सूचना मिलने पर बहुत दुख हुआ है। मामले को संबंधित अधिकारियों के समक्ष उठाया गया है और स्थानीय पुलिस के अनुसार मामले की जांच की जा रही है। हम शोक संतप्त परिजनों को हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए उनके और स्थानीय सामुदायिक संघों के साथ निकट संपर्क में हैं। स्थानीय पुलिस के अनुसार, मौत के कारणों की जांच की जा रही है। पंजाब के डेरा बस्सी की मूल निवासी और आम आदमी पार्टी नेता देविंदर सिंह की बेटी वंशिका कथित तौर पर डिप्लोमा कोर्स करने के लिए ढाई साल पहले ओटावा गयी थी। वह 25 अप्रैल को एक किराये के कमरे को देखने के लिए निकली थी, और उसके बाद लापता हो गयी थी।

केंद्र ने मणिपुर को 153.36 करोड़ की अतिरिक्त केंद्रीय सहायता को मंजूरी दी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता वाली एक उच्च स्तरीय समिति ने वर्ष 2024 में ओलावृष्टि से प्रभावित हुए मणिपुर को 153.36 करोड़ रुपये की अतिरिक्त केंद्रीय सहायता को मंजूरी दी है। एक आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) से यह अतिरिक्त सहायता राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष (एसडीआरएफ) में उपलब्ध वर्ष के प्रारंभिक शेष के 50 प्रतिशत के समायोजन के अधीन है। इसमें कहा गया कि यह अतिरिक्त सहायता केंद्र द्वारा राज्यों को एसडीआरएफ में जारी की गई धनराशि के अतिरिक्त है, जो पहले से ही राज्यों के पास उपलब्ध है। केंद्र सरकार ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान एसडीआरएफ के तहत 28 राज्यों को 20,264.40 करोड़ रुपये और एनडीआरएफ के तहत 19 राज्यों को 5,160.76 करोड़ रुपये जारी किए हैं। इसके अतिरिक्त, राज्य आपदा न्यूनीकरण निधि (एसडीएमएफ) से 19 राज्यों को 4984.25 करोड़ रुपये तथा राष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण निधि (एनडीएमएफ) से आठ राज्यों को 719.72 करोड़ रुपये भी जारी किए गए हैं।

पहलगाम का मास्टरमाइंड था हाशिम मूसा, पाक में लिया था कमांडो प्रशिक्षण

जम्मू। पहलगाम के आतंकी हमले में पाकिस्तान के हाशिम मूसा उर्फ सुलेमान का नाम सामने आया है। पहलगाम में 26 लोगों की हत्या के पीछे मास्टरमाइंड के रूप में पाकिस्तान की सेना में था, लेकिन रिटायर होने के बाद वह आईएसआई के संपर्क में आया। इसके बाद उसने पाकिस्तान में उच्च कोटि का पैरा-कमांडो प्रशिक्षण हासिल किया था। हमले के बाद भारतीय सुरक्षा एजेंसियों की ओर से जारी किये गए तीन स्केच में से एक मूसा का है।

सुरक्षा ग्रिड के सूत्रों के अनुसार मूसा ने कठुआ और सांबा सेक्टरों के माध्यम से भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ की थी। घुसपैठ के बाद वह राजौरी-पुंछ के डेरा की गली क्षेत्र में सक्रिय हो गया, जहां उसके लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) मॉड्यूल पर पिछले साल सुरक्षा बलों पर कई हमलों की साजिश रचने का संदेह है। पाकिस्तानी पैरा-कमांडो विशेष रूप से विशेष सेवा समूह (एसएसजी) द्वारा प्रशिक्षित, अपरंपरागत युद्ध, उत्तरजीविता रणनीति और पर्वतीय युद्ध में अपनी विशेषज्ञता के लिए प्रसिद्ध हैं। उनके प्रशिक्षण में उच्च-धीरज संचालन, नजदीकी लड़ाई (सीक्यूबी), कठिन इलाकों में नेविगेशन और उन्नत बचाव तकनीकें शामिल हैं जो सभी मूसा के अभियानों में परिलक्षित होती हैं।

सुरक्षा ग्रिड के सूत्रों के अनुसार जमीन पर समूह का व्यवहार उच्च स्तर की युद्ध-क्षमता और प्रशिक्षण को दर्शाता है। आतंकवादियों ने पुलिस और सेना के गश्ती दल को सफलतापूर्वक चकमा दिया है, नागरिकों के संपर्क से बचते हुए लगातार ऊबड़-खाबड़ पहाड़ी जंगलों से गुजरते रहे हैं। विशेष रूप से वे भोजन के लिए गांवों में जाने से बचते रहे हैं, क्योंकि इन्हें लम्बे समय तक भूखे रहने की ट्रेनिंग दी गई है। पहलगाम के आतंकी हमले के बाद दक्षिण कश्मीर के जंगलों में इनकी तलाश में लगातार अभियान चलाया जा रहा है।

राष्ट्रपति ने जस्टिस गवई को देश का अगला चीफ जस्टिस नियुक्त किया

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने जस्टिस बीआर गवई को देश का अगला चीफ जस्टिस नियुक्त किया है। वर्तमान चीफ जस्टिस संजीव खन्ना ने केंद्र सरकार को उनके नाम की सिफारिश भेजी थी।

जस्टिस खन्ना 13 मई को रिटायर हो रहे हैं। जस्टिस गवई 14 मई को चीफ जस्टिस पद की शपथ लेंगे। जस्टिस गवई लगभग छह महीने तक चीफ जस्टिस के पद पर रहेंगे। जस्टिस बीआर गवई ने 16 मार्च 1985 से वकालत शुरु की थी। वे 1987 से 1990 तक बांबे हाई कोर्ट और 1990 से बांबे हाई कोर्ट की नागपुर बेंच में प्रैक्टिस की। अगस्त 1992 से लेकर जनवरी 2000 तक उन्होंने बांबे हाई कोर्ट की नागपुर बेंच में महाराष्ट्र सरकार के वकील के तौर पर काम किया। 14 नवंबर 2003 को उन्हें बांबे हाईकोर्ट का जज नियुक्त कया गया। 24 मई 2019 को उन्हें सुप्रीम कोर्ट का जज नियुक्त किया गया। जस्टिस गवई 23 नवंबर तक देश के चीफ जस्टिस होंगे।

ईडी ने की चिटफंड मामले में गोल्डेनलैंड ग्रुप की 1428 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क

भुवनेश्वर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को कहा कि उसने एक चिटफंड मामले में 'गोल्डनलैंड ग्रुप ऑफ कंपनीज' की 1,428 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की है। ईडी ने एक बयान में दावा किया कि उसकी जांच से पता चला है कि 'गोल्डन लैंड डेवलपर्स लिमिटेड' और 'जीएलपी डेवलपर्स लिमिटेड' से जुड़े व्यक्तियों, संस्थाओं और कंपनियों ने 'रियल एस्टेट' विकास की आड़ में ओडिशा और आंध्र प्रदेश में जनता से अवैध रूप से भारी मात्रा में रकम जुटायी।

ईडी ने आरोप लगाया कि उसने भोले-भाले लोगों को ऊंचे रिटर्न का झूठा वादा करते हुए 'भूखंड बुकिंग' की आड़ में एकमुश्त जमा, आवर्ती जमा और मासिक निवेश योजनाओं एवं अन्य अवैध वित्तीय कारोबार शुरू किये। बयान में आरोप लगाया गया है कि सहयोगी कंपनियों तथा निदेशकों और सहयोगियों के खातों में बड़े पैमाने पर नकदी अंतरण का भी पता चला है। उसमें कहा गया है कि ईडी के भुवनेश्वर क्षेत्रीय कार्यालय ने

धनशोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत मेसर्स गोल्डनलैंड ग्रुप ऑफ कंपनीज की 1428 करोड़ रुपये की वर्तमान कीमत वाली संपत्तियों को अस्थायी रूप से कुर्क किया है।

इन संपत्तियों में 15.06 करोड़ रुपये की बैंक जमा राशि और ओडिशा तथा आंध्र प्रदेश के विभिन्न जिलों में करीब 1,000 एकड़ जमीन के अलावा कुछ निर्मित इमारतें और संरचनाएं शामिल हैं। ईडी ने पिछले साल फरवरी में ओडिशा, पंजाब, चंडीगढ़ में इन कंपनियों से जुड़े लोगों की संपत्तियों की तलाशी ली थी। निदेशालय ने भादंसं की विभिन्न धाराओं के तहत सीबीआई द्वारा दर्ज की गयी प्राथमिकी के आधार पर जांच शुरू की थी।

मेहुल चोकसी ने बेल्जियम कोर्ट में दायर की नई याचिका

ब्रुसेल्स। पंजाब नेशनल बैंक घोटाले के मुख्य आरोपित और भगोड़े हीरा व्यापारी मेहुल चोकसी ने बेल्जियम की अपीलीय अदालत में एक नई याचिका दायर की है, जिसमें उसने अपनी गिरफ्तारी को प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के उल्लंघन और प्रक्रियागत अनियमितताओं के आधार पर चुनौती दी है। अदालत ने इस मामले में फिलहाल सुनवाई स्थगित कर दी है। चोकसी की ओर से यह याचिका उनके अधिवक्ता विजय अग्रवाल द्वारा तैयार की गई है और बेल्जियम में नियुक्त उनकी कानूनी टीम ने इसे अदालत के समक्ष प्रस्तुत किया। याचिका में दावा किया गया है कि भारतीय प्रत्यर्पण अनुरोध के बाद उसकी गिरफ्तारी के दौरान बेल्जियम अधिकारियों ने निर्धारित कानूनी प्रक्रिया का पालन नहीं किया और उसे मनमाने ढंग से हिरासत में लिया गया। अधिवक्ता विजय अग्रवाल ने मीडिया से बातचीत में कहा कि मेरे मुवक्किल के साथ न्यायिक प्रक्रिया में न केवल लापरवाही बरती गई, बल्कि उसे उसके मौलिक अधिकारों से भी वंचित किया गया। यह गिरफ्तारी प्राकृतिक न्याय के मूल सिद्धांतों के विरुद्ध है।

आज से शुरू होगी चारधाम यात्रा, तैयारियां पूरी

देहरादून। उत्तराखंड के उच्च गढ़वाल हिमालयी क्षेत्र में स्थित गंगोत्री और यमुनोत्री मंदिरों के कपाट छह माह बंद रहने के बाद अक्षय तृतीया के पर्व पर बुधवार को फिर श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि गंगोत्री और यमुनोत्री मंदिरों के कपाट खुलने के साथ ही इस वर्ष की चारधाम यात्रा की शुरुआत हो जाएगी हालांकि केदारनाथ और बदरीनाथ के कपाट क्रमशः दो मई और चार मई को खोले जाएंगे। उन्होंने बताया कि चारधाम यात्रा को लेकर सुरक्षा व्यवस्था से लेकर अन्य सभी तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं।

अधिकारियों ने बताया कि चारधाम यात्रा के लिए श्रद्धालुओं में अपार उत्साह नजर आ रहा है और अब तक देश-विदेश के 22 लाख से अधिक श्रद्धालु अपना पंजीकरण करवा चुके हैं। उत्तरकाशी जिले में देवी गंगा की मूर्ति को मंगलवार दोपहर 12 बजे उनके शीतकालीन प्रवास स्थल मुखबा गांव से गंगोत्री धाम के लिए डोली में रवाना किया

गया। पारंपरिक वाद्य यंत्रों ढोल दमाउ, सेना के बैंड की भक्तिमय धुनों और मां गंगा के जयकारों के बीच स्थानीय ग्रामीणों ने देवी की मूर्ति को बेटी की तरह नम आंखों के साथ गंगोत्री के लिए विदा किया।

तीर्थ पुरोहित राजेश सेमवाल ने बताया कि भैरव घाटी स्थित भैरव मंदिर में रात्रि विश्राम करने के बाद बुधवार सुबह डोली गंगोत्री धाम पहुंचेगी। उन्होंने बताया कि पूर्वाह्न साढ़े 10 बजे मंदिर के कपाट खोले जाएंगे, जहां अगले छह माह तक श्रद्धालु देवी गंगा के दर्शन कर सकेंगे। सोमवाल ने बताया कि देवी गंगा की डोली कुल 25 किलोमीटर पैदल यात्रा कर धाम पहुंचती है। यमुनोत्री मंदिर समिति के प्रवक्ता पुरुषोत्तम उनियाल ने बताया कि देवी यमनुा की डोली अपने शीतकालीन प्रवास स्थल खुशीमठ से बुधवार सुबह यमुनोत्री धाम के लिए रवाना होगी और विधिवत पूजा अर्चना के बाद 11 बजकर 55 मिनट पर मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे।

इस बीच, उत्तराखंड के पुलिस महानिदेशक दीपम सेठ ने ऋषिकेश पहुंचकर चारधाम यात्रा की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। सेठ ने ऋषिकेश में मीडिया से बातचीत में बताया कि कश्मीर के पहलगाम की आतंकी घटना के मद्देनजर चारधाम यात्रा में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। उन्होंने बताया कि हम यात्रियों को सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करेंगे।

अधिकारी ने बताया कि तीर्थयात्रियों की सुरक्षा के लिए 6000 पुलिसकर्मी, 17 पीएसी कंपनी और केंद्र की तरफ से भेजी गई 10 कंपनी सुरक्षा बलों को चारधाम और यात्रा मार्गों पर तैनात करने की व्यवस्था की गयी है। उन्होंने श्रद्धालुओं से बिना किसी चिंता के तीर्थयात्रा करने को कहा। सेठ ने बताया कि पूरे यात्रा क्षेत्र को इस बार 15 'सुपर जोन' में बांटा गया है, जिसमें करीब 2000 से अधिक 'क्लोज सर्किट कैमरे' लगाए गए हैं। उन्होंने बताया कि जन सुरक्षा के साथ- साथ उत्तराखंड पुलिस का ध्यान यातायात व्यवस्था को सुचारू करने पर भी होगा। अधिकारी ने बताया कि एहतियात के तौर पर खुफिया एजेंसियां भी सक्रिय रहेंगी और संदिग्धों पर निगरानी रखी जाएगी।

पेगासस जांच से जुड़ी पूरी रिपोर्ट सार्वजनिक करने का सवाल ही नहीं: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अगर कोई देश राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए स्पाइवेयर का इस्तेमाल करता है, तो इसमें गलत क्या है। सवाल यह है कि किसके खिलाफ इस्तेमाल हो रहा है। एक आम नागरिक के निजता के अधिकार का सम्मान किया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने पेगासस जांच से जुड़ी रिपोर्ट को सार्वजनिक करने की मांग पर सुनवाई के दौरान कहा कि पूरी रिपोर्ट सार्वजनिक करने का सवाल ही नहीं उठता है। हम इस रिपोर्ट को सड़क पर चर्चा का दस्तावेज नहीं बना सकते हैं। हम पेगासस से प्रभावित लोगों की मांग पर विचार कर सकते हैं। मामले की अगली सुनवाई 30 जुलाई को होगी।

सुप्रीम कोर्ट ने 27 अक्टूबर, 2021 में इस मामले पर विशेषज्ञों की एक टीम का गठन किया था। इस टीम की अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज जस्टिस रविंद्रन कर रहे थे। इस कमेटी ने अपनी रिपोर्ट भी दाखिल की थी। विशेषज्ञ कमेटी ने कहा था कि उसकी रिपोर्ट को प्रकाशित न किया जाए। कमेटी को 29 फोन दिए गए थे, जिसमें पांच में मालवेयर का अंदेशा था। हालांकि, यह तय नहीं हो पाया कि यह पेगासस ही है। कमेटी ने तीन हिस्सों में

अपनी रिपोर्ट सौंपी थी। इनमें से दो रिपोर्ट टेक्निकल कमेटी की है, जबकि एक रिपोर्ट जस्टिस रविंद्रन की थी। रिपोर्ट में कुछ गोपनीय बातें हैं। कुछ निजी सूचनाएं भी हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि टेक्निकल कमेटी की रिपोर्ट को सार्वजनिक नहीं किया जाएगा।

जस्टिस रविंद्रन की रिपोर्ट में आम नागरिकों पर साइबर हमले और गैरकानूनी तरीके से निगरानी करने के खिलाफ नए कानून बनाने की अनुशंसा की गई है। कोर्ट ने इस जांच कमेटी की मदद के लिए तीन सदस्यीय तकनीकी कमेटी का गठन किया था। तकनीकी कमेटी में नेशनल फोरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी, गांधीनगर के डीन प्रो. नवीन कुमार चौधरी, अमृता विश्व विद्यापीठम, अमृतापुरम केरल के प्रो. प्रभाहरन पी और आईआईटी बांबे के प्रो. अश्विन अनिल गुमाश्ते शामिल हैं।

दिल्ली ट्रैफिक पुलिस कर्मियों को लू से बचाने के लिए कॉलर फैन, एसी हेलमेट देने की योजना

नई दिल्ली। भीषण गर्मी से जूझते हुए ड्यूटी देने वाले दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के कर्मियों को बड़ी राहत मिलने वाली है। विभाग उन्हें कॉलर फैन और वातानुकूलित हेलमेट देने की योजना बना रहा है। यह पहल 'संपर्क सभा' में यातायात पुलिस कर्मियों द्वारा अपनी व्यथा बताने के बाद की गई है। कर्मियों ने डीसीपी (नई दिल्ली) राजीव कुमार के समक्ष अपनी समस्याएं रखी थीं। डीसीपी ने अब इन चिंताओं को दूर करने के लिए निर्देश जारी किए हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, कॉलर फैन और एसी हेलमेट के प्रावधान सहित कई उपाय तैयार किए जा रहे हैं, ताकि खराब मौसम के दौरान कर्मियों को होने वाली असुविधा को कम किया जा सके। गर्मियों के साथ ही बारिश के मौसम की भी तैयारी हो रही है। दरअसल, 'संपर्क सभा' में कुछ पुलिस अधिकारियों ने बारिश के दौरान ट्रैफिक सिग्नल पर बिजली के झटके और बारिश में खड़े होने में कठिनाई का मुद्दा भी उठाया था। जवाब में, डीसीपी ने अधिकारियों को संबंधित विभागों के साथ समन्वय करके यातायात चौराहों पर टिन शेड लगाने का निर्देश दिया है, ताकि बारिश से बचाव हो सके और इस तरह के खतरों को कम किया जा सके। डीसीपी ने भीषण गर्मी से निपटने में ट्रैफिक पुलिस की मदद करने के लिए सक्रिय योजना बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। चाहे कॉलर फैन हो या कूलिंग हेलमेट, सभी यूनिट को समय पर व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए सभी संबंधित आवश्यकताओं के बारे में पहले ही अवगत कराने का निर्देश दिया गया है। अधिकारियों ने पुष्टि की कि कूलिंग हेलमेट प्रदान करने के निर्णय को अंतिम रूप देने से पहले वैज्ञानिक मूल्यांकन पर विचार किया गया था। यह देखते हुए कि शरीर का अधिकांश हिस्सा वर्दी में ढंका रहता है और सिर खुला रहता है, इसलिए यह लू लगने के लिए अधिक संवेदनशील होता है। कूलिंग हेलमेट का उद्देश्य उस जोखिम को कम करना और काम करने की स्थिति में सुधार करना है।

स्कूल फीस विनियमन के लिए विधेयक लायेगी दिल्ली सरकार

दिल्ली में स्कूल फीस विनियमित करने के विधेयक को मंजूरी, उल्लंघनकर्ता पर लगेगा भारी जुर्माना

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार राजधानी के निजी एवं सरकारी स्कूलों में फीस को विनियमित करने के लिए विधेयक लाएगी। दिल्ली मंत्रिमंडल ने आज इसे मंजूरी प्रदान की। दिल्ली सचिवालय में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पत्रकार वार्ता में मंगलवार को इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दिल्ली कैबिनेट ने निजी एवं सरकारी स्कूलों में फीस को विनियमित करने के लिए नए विधेयक को मंजूरी दी है। इसमें दिल्ली के सभी 1677 स्कूलों के लिए (निजी एवं सरकारी स्कूलों की) फीस को लेकर पूरा दिशानिर्देश और प्रक्रिया तय की जाएगी।

उन्होंने कहा कि दिल्ली में पिछली सरकारों ने कभी भी ऐसा कोई प्रावधान नहीं किया कि दिल्ली में फीस न बढ़े। 1973 के दिल्ली स्कूल एक्ट में फीस को लेकर एक सेक्शन 17(3) है। इसमें ऐसी कोई गाइड लाइन नहीं थी कि प्राइवेट स्कूलों की फीस न बढ़े और जिसके लिए सरकार के पास क्या ताकत है और क्या प्रक्रिया अपनायी जानी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि 1973 से लेकर आज तक इस पर कोई प्रावधान नहीं हुआ कि स्कूलों में फीस बढ़ने से कैसे रोक जाए लेकिन आज दिल्ली सरकार ने एक ऐतिहासिक और साहसिक फैसला लिया है। आज हमने कैबिनेट में मसौदा विधेयक पास किया है, जिसमें सभी निजी स्कूलों में फीस को लेकर दिशानिर्देश तय जाएगा। मनमाने ढंग से फीस वृद्धि की शिकायतों पर सख्ती की जानकारी देते हुए रेखा गुप्ता ने कहा कि स्कूलों को नोटिस जारी किए गए हैं। उनकी सरकार पारदर्शिता और बच्चों के शिक्षा के अधिकार की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। स्कूल प्रशासन द्वारा की जा रही गतिविधियों के कारण बच्चों और उनके अभिभावकों परेशान थे, जिसके लिए यह कदम उठाया गया है।

गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार की ओर से तैयार प्रारूप में अभिभावकों, स्कूल और प्रबंधन के साथ सरकार की भी भूमिका रहेगी। साथ ही दिल्ली सरकार द्वारा फीस वृद्धि की जानकारी के लिए डीएम को स्कूलों में हो रहे कार्यो का जायजा लेने के लिए भेजा जा रहा था। स्कूल फीस वृद्धि के मामले पर शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने आज कैबिनेट में कहा कि फीस बढ़ाने या ना बढ़ाने के संदर्भ में एक कानून सम्मत निर्णय लेकर एक विधेयक बनाया गया है। इसमें सरकार को ताकत दी गई है कि वो कार्य कर सके, फीस वृद्धि रोक सके और अगर कोई स्कूल ना माने तो उस पर दंडात्मक कार्रवाई कर सके। इसी बिल के आधार पर फीस बढ़ाने या घटाने का काम किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि इस बिल को जल्द ही विधानसभा के पटल पर रखा जाएगा और पारित किया जाएगा। अभिभावक, शिक्षक और प्रबंधन मिलकर फीस वृद्धि के प्रारूप पर कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि 18 प्रावधानों में जांचते हुए इस पर कार्य किया जाएगा। तीन साल में एक बार ही फीस को बढ़ाने का कानून बनाया गया है।

विधानसभा के हिस्सों को खाली कराने के लिए मुख्य सचिव हस्तक्षेप करें: गुप्ता

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा ने अपने परिसर में विभिन्न विभागों के कब्जे वाले हिस्सों को खाली कराकर वहां एक संग्रहालय, एक सभागार और एक प्रदर्शनी गैलरी स्थापित करने के लिए मुख्य सचिव से हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया है। विधानसभा सचिवालय विधानसभा परिसर को राष्ट्रीय महत्व के प्रमुख विरासत स्थल के रूप में विकसित कर रहा है। मुख्य सचिव धर्मेंद्र को हाल ही में लिखे पत्र में विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि विधानसभा परिसर का एक बड़ा हिस्सा दिल्ली सरकार के शिक्षा निदेशालय, दिल्ली फार्मेसी काउंसिल और भारत सरकार के प्रकाशन विभाग के कब्जे में है।

गुप्ता ने कहा कि इस हिस्से को प्राथमिकता के आधार पर खाली किया जाना चाहिए ताकि वहां एक संग्रहालय, एक प्रदर्शनी गैलरी, एक सभागार और आगंतुकों के लिए सुविधाओं का निर्माण किया जा सके। अध्यक्ष ने कहा कि विधानसभा सचिवालय द्वारा संबंधित विभागों को किए गए पत्राचार का कोई नतीजा नहीं निकला। गुप्ता ने पत्र में कहा, ₹मैं इस मामले में आपसे हस्तक्षेप करने का अनुरोध करता हूं ताकि संबंधित विभागों को विधानसभा परिसर में उनके कब्जा वाले स्थानों को जल्द से जल्द खाली करने का निर्देश दिया जा सके, क्योंकि स्थान की आवश्यकता तुरंत है।₹ विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि विधानसभा भवन का व्यापक नवीनीकरण और ऐतिहासिक स्मारक के रूप में संरक्षण किया जाएगा ताकि इसकी समृद्ध विरासत और वास्तुशिल्प महत्व को दर्शाया जा सके। अध्यक्ष ने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, अभिलेखागार विभाग और दिल्ली नगर निगम के अधिकारियों और विशेषज्ञों के साथ हाल में कई बैठकें कीं, ताकि योजनाबद्ध कार्यों के लिए व्यवहार्यता रिपोर्ट को अंतिम रूप दिया जा सके। उन्होंने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि गुप्ता ने विधानसभा के राष्ट्रीय विरासत स्थल के रूप में प्रस्तावित विकास को लेकर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से भी मुलाकात की और बिरला ने उन्हें हरसंभव मदद का आश्वासन दिया।

संक्षिप्त खबरें

फायरिंग मामले में फरार आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने गोकुलपुरी इलाके में फायरिंग के मामले में फरार चल रहे आरोपित राहुल उर्फ टिंकू को गिरफ्तार किया। राहुल गंगा विहार का रहने वाला है। जांच में पता चला है कि आरोपित के ऊपर पहले से हत्या के प्रयास सहित छह मामले दर्ज है। फिलहाल पुलिस आरोपित से पूछताछ कर रही है। क्राइम ब्रांच के डीसीपी विक्रम सिंह ने मंगलवार को बताया कि एक अप्रैल को गोकुलपुरी में गोलीबारी की घटना हुई थी। शिकायतकर्ता संजीव शर्मा ने आरोप लगाया कि जब वह अपने घर के अंदर थे तो उसी दौरान एक अज्ञात व्यक्ति ने उसका नाम पुकारा और मुख्य द्वार पर लात मारकर गोली चला दी। घटना में पीड़ित बाल-बाल बचे। शिकायतकर्ता ने शक जाहिर किया था कि संतरपाल के बेटे टिंकू के इशारे पर यह हमला किया गया है। पीड़ित का आरोप था कि आरोपित टिंकू ने पहले भी उन्हें धमकियां दी थीं। डीसीपी के अनुसार शिकायतकर्ता के बयान पर स्थानीय पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया।

ट्रांसजेंडर बनकर लोगों के साथ कर रहे थे लूटपाट, 3 गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तर पश्चिमी जिले की विदेशी सेल ने ट्रांसजेंडरबनकर लोगों के साथ लूटपाट करने वाले तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान अनिल कुमार, प्रेम कुमार और सचिन के रूप में हुई है। तीनों जहांगीरपुर के रहने वाले हैं।उत्तर पश्चिमी जिले के डीसीपी भीष्म सिंह ने बताया कि कुछ दिनों से जिलों में शिकायत मिल रही थी। जांच में पता चला है कि कुछ ट्रांसजेंडर वाहनवालों व पैदल यात्रियों को अपने पास बुलाकर लूटपाट की वारदात को अंजाम दे रहे है।मामले को गंभीरता से लेते हुए जिले की विदेशी सेल को जांच का जिम्मा सौंपा गया। पुलिस टीम ने आजादपुर फल मंडी के पास जाल बिछाया औरतीन लोगों को पकड़ा। पकड़े गए तीनों लोगों ने खुद को ट्रांसजेंडर बताया। सख्ती से पूछताछ करने पर आरोपितों ने खुलासा किया कि वह ट्रांसजेंडरनहीं है। पुलिस से बचने के लिए वह ट्रांसजेंडर बने हुए थे। फिलहाल पुलिस तीनों आरोपितों से पूछताछ कर रही है।

सीसीटीवी कैमरों की जांच के बाद पकड़े नाबालिग

नई दिल्ली। दक्षिण पश्चिम जिले के आरके पुरम थाना पुलिस ने सेंधमारी व वाहन चोरी में शामिल दो नाबालिगों को 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की जांच के बाद पकड़ा है। दोनों के कब्जे से चोरी की एक स्कूटी बरामद हुई है। दक्षिण पश्चिम जिले के डीसीपी सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि चोरी की बढ़ती घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए जिले की एंटी स्नैचिंग सेल और आरके पुरम थाने की संयुक्त पुलिस टीम का गठन किया गया। टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की। एक सीसीटीवी फुटेज में संदिग्ध नजर आए।

सीएम ने रेखा गुप्ता इंद्रलोक से सिंघलपुर तक नजफगढ़ नाले का किया निरीक्षण

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आज इंद्रलोक मेट्रो स्टेशन के पास से सिंघलपुर तक नजफगढ़ नाले का निरीक्षण किया। उनके साथ उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना और भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल मौजूद रहे। इस दौरान उपराज्यपाल सक्सेना ने कहा कि शालीमार बाग ऐतिहासिक जगह है।

पिछली बार यह जगह बहुत खराब हालत में थी। तब तय किया था कि इस जगह की मरम्मत कराई जाएगी। यहां एक साल से काम चल रहा है। इसमें डीडीए महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। एक-दो महीने में काम पूरा हो जाएगा उन्होंने कहा कि भाजपा दिल्ली के गौरव को वापस लाने की कोशिश कर रही है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली को जल्द ही खूबसूरत शहर के रूप में देखा जाएगा। रेखा गुप्ता ने स्थानीय लोगों से बात की और अधिकारियों को निर्देश दिया कि समस्याओं का समाधान प्राथमिकता पर किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि केवल कागजों पर योजना बनाना काफी नहीं है, जब तक अधिकारी जमीन पर काम नहीं करेंगे हालात नहीं सुधरेंगे।

वक्फ संपत्ति बेचे जाने पर किरायेदार और खरीददार को नोटिस, अगली सुनवाई 14 मई को

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने शाहदरा में एक वक्फ संपत्ति को किरायेदार की ओर से बेचे जाने की शिकायत पर सुनवाई करते हुए दिल्ली पुलिस, दिल्ली वक्फ बोर्ड, वक्फ संपत्ति के किरायेदार और खरीददार को नोटिस जारी किया है। जस्टिस तारा वितास्ता गंजू ने मामले की अगली सुनवाई 14 मई को करने का आदेश दिया। याचिका मस्जिद पड़ाव वाली मैनेजमेंट कमेटी ने दायर की है। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकीलव वजीह शफीक ने कहा कि शाहदरा के पश्चिमी रोहताश नगर स्थित मेन बाबरपुर रोड पर करीब 118 वर्ग गज की वक्फ संपत्ति गैरकानूनी तरीके से बेच दी गई है। उन्होंने कोर्ट से मांग की कि वक्फ संपत्ति को गैरकानूनी तरीके से बेचने और खरीदने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। सुनवाई के दौरान दिल्ली पुलिस, दिल्ली नगर निगम और दूसरे विभागों ने कोर्ट को आश्वस्त किया कि वो इस मामले पर कार्रवाई करेंगे। याचिका में कहा गया है कि याचिकाकर्ता ने इस संपत्ति को मेसर्स दयाल सिंह इंदरजीत सिंह के प्रोपराईटर दयाल सिंह को किराये पर दिया था। दयाल सिंह ने इस संपत्ति को किसी दूसरे को गैरकानूनी तरीके से बेच दी। याचिकाकर्ता को जब इस संपत्ति की गैरकानूनी बिक्री के बारे में पता चला तो उन्होंने 13 जनवरी को शाहदरा के एसएचओ से व्यक्तिगत रुप से मिलकर इसकी शिकायत की। याचिकाकर्ता ने इस बाबत दिल्ली वक्फ बोर्ड और एसएचओ को 14 जनवरी को लिखित शिकायत की।

AIIMS में हुआ 'Rheumatology Essentials' पुस्तक का विमोचन

❖ पंकज राय

रोगों की शुरुआती पहचान में मिलेगी मदद

नई दिल्ली। ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (AIIMS) में मंगलवार को 'Rheumatology Essentials – A New Frontier for Aspiring Clinicians' नामक पुस्तक का औपचारिक विमोचन किया गया। एम्स के निदेशक प्रो. श्रीनिवास ने पुस्तक का अनावरण किया। इस अवसर पर संस्थान के वरिष्ठ चिकित्सक, फैकल्टी सदस्य और मेडिकल छात्र भी मौजूद रहे।पुस्तक के सह-लेखक प्रो. आनंद मलवीय (पूर्व विभागाध्यक्ष, मेडिसिन, AIIMS) और अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त रूमेटोलॉजिस्ट प्रो. प्रशांत कौशिक हैं। यह पुस्तक विशेष रूप से जनरल फिजिशियन और प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा से जुड़े चिकित्सकों को ध्यान में रखकर तैयार की गई है।पुस्तक में रूमेटिक और मस्कुलोस्केलेटल रोगों (RMDs) की पहचान और वर्गीकरण के लिए एक व्यावहारिक और संरचित दृष्टिकोण प्रस्तुत किया गया है। इन बीमारियों को तीन प्रमुख वर्गों में बांटा गया है–इम्यूनो-इंफ्लेमेटरी, मैकेनिकल व स्ट्रक्चरल डैमेज और बायोसाइकोसोशल मॉडल आधारित दर्द सिंड्रोम।प्रो. आनंद मलवीय ने बताया, ₹इस पुस्तक का उद्देश्य रोगों की शीघ्र पहचान को सरल बनाना है, ताकि इलाज में देरी और लागत दोनों को कम किया जा सके। इससे मरीजों को बेहतर और समय पर उपचार मिल सकेगा।₹ चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में यह पुस्तक एक उपयोगी संसाधन मानी जा रही है, जो आगामी चिकित्सकों और विशेषज्ञों को दिशा प्रदान करेगी।

एम्स ने बिजली कर्मियों को आपातकालीन चिकित्सा प्रशिक्षण देकर किया सशक्त

नई दिल्ली (जनभावना टाइम्स)। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली ने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ट्रॉमा और बर्न्स के लिए केंद्रित उत्कृष्टता पहल के तहत बीएसईएस के लगभग 120 फ्रंटलाइन कर्मचारियों के लिए विशेष आपातकालीन चिकित्सा प्रशिक्षण आयोजित किया। यह कार्यक्रम 17 और 29 अप्रैल 2025 को एम्स के बर्न्स और प्लास्टिक सर्जरी ब्लॉक के सेमिनार हॉल में आयोजित हुआ।इस प्रशिक्षण का उद्देश्य उन उपयोगिता कर्मचारियों की आपातकालीन प्रतिक्रिया क्षमताओं को बढ़ाना था, जो अक्सर दुर्घटनाओं, करंट लगने, आग लगने और अन्य आपदाओं के दौरान सबसे पहले मौके पर पहुंचते हैं।प्रशिक्षण का नेतृत्व डॉ. मनीष सिंघल, प्रोफेसर, प्लास्टिक और बर्न्स सर्जरी विभाग, और डॉ. सुषमा सागर, प्रोफेसर, ट्रॉमा सर्जरी विभाग ने किया। डॉ. सिंघल ने बिजली से जुड़ी चोटों, उनके लक्षणों, प्राथमिक उपचार, अस्पताल में देखभाल और पुनर्वास की जानकारी साझा की। वहीं डॉ. सुषमा सागर ने ट्रॉमा की 'गोल्डन ऑवर' की महत्ता और बेसिक लाइफ सपोर्ट (बीएलएस) की भूमिका पर जोर दिया।एम्स के अन्य विशेषज्ञ चिकित्सकों, नर्सों और सहायक स्वास्थ्यकर्मियों ने प्रशिक्षण के दौरान बीएलएस, विद्युत चोटों का प्राथमिक उपचार, सुरक्षित रोगी स्थानांतरण और रियल-टाइम सिमुलेशन ड्रिल जैसे विषयों पर प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया। हाथों-हाथ प्रशिक्षण और सजीव अभ्यास ने कर्मचारियों में निर्णय क्षमता, आत्मविश्वास और तत्परता को बढ़ाया। कार्यक्रम की खास बात यह रही कि अंत में एक प्रशिक्षु ने पूरे प्रशिक्षण का सार प्रस्तुत किया, जिससे सभी प्रतिभागियों की सक्रिय भागीदारी और उत्साह झलकता था।कार्यक्रम का समापन समूह चित्र और प्रमाणपत्र वितरण के साथ हुआ, जिससे यह अवसर शैक्षणिक और यादगार बन गया। इस पहल के माध्यम से आपात स्थितियों में प्रभावी प्रतिक्रिया के लिए न केवल कर्मचारियों को सशक्त किया गया, बल्कि पूरे समुदाय की आपदा प्रबंधन क्षमता को भी मजबूत किया गया।

संसद सुरक्षा चूक : नीलम आजाद की जमानत याचिका पर 7 मई को सुनवाई करेगा दिल्ली हाई कोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट संसद सुरक्षा चूक की आरोपित नीलम आजाद की जमानत याचिका पर 7 मई को सुनवाई करेगा।नीलम आजाद ने ट्रायल कोर्ट की ओर से जमानत याचिका खारिज करने के आदेश को चुनौती दी है। जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद की बेंच के समक्ष आज दिल्ली पुलिस की ओर से पेश वकील ने कहा कि इस मामले में एएसजी दलीलें रखने वाले हैं, लेकिन वे आज उपलब्ध नहीं है, जिसके बाद कोर्ट ने 7 मई को जमानत याचिका पर सुनवाई करने का आदेश दिया। पटियाला हाउस कोर्ट ने 13 सितंबर, 2024 को नीलम आजाद की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। पटियाला हाउस कोर्ट ने 24 दिसंबर, 2024 और 28 अप्रैल को इस मामले के एक और आरोपित मनोरंजन डी की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। पटियाला हाउस कोर्ट ने 22 नवंबर, 2024 को सह आरोपित महेश कुमावत की जमानत याचिका खारिज की थी। दिल्ली पुलिस ने अपनी चार्जशीट में कहा है कि आरोपित, संसद भवन को निशाना बनाकर लोकतंत्र को बदनाम करना चाहते थे। चार्जशीट में कहा गया है कि संसद पर हमले के लिए आरोपित दो साल से योजना बना रहे थे। करीब एक हजार पेजों के चार्जशीट में दिल्ली पुलिस ने कहा है कि सभी आरोपित एक-दूसरे से सोशल मीडिया पर मिले थे और मैसूर, गुरुग्राम और दिल्ली में कुल पांच बैठकें की थी। उनकी पहली मुलाकात फरवरी 2022 में मैसूर में हुई थी।

सीसीपीए ने सर्विस चार्ज वापस न करने पर दिल्ली के पांच रेस्टोरेंट को भेजा नोटिस

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने मंगलवार को कहा कि प्राधिकरण ने दिल्ली उच्च न्यायालय के फैसले के बावजूद अनिवार्य सेवा शुल्क वापस न करने पर पांच रेस्टोरेंट के खिलाफ स्वयं संज्ञान लेते हुए कार्रवाई की है। इन रेस्टोरेंट में मखना डेली, जीरो कोर्टयार्ड, कैसल बारबेक्यू, चायोस और फिएस्टा बाय बारबेक्यू नेशन का नाम शामिल है। विनियामक ने राष्ट्रीय राजधानी के इन पांच रेस्टोरेंट को उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के तहत नोटिस भेजा है, जिसमें रेस्टोरेंट को सेवा शुल्क की राशि वापस करने का निर्देश दिया गया है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने कहा, "इस उपाय का उद्देश्य किसी भी रेस्टोरेंट में सेवाओं का लाभ उठाते समय उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त राशि का भुगतान करने के लिए पड़ने वाले अनुचित दबाव को कम करना है। कोई भी होटल या रेस्टोरेंट उपभोक्ता को सेवा शुल्क का भुगतान करने के लिए बाध्य नहीं कर सकता है या किसी अन्य शुल्क के नाम से उपभोक्ताओं से सेवा शुल्क नहीं वसूल सकता।" सीसीपीए ने 2022 में होटलों और रेस्टोरेंट में सेवा शुल्क को लेकर अनुचित व्यापार प्रथाओं पर अंकुश लगाने और उपभोक्ता हितों की रक्षा के लिए दिशानिर्देश जारी किए थे। दिशा-निर्देशों में कहा गया था कि कोई भी होटल या रेस्टोरेंट खाने के बिल में ऑटोमैटिकली या डिफॉल्ट रूप से सेवा शुल्क नहीं जोड़ेगा। मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया कि किसी दूसरे शुल्क के नाम से सेवा शुल्क का संग्रह नहीं किया जाएगा और कोई भी होटल या रेस्टोरेंट उपभोक्ता को सेवा शुल्क का भुगतान करने के लिए मजबूर नहीं करेगा। इसके अलावा, उपभोक्ता को स्पष्ट रूप से सूचित किया जाएगा कि सेवा शुल्क स्वैच्छिक, वैकल्पिक और उपभोक्ता के विवेक पर है। दिशा-निर्देशों के अनुसार सेवा शुल्क के संग्रह के आधार पर प्रवेश या सेवाओं को लेकर उपभोक्ताओं पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया जाएगा। 28 मार्च, 2025 को दिल्ली उच्च न्यायालय ने सेवा शुल्क पर सीसीपीए के दिशा-निर्देशों को बरकरार रखा था। इसके बाद, राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन नंबर 1915 पर प्राप्त शिकायतों से सीसीपीए के संज्ञान में आया कि कुछ रेस्टोरेंट उपभोक्ताओं से उनकी पूर्व सहमति के बिना अनिवार्य सेवा शुल्क लगाना जारी रख रहे हैं।

कांग्रेस के विवादित पोस्ट पर भाजपा हमलावर

कहा- आतंकी हमले में पाकिस्तान का साथ दे रही कांग्रेस

नई दिल्ली। भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को निशाना बनाने वाले कांग्रेस के एक्स पर विवादित पोस्ट को लेकर उस पर निशाना साधा है। भाजपा ने कांग्रेस पर पाकिस्तान का साथ देने का आरोप लगाया है। भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने मंगलवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि कांग्रेस पाकिस्तान को संकेत दे रही है कि इस आतंकी हमले में वह पाकिस्तान के साथ खड़ी है, न कि अपने देश के साथ। यह कांग्रेस द्वारा किया गया कोई मासूम पोस्ट नहीं है। यह हमारे देश की अखंडता को कमजोर करने और प्रधानमंत्री मोदी को निशाना बनाने की एक भयावह, जहरीली साजिश है। उन्होंने कहा कि हम सब जानते हैं कि पहलगाम में आतंकी हमला हुआ। भाटिया ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने बड़ी स्पष्टता से कहा कि आतंकियों को नेस्तनाबूद कर दिया जाएगा और उनके आकाओं को ऐसा सबक सिखाया जाएगा कि वो जीवन भर याद रखेंगे। उन्होंने कहा कि भारत की पूरी शक्ति जिसमें प्रधानमंत्री मोदी का नेतृत्व, हमारी वीर सेना की ताकत और 140 करोड़ भारतीयों की शक्ति, दुआएं और प्रार्थना शामिल है, वो आज एक लक्ष्य के साथ कार्य कर रहे हैं।

भाजपा प्रवक्ता भाटिया ने कहा कि एक ऐसा भारतीय राजनीतिक दल भी है, जो हमारे बीच रहता है, लेकिन अगर उसे लश्कर-ए-पाकिस्तान कांग्रेस कहा जाए, तो गलत नहीं होगा। प्रधानमंत्री मोदी ने दृढ़ता से कहा है कि आतंकियों का सफाया किया जाएगा और उन्हें समर्थन देने वाले देश को उसकी कल्पना से परे सजा दी जाएगी। इस मुद्दे पर पूरा देश एकजुट है। हालांकि, एक तथाकथित राष्ट्रीय पार्टी दुश्मन ताकतों के साथ गठबंधन करती दिख रही है। इसे लश्कर-ए-पाकिस्तान कांग्रेस कहना पूरी तरह से अनुचित नहीं होगा। प्रधानमंत्री मोदी जो भारत के हर नागरिक के लिए सुरक्षा की चट्टान हैं, उस चट्टान को तोड़ने की आज कांग्रेस कोशिश कर रही है। कांग्रेस में बिना राहुल गांधी की सहमति के पत्ता तक नहीं हिलता। राहुल गांधी के कहने पर ही ऐसे पोस्ट किए जाते हैं।

भाटिया ने कहा कि पाकिस्तान और कांग्रेस की जुगलबंदी को लगता है कि वो भारतीय सरकार को कमजोर कर सकते हैं और हमारी सेना का मनोबल तोड़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सेना का मनोबल हिमालय से भी ऊंचा है। हमारी सरकार और हमारे देश का मनोबल चट्टान की तरह मजबूत है और किसी में भी इस समय इतना दम नहीं है कि वह देश का मनोबल तोड़ना तो दूर, कम भी कर सके।

उल्लेखनीय है कि पहलगाम हमले को लेकर कांग्रेस ने प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधते हुए सोमवार को एक विवादित पोस्टर जारी किया। इसमें प्रधानमंत्री के सिर और पैरों को गायब कर दिया गया है। साथ ही सिर की जगह पर बड़े अक्षरों में "गायब" लिखा हुआ है। यह पोस्टर एक्स पर कांग्रेस के आधिकारिक अकाउंट पर शेयर किया गया है। कांग्रेस ने पोस्टर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, जिम्मेदारी के समय- गायब।

संपादकीय
आदित्य वशिष्ठ

एकता-शांति का संदेश

ऐसे वक्त में जब पहलगाम आतंकी हमले के बाद पूरा देश दुख और गुस्से की मनःस्थिति से गुजर रहा है, जम्मू-कश्मीर विधानसभा ने शांति और सांप्रदायिक सद्भाव का एक सशक्त संदेश दिया है। जो कि वक्त की जरूरत भी थी। विधानसभा के विशेष सत्र के दौरान सदन ने सर्वसम्मति से इस वीभत्स हत्याकांड की पुरजोर निंदा करते हुए बाकायदा एक प्रस्ताव पारित किया। जिस आतंकी हमले ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया, लोगों को आक्रोशित तथा दुखी किया, उसके खिलाफ विधानसभा का विशेष सत्र बुलाना व निंदा प्रस्ताव पारित करना निश्चित रूप से देश के जख्मों पर मरहम लगाने जैसा ही है। निश्चय ही यह संदेश देश की गंगा-जमुनी संस्कृति के अनुरूप ही है। निर्विवाद रूप से आतंकियों का कोई धर्म नहीं होता है, लेकिन हर धर्म के व्यक्ति को खुले मन से आतंकियों की निंदा करनी चाहिए। यह विडंबना ही है कि यह भयावह घटना राज्य से केंद्रशासित बने जम्मू-कश्मीर में शांतिपूर्ण और सक्रिय भागीदारी वाले विधानसभा चुनावों के बाद अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार के सत्ता में आने के छह माह बाद हुई। ऐसे में मुख्यमंत्री के लिये सबसे बड़ी चुनौती यह सुनिश्चित करना है कि संवेदनशील केंद्र शासित प्रदेश में लोकतांत्रिक प्रक्रिया के पुनरुद्धार से होने वाले लाभ यूं ही व्यर्थ न चले जाएं। यह सकारात्मक संदेश ही है कि जम्मू-कश्मीर के लोगों ने आतंक को सिरे से खारिज किया है। यही वजह है कि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला नरसंहार के बाद घाटी के लोगों के दिलों से सीधे निकल रहे आक्रोश और दुख को कश्मीर के लिये एक उम्मीद की किरण के रूप में देखते हैं। जो पाक पोषित आतंकवाद को नकारने जैसा ही है। उमर ने विस में कहा भी कि इस केंद्रशासित प्रदेश की हर मस्जिद में पहलगाम हमले में मारे लोगों की याद में मौन रखा गया। जो यह बताता है कि धर्म-संप्रदाय से परे लोग पूरे देश की संवेदनाओं को महसूस करते हैं। साथ ही आतंकवाद को सिरे से खारिज भी करते हैं। निश्चित रूप से इस नये कश्मीर से आया यह संकेत दिल को छूने वाला है। जो यह भी बताता है कि अभी भी सब कुछ खत्म नहीं हुआ है। निश्चित रूप से राष्ट्रीय एकता, करुणा और लचीलेपन की यह भावना स्वागत योग्य है। साथ ही यह भी उम्मीद जगी है कि यह नई सोच विघटनकारी ताकतों का मुकाबला कर सकती है। उन अलगाववादियों का जो विकासशील जम्मू-कश्मीर को फिर से 1990 के दशक की शुरुआत के बुरे दौर में धकेलना चाहते हैं। उल्लेखनीय है कि जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री होने के नाते उमर ने स्पष्ट रूप से स्वीकार किया है कि वे राज्य में आये पर्यटकों को सुरक्षित घर वापस भेजने की अपनी जिम्मेदारी में विफल रहे हैं। उन्होंने उन कयासों को खारिज किया कि त्रासदी का उपयोग राजनीतिक लाभ हेतु राज्य का दर्जा पाने के लिये किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक आतंकवाद अपना भयानक रूप दिखाता रहेगा, तब तक जम्मू-कश्मीर का केंद्रशासित प्रदेश का दर्जा समाप्त नहीं होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि आतंक के खिलाफ लड़ाई में कश्मीरियों और उनके निर्वाचित प्रतिनिधियों की पूरी तरह से भागीदारी जमीन पर एक स्पष्ट अंतर ला सकती है।

पाक के खिलाफ कूटनीतिक-रणनीतिक दबाव जरूरी

पहलगाम घटना ने कश्मीर की रोजी-रोटी पर आंच पहुंचायी है, वहां की शांति को लीला है। यही कारण है कि पहलगाम हत्याकांड के खिलाफ जम्मू-कश्मीर के आम लोगों ने बड़ी संख्या में विरोध-प्रदर्शन किया है। राज्य में बंद रहा, लोगों ने विरोध मार्च निकाले और यहां तक कि कश्मीर के प्रमुख समाचार पत्रों ने विरोध के तौर पर अपने मुखपृष्ठ को स्याह रंग से पोत दिया। आज सरकार, विपक्ष और नागरिकों के सामने एक बड़ी चुनौती है कि वे ऐसा कुछ न करें, जिससे सांप्रदायिक संघर्ष फैले। क्योंकि तब हम केवल उस एजेंडे को आगे बढ़ा रहे होंगे, जो आतंकवादियों का मकसद है- भारत को विभाजित करना। भारत की एकता, कश्मीर की शांति एवं विकास एवं आतंकवाद की कमर तोड़ने के लिये अब पाकिस्तान को केवल सैन्य कार्रवाई से नहीं, बल्कि आर्थिक, राजनयिक एवं वैश्विक दबाव से पंगु बनाना होगा। पाकिस्तान के लिये स्थिर पड़ोसी का विचार छोड़कर रणनीतिक विखंडन के जरिये क्षेत्रीय परिदृश्य को नया आकार देना समय की जरूरत है। सिंध एवं बलुचिस्तान अपने स्तर पर प्रयास कर रहे हैं, आजाद कश्मीर को भारत में मिलाने की जरूरत है। इस रणनीतिक एवं कूटनीतिज्ञ उद्देश्य के लिये एक दूरगामी, बहुआयामी एवं निर्णायक दृष्टिकोण की आवश्यकता है, जिसकी पहल लक्षित सर्जिकल स्ट्राइक और प्रमुख आतंकी सरगनाओं को मिटाकर आतंकी केंद्रों को ध्वस्त करके ही हो सकती है।

- ललित गर्ग

पाकिस्तान की पहचान एक ऐसे देश के रूप में है जो कमजोर है, असफल है, कर्ज में डूबा है, अपने नागरिकों के हितों की रक्षा करने में नाकाम है, आतंक की नर्सरी एवं प्रयोगशाला है, ढहती अर्थव्यवस्था है, इन बड़ी नाकामियों को ढ़कने के लिये ही वह कश्मीर का राग अलापता रहा है, वहां के नेता एवं सैन्य अधिकारी तमाम जर्जरताओं एवं निराशाओं के बावजूद आज भी हिंदू और भारत विरोध को ढ़ाल बनाकर ही अपनी सत्ता मजबूत करते रहे हैं। लेकिन अब उसका चेहरा इतना बदनुमा बन गया है कि उसने धर्म के नाम पर निर्दोष एवं बेगुनाह लोगों का खून बहाना शुरु कर दिया है। भारत ही नहीं, दुनिया में आतंक को फैलाने में अपनी जमीन, संसाधन एवं ताकत का प्रयोग खुलेआम करना शुरु कर दिया है, यह उसकी बौखलाहट ही है, यह उसकी निराशा ही है, यह उसकी विकृत सोच ही है। इस घिनौनी सोच का पर्दापाश पहलगाम के खौफनाक आतंकी हमले के रूप में पूरी दुनिया के सामने हुआ है।

विडम्बना तो यह है कि भारत तथा अंतर्राष्ट्रीय दबाव के आगे लाचार हुए पाकिस्तान के सत्ताधीशों ने स्वीकार किया कि वे पिछले तीस साल से आतंक की फसल सींच रहे थे। भारत ने पूरी दुनिया को मुंबई के भीषण हमले, संसद पर हुए हमले तथा पुलवामा से लेकर उड़ी तक की आतंकवादी घटनाओं में पाक की संलिप्तता के मजबूत सबूत बार-बार दिए, लेकिन अमेरिका व उसके सहयोगी देशों एवं चीन ने इसे अनदेखा ही किया। लेकिन इस बार की पहलगाम घटना ने इन देशों के साथ पूरी दुनिया को झकझोर दिया है और पाकिस्तान के प्रति उनकी सोच बदली है। निश्चित रूप से एक राष्ट्र के रूप में पाकिस्तान की विफलता जग-जाहिर हो गई है, लेकिन उसके आतंकवादी होने के पुख्ता प्रमाणों ने दुनिया को एकजुट कर दिया है, यही कारण है कि दुनिया से वह अलग-थलग अकेला खड़ा है। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया कि पिछले तीस साल से पाक आतंकवादी तैयार करने का काम कर रहा था। साथ ही उन्होंने यह भी सफाई दी कि पाकिस्तान ने ये गंदा काम अमेरिका व ब्रिटेन जैसे देशों के कहने पर किया। सवाल यह है कि क्यों पाक ने एक संप्रभु राष्ट्र के रूप में अपने नैतिक दायित्व का पालन नहीं किया? क्यों उसने किन्हीं दूसरे देशों के कहने पर अपनी जमीन को आतंक की उर्वरा भूमि बनने दिया? क्यों उसने इस्लाम को आधार बनाकर कट्टरपंथ की फसल सींची? पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ की यह स्वीकारोक्ति भारत द्वारा लंबे समय से लगाये जा रहे उन आरोपों की पुष्टि ही है, जिसमें पाक को आतंक की पाठशाला बताया गया था।

सोचने वाली बात तो यह भी है कि उसने इस्लाम एवं मुसलमान समुदाय को भी अपने गलत एवं गंदे मनसूंबों के लिये इस्तेमाल किया। यह कारण है कि अपने धर्म को धुंधलाने एवं बेजा इस्तेमाल का फल उसे तमाम असफलताओं एवं पराजयों के रूप में मिला है, अन्यथा इस्लाम का पवित्र उपयोग करने वाले देश तो दिनोंदिन आगे बढ़ रहे हैं, समृद्ध हो रहे हैं, अपने लोगों को उन्नत जीवन प्रदत्त कर रहे हैं, दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाकर खड़े है। दुनिया पाकिस्तान के बदसूरत चेहरे को देख चुकी है, फिर भी दुनिया को बताना चाहिए कि पुलवामा हमले से पहले कैसे पाकिस्तानी सेना के प्रमुख जनरल आसिम मुनीर ने कट्टरपंथियों जैसा भड़काऊ बयान दिया था। जिसके कुछ समय बाद ही पहलगाम जैसा भयानक आतंकी हमला सामने आया। भारत को दुनिया को बताना चाहिए कि किस तरह पाकिस्तान दुनिया की शांति, अमन एवं उन्नत संसार-निर्माण के लिये खतरा बना हुआ है। जिसको सख्त आर्थिक प्रतिबंधों के जरिये आतंक से दूरी बनाने के लिये बाध्य किया जाना चाहिए। निश्चय ही अब पाक को सबक सिखाने का वक्त आ गया है। आतंकवाद के मसले पर पाकिस्तान सुधर नहीं सकता, अतीत में भारत से तीन युद्ध हारने के बावजूद उसने कुछ सबक नहीं लिया। भारत को नुकसान पहचाने की नीति पर वह आज भी कायम है। भारत की अलग-अलग समय की सरकारों ने अनेक कोशिशें पाकिस्तान से संबंध सुधारने की है, लेकिन पाकिस्तान सुधरा नहीं। भारत के संबंध सुधार, शांति एवं पडोसी देश-धर्म के प्रयासों का जबाव उसने हमेशा आतंकवादी घटनाओं के रूप में ही दिया। भारत के इन सकारात्मक प्रयासों के बदले कभी कारगिल मिला, कभी पठानकोट, कभी उरी तो कभी मुंबई। लेकिन इस बार के पहलगाम के नृशंस आतंकी हमले के बाद हर भारतीय, यहां तक हर कश्मीरी की जुबान पर एक ही सवाल है कि इस पाकिस्तान का इलाज क्या है? लेकिन इस बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कुछ बड़ा और आरपार का करने के मुड़ में है। अब तक प्रधानमंत्रियों में वे सर्वाधिक शक्तिसम्पन्न एवं हौसल्ले वाले महानायक है। पाकिस्तान इस समय बहुआयामी संकट का सामना कर रहा है, आंतरिक असंतोष, आर्थिक पतन एवं घटती अन्तर्राष्ट्रीय प्रासंगिकता के चलते वह बौखलाहट का शिकार है।

इसी का परिणाम है कि वह भारतीय कार्रवाई के जवाब में परमाणु बम से हमले की धमकी, सिंधु नदी को रक्त से भरने तथा कश्मीर मुद्दे के अंतर्राष्ट्रीयकरण जैसे अनाप-शनाप बयानों से वह अपने ही पांव पर कुल्हाडी चलाता हुआ दिख रहा है। चीन पर उसका भरोसा भी उसे निराश ही करेगा। पाकिस्तान में जब चीनी नागरिकों को निशाना बनाया जाता है, तब चीन को उसमें आतंकवाद नजर आता है, लेकिन मौका मिलने पर वह मसूद अजहर जैसे आतंकियों को बचाने से गुरेज नहीं करता। ऐसा नहीं है कि चीन मुस्लिमों का रहनुमा है। दुर्भाग्य से, बात जब भारत की आती है, तो आतंकवाद को लेकर पेइचिंग का नजरिया भी बदल जाता है। लेकिन इस बार चीन के सामने भारत का लुभावना बाजार है, इसके चलते वह पाकिस्तान का खुला समर्थन करेगा, इसमें शंका है। पाकिस्तान का एकमात्र बड़ा सहारा चीन भी उससे दूरी बना ले तो कोई आश्चर्य नहीं है। पाकिस्तान को वह हमेशा भारत को परेशान करने के टूल के रूप में इस्तेमाल करता आया है। पहलगाम की तटस्थ जांच के लिए पाकिस्तान का प्रस्ताव बताता है कि वह कमजोर और अलग-थलग पड़ रहा है। भारत के पक्ष को दुनिया बेहतर ढंग से समझ रही है। यही बात चीन को भी समझानी होगी। मोदी सरकार के लिए यह दिखाना जरूरी हो गया है कि वो इस मामले को लेकर वाकई गंभीर है। जैसे-जैसे पर्यटकों के शव उनके परिवारों तक पहुंच रहे हैं और उनके अंतिम संस्कार के भावुक एवं मार्मिक दृश्य प्रसारित हो रहे हैं- सरकार पर दबाव बढ़ता जा रहा है। लोगों का गुस्सा खासतौर पर इस तथ्य से और बढ़ गया है कि आतंकवादियों ने पहले पुरुषों का धर्म जानना चाहा और उन्हें उनके परिवार के सामने गोली मार दी।

पहलगाम घटना ने कश्मीर की रोजी-रोटी पर आंच पहुंचायी है, वहां की शांति को लीला है। यही कारण है कि पहलगाम हत्याकांड के खिलाफ जम्मू-कश्मीर के आम लोगों ने बड़ी संख्या में विरोध-प्रदर्शन किया है। राज्य में बंद रहा, लोगों ने विरोध मार्च निकाले और यहां तक कि कश्मीर के प्रमुख समाचार पत्रों ने विरोध के तौर पर अपने मुखपृष्ठ को स्याह रंग से पोत दिया। आज सरकार, विपक्ष और नागरिकों के सामने एक बड़ी चुनौती है कि वे ऐसा कुछ न करें, जिससे सांप्रदायिक संघर्ष फैले। क्योंकि तब हम केवल उस एजेंडे को आगे बढ़ा रहे होंगे, जो आतंकवादियों का मकसद है- भारत को विभाजित करना। भारत की एकता, कश्मीर की शांति एवं विकास एवं आतंकवाद की कमर तोड़ने के लिये अब पाकिस्तान को केवल सैन्य कार्रवाई से नहीं, बल्कि आर्थिक, राजनयिक एवं वैश्विक दबाव से पंगु बनाना होगा। पाकिस्तान के लिये स्थिर पड़ोसी का विचार छोड़कर रणनीतिक विखंडन के जरिये क्षेत्रीय परिदृश्य को नया आकार देना समय की जरूरत है। सिंध एवं बलुचिस्तान अपने स्तर पर प्रयास कर रहे हैं, आजाद कश्मीर को भारत में मिलाने की जरूरत है। इस रणनीतिक एवं कूटनीतिज्ञ उद्देश्य के लिये एक दूरगामी, बहुआयामी एवं निर्णायक दृष्टिकोण की आवश्यकता है, जिसकी पहल लक्षित सर्जिकल स्ट्राइक और प्रमुख आतंकी सरगनाओं को मिटाकर आतंकी केंद्रों को ध्वस्त करके ही हो सकती है।

परशुराम जयंती विशेष: पराक्रम के प्रतीक थे भगवान परशुराम

- ऋतुपर्ण दवे

दरअसल धर्म को सरल और बेहद कम शब्दों में इस तरह भी समझा कि समाज द्वारा स्वीकृत वो मान्यताएं हैं जिस पर चल कर मनुष्य कितना भी शक्तिशाली हो जाए किसी दूसरे का अहित नहीं कर सकता है तथा संतुलित व मर्यादित रहता है। वह धर्मनीति ही है जो मानवता का बोध कराने, अत्याचार, अनाचार, साधु-संतो के उत्थान के लिए भगवान का अनेकों रूप बनवाती है ताकि दुष्टों का संहार, विश्व कल्याण के साथ धर्म जो मनुष्य को उसकी सीमाओं में रखता है की रक्षा की जा सके। भगवान परशुराम ऐसे ही धर्मपरायण थे जो क्रोध के वशीभूत होकर अनाचारियों के लिए किसी काल से कम न थे।

परशुराम ही इतिहास के पहले ऐसा महापुरुष हैं जिन्होंने किसी राजा को दंड देने के लिए दूसरे राजाओं को भी सबक सिखा नई राजव्यवस्था बनाई जिससे हा-हाकार मच गया। परशुराम की विजय के बाद संचालन सही ढ़ंग से न होने से अपराध और हाहाकार की स्थिति बनी। उससे घबराए ऋषियों ने तपोभूमि से साधना लीन दत्तात्रेयजी को उठा पूरा वृत्तान्त बताया। उनके साथ जाकर कपिल और कश्यप मुनि ने परशुराम को समझाया। पहले तो समझ नहीं आया लेकिन कई वर्षों के क्रोध के बाद जब

परशुराम कुछ शांत हुए तो उन्हें समझ आया और अपने कृत्यों पर पश्चाताप करने लगे। परशुराम को, मुनि दत्तात्रेय, कपिल और कश्यप ने इसके लिए बहुत धिक्कारा। ग्लानि में डूबे परशुराम ने संगम तट पर सारे जीते हुए राज्य कश्यप मुनि को दान दे दिया और स्वयं महेन्द्र पर्वत चले गए उसके बाद राजकाज की दोबारा सुचारू शासन व्यवस्था संचालित हो पाई।

भगवान परशुराम को पराक्रम का प्रतीक माना जाता है। उन्हें राम का पर्याय और सत्य सनातन माना जाता है जिनका जन्म 6 उच्च ग्रहों के योग में हुआ।

ग्रहों के प्रभाव से वो तेजस्वी, ओजस्वी और वर्चस्वी बने। महाप्रतापी व माता-पिता भक्त परशुराम ने जहां पिता की आज्ञा से माता का गला काट दिया वहीं पिता से माता को जीवित करने का वरदान भी मांग लिया। इस तरह हठी, क्रोधी और अन्याय के खिलाफ संघर्ष करने वाले परशुराम का लक्ष्य मानव मात्र का हित था। वो परशुरामजी ही थे जिनके इशारों पर नदियों की दिशा बदल जाया करतीं थीं। उन्होंने अपने बल से आर्यों के शत्रुओं का नाश किया, हिमालय के उत्तरी भू-भाग, अफगानिस्तान, ईरान, इराक, कश्यप भूमि और अरब में जाकर शत्रुओं का संहार किया। उसी फारस जिसे पार्शिया भी कहा जाता था का नाम इनके फरसे पर ही किया गया। इन्होंने भारतीय संस्कृति को आर्यन यानी ईरान के कश्यप भूमि क्षेत्र और आर्यक यानी इराक में नई पहचान दिलाई।

गौरतलब है कि पार्शियन भाषी पार्शिया परशुराम के अनुयायी और अग्निपूजक कहलाते हैं और परशुराम से इनका संबंध जोड़ा जाता है। अब तक भगवान परशुराम पर जितने भी साहित्य प्रकाशित हुए हैं उनसे पता चलता है कि मुंबई से कन्याकुमारी तक के क्षेत्रों को 8 कोणों में बांटकर परशुराम ने प्रान्त बना कर इसकी रक्षा की प्रतिज्ञा भी की। अयोध्या, मिथिला, काशी, कान्यकुब्ज, कनेर, बिंग के साथ ही कहते हैं कि पूर्व के प्रान्तों में मगध और वैशाली भी महासंघ में शामिल थे जिसका नेतृत्व भगवान परशुराम ने ही किया। दूसरी ओर हैहयों के साथ आज के सिन्ध, महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, पंजाब, लाहौर, अफगानिस्तान, कंधार, ईरान, ट्रांस-ऑक्सियाना तक फैले 21 राज्यों के राजाओं से युद्ध तक किया। सभी 21 अत्याचारी राजाओं और उनके उत्तराधिकारियों तक का परशुराम ने विनाश भी किया जिससे दोबारा कोई सिर न उठा सके। केरल प्रदेश को बसाने वाले परशुराम ही थे। एक शोध के अनुसार परशुराम में ब्रम्हा की सृजन शक्ति, विष्णु की पालन शक्ति व शिव की संहार शक्ति विद्यमान थी जिससे त्रिवंत कहलाए। उनकी तपस्या स्थली आज भी तिरुवनंतपुरम के नाम से प्रसिद्ध है जो अब केरल की राजधानी है। केरल, कन्याकुमारी और रामेश्वरम के संस्थापक भगवान परशुराम की केरल में नियमित पूजा होती है। यहां के पंडित संकल्प मंत्र उच्चारण में समूचे क्षेत्र को परशुराम की पावन भूमि कहते हैं।

परशुराम के बारे में पुराणों में लिखा है कि महादेव की कृपा व योग के उच्चतम ज्ञान के सहारे वे अजर, अमर हो गए और आज भी महेंद पर्वत में किसी गुप्त स्थान पर आश्रम में रहते हैं। कई धर्मग्रन्थों में वर्णित नक्षत्रो की गणना से हैहय-परशुराम युद्ध अब से लगभग 16300 साल के पहले का माना जाता है। वहीं कुछ कथाएं यह भी हैं कि कई हिमालय यात्रियों ने परशुराम से भेंट होने की बात भी कही हैं। भगवान परशुराम की यही गाथा है जिसमें अनीति, अत्याचार, छल-प्रपंच का संहार करने की सच्चाई है जो आज भी प्रासंगिक है और युगों-युगों तक रहेगी। हर वर्ष वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को भगवान विष्णु के अवतार परशुरामजी का जन्मोत्सव मनाया जाता है।

श्रीराम और भरत के मिलाप का साक्षी है चित्रकूट का यह मंदिर

ऋषि वाल्मीकि द्वारा रामायण की रचना की गई थी। उनके द्वारा रचित रामायण के उत्तरकाण्ड में भरत मिलाप का प्रसंग मिलता है। भरत मिलाप प्रसंग को पढ़ने या सुनने के बाद व्यक्ति का मन भाव-विभोर हो उठता है। चित्रकूट में हुए इस मिलन स्थान का आज भी उतना ही महत्व माना जाता है, जितना कि उस दौरान था जब श्रीराम और भरत का मिलाप हुआ था। वर्तमान समय में इस स्थान पर एक मंदिर भी स्थापित है, जिसको भरत मिलाप मंदिर के नाम से जाना जाता है। बता दें कि मध्यप्रदेश के चित्रकूट में भगवान कामतानाथ परिक्रमा मार्ग पर भरत मिलाप मंदिर है। रामायण में वर्णित एक कथा के मुताबिक जब भगवान श्रीराम अयोध्या से गए, तो उनको मनाने के लिए भरत चित्रकूट पहुंचे। जहां पर उन्होंने श्रीराम से वापिस अयोध्या चलने का आग्रह किया, लेकिन श्रीराम ने अपने वचन को पूरा करने के लिए स्नेह के साथ भरत को वापिस अयोध्या भेज दिया था। चित्रकूट में श्रीराम और भरत के मिलन का दृश्य इतना भावपूर्ण था कि आसपास के लोगों के साथ प्रकृति भी भावुक हो गई और पत्थर तक पिघल गए। भाई मिलन का वर्णन गोस्वामी तुलसीदास ने श्रीरामचरित मानस में कुछ इस प्रकार किया है।

द्रवहिं बचन सुनि कुलिस पषाना। पुरजन पेमु न जाइ बखाना॥
बीच बास करि जमुनहिं आए। निरखि नीरु लोचन जल छाए॥4॥

आज भी चित्रकूट में श्रीराम और भरत के पैरों के निशान एक शिला पर देखने को मिलते हैं। राम-भरत मिलाप मंदिर के अलावा लक्ष्मण-शत्रुघन मिलन और कौशल्या-सीता मिलन मंदिर भी स्थापित है। बता दें कि भरत मिलाप मंदिर से कुछ ही दूरी पर एक विशाल कुआं मौजूद है। इस कुएं को भरत कूप के नाम से जाना जाता है। चित्रकूट जाने पर इस पवित्र स्थल के दर्शन के बिना यात्रा अधूरी मानी जाती है। माना जाता है कि भरत श्रीराम का एक राजा के रूप में अभिषक करना चाहते थे, इसके लिए उन्होंने सभी पवित्र तीर्थ स्थलों के जल को एकत्रित किया था। बाद में ऋषि अत्रि की सलाह पर भरत ने जल को इस कुएं में डाल दिया था। इस वजह से इस कुएं को भरत कूप के नाम से जाना जाता है।

आज का इतिहास

1789 – जॉर्ज वॉशिंगटन सर्वसम्मति से अमेरिका के पहले राष्ट्रपति चुने गए।
1908 – खुदीराम बोस और प्रफुल्ल चाकी ने मुजफ्फरपुर में किंग्सफोर्ड के मजिस्ट्रेट की हत्या करने के लिए बम फेंका लेकिन दो बेगुनाह बम की चपेट में आकर मारे गए।
1936 – महात्मा गांधी ने अपना आवास बदला, वर्धा में सेवाग्राम आश्रम में रहने लगे।
1945 – जर्मन तानाशाह हिटलर एवं उसकी पत्नी इवा ब्राउन द्वारा आत्महत्या।
1975 – वियतनाम युद्ध का अंत, तीन दिन के सत्तारूढ़ राष्ट्रपति दुओंग वैन मिन्ह ने अपनी सेनाओं से समर्पण करने और उत्तरी वियतनामियों से हमले रोकने को कहा।
1973 – अमेरिका के राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन ने देश के राष्ट्रपति के नाते वॉटरगेट कांड की जिम्मेदारी ली हालांकि उन्होंने साफ कहा कि वह निजी तौर पर इसके लिए जिम्मेदार नहीं हैं।
1985 – अमेरिकी पर्वतारोही रिचर्ड डिक बास (55वर्ष) माउंट एवरेस्ट पर सर्वाधिक उम्र में चढ़ने वाले व्यक्ति बने।
1991 – बांग्लादेश में भीषण चक्रवात में सवा लाख से अधिक लोगों की मौत और 90 लाख लोग बेघर।
1993 – जर्मनी के हैम्बर्ग शहर में एक मैच के दौरान उस समय की दुनिया की नंबर एक टेनिस खिलाड़ी मोनिका सेलेज को छुरा मारकर घायल कर दिया गया।
2000 – आतंकवाद से निपटने के लिए सहयोग के आह्वान के साथ जी -77 शिखर सम्मेलन हवाना में सम्पन्न।
2002 – पाकिस्तान में राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ के अगले 5 वर्षों के कार्यकाल में वृद्धि के लिए जनमत संग्रह।

अक्षय तृतीया: पौराणिक महत्व का त्योहार

- रमेश सर्राफ धमोरा

अक्षय तृतीया वैशाख महीने में शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है। हिंदू शास्त्रों और पुराणों के अनुसार चार युग का चक्र होता है, जिसे सतयुग, त्रेतायुग, द्वापरयुग और कलियुग के नाम से जाना जाता है। अक्षय तृतीया के दिन सतयुग जिसे इंसान के जीवन का सुनहरा दौर कहा जाता है वो समाप्त हो जाता है और त्रेतायुग शुरू हो जाता है। इसलिए अक्षय तृतीया को युगादि तिथि भी कहा जाता है। हिंदू परिवारों के लिए यह दिन बहुत ज्यादा महत्व रखता है।

अक्षय शब्द का अर्थ होता है कभी न मिटने या कम होने होने वाला। संस्कृत में अक्षय (अक्षय) शब्द का अर्थ समृद्धि, आशा, खुशी, सफलता होता है। जबकि तृतीया का अर्थ है चंद्रमा का तीसरा चरण। इसका नाम हिंदू कैलेंडर में वैसाख के वसंत महीने के तीसरे चंद्र दिवस के नाम पर रखा गया है। इस त्योहार को हम अपनी भाषा में आखा तीज नाम से भी जानते हैं। जिसका अर्थ होता है जो कभी खत्म ना होने वाला। इसलिए यह दिन वस्तुओं की खरीदारी का सबसे शुभ दिन माना जाता है। 'अक्षय' शब्द का अर्थ होता है जो कभी खत्म न हो। इसी कारण इस दिन किए गए सभी अच्छे कार्यों, जैसे जप, यज्ञ, दान का पुण्य कभी समाप्त नहीं होता। माना जाता है कि अक्षय तृतीया का दिन व्यक्ति को अनंत सुख और समृद्धि की प्राप्ति करता है। इस दिन जितने पुण्य किए जाएं उतने हमें हमारे लिए कम है। देश में समय-समय पर बहुत से त्योहार मनाये जाते हैं। इसलिए हमारे देश को त्योहारों का देश भी कहते हैं। हिंदू धर्मावलम्बियों के प्रमुख त्योहारों में से एक अक्षय तृतीया है जिसे हम आखा तीज भी कहते हैं। अक्षय तृतीया देश भर में हिंदुओं द्वारा मनाए जाने वाले सबसे पवित्र और शुभ दिनों में से एक है। माना जाता है कि इस दिन से जो भी कार्य इस शुरू होता है वो हमेशा पूर्ण होता है। यह त्यौहार हर वर्ष वैशाख महीने में शुक्ल पक्ष के तृतीया को आता है। इस वर्ष अक्षय तृतीया 22 अप्रैल को है।

अक्षय तृतीया को शादी का मुहुर्त माना जाता है क्योंकि इस दिन शुभ कार्य करने के लिए मुहूर्त नहीं देखना पड़ता। इसी कारण अक्षय तृतीया को बहुत अधिक शादियां होती हैं। अक्षय तृतीया का पर्व बसंत और ग्रीष्म के संधिकाल का महोत्सव है। इस तिथि में गंगा स्नान, पितरों का तिल व जल से तर्पण और पिंडदान भी पूर्ण विश्वास से किया जाता है जिसका फल भी अक्षय होता है। इस तिथि की गणना युगादि तिथियों में होती है क्योंकि सतयुग की समाप्ति पर त्रेतायुग का आरंभ इसी तिथि से हुआ है। माना जाता है कि इस दिन भगवान विष्णु ने परशुराम के रूप में

जन्म लिया था। इसीलिये इस दिन को परशुराम जयंती के रूप में मनाते हैं। मान्यता है कि आखा तीज के दिन राजा भागीरथ गंगा नदी को पृथ्वी पर लाये थे। अक्षय तृतीया के दिन भगवान विष्णु तथा उनकी धर्मपत्नी लक्ष्मीजी की पूजा की जाती है। आखा तीज के दिन ही देवी अन्नपूर्णा का जन्म भी हुआ था। यह वह दिन था जब भगवान कृष्ण ने अपनी सारी संपत्ति और सौभाग्य अपने गरीब मित्र सुदामा को दे दिया था। अक्षय तृतीया के दिन श्रद्धेय ऋषि वेद व्यास ने महाभारत की रचना शुरू की थी।

पुराणों के अनुसार यह दिन त्रेता युग की शुरुआत का प्रतीक है। जो मानव जाति के चार युगों या युगों में से दूसरा है। जैन धर्म में अक्षय तृतीया एक महत्वपूर्ण तिथि है जिसे दान और पुण्य कार्य करने के लिए विशेष रूप से शुभ माना जाता है। इस दिन भगवान ऋषभदेव (प्रथम तीर्थंकर) ने एक वर्ष की तपस्या के बाद गन्ने के रस से पारणा किया था इसलिए इस दिन को अक्षय तृतीया के रूप में मनाया जाता हैं। अक्षय तृतीया के दिन यूं तो आप किसी भी देवी-देवता की पूजा कर सकते हैं लेकिन विशेष रूप से इस दिन माता लक्ष्मी, भगवान गणेश और धन के देवता कुबेर की पूजा करने का विधान है। अन्य त्योहारों की तरह इसमें भी दीपक जलाते हैं। इस दिन किया गया परोपकार हमारे लिए जीवन को सुखी बना देता हैं। इसीलिए इस दिन लोग गरीबों को भोजन कराते हैं तथा उनकी सहायता करते हैं।

माना जाता है कि इस दिन किए गए पुण्य हमारे लिए स्वर्ग में जगह बनाते हैं। इस दिन कई लोग जागरण रखकर हवन करते हैं तथा गरीबों को दान देते हैं। कई लोग अपने नए घर में मुहूर्त के हिसाब से प्रवेश करते हैं। अक्षय तृतीया का पौराणिक महत्व भी है। मान्यता है कि इसी दिन सतयुग और त्रेता युग का आरंभ हुआ था। द्वापर युग का समापन और महाभारत युद्ध का समापन भी इसी तिथि को हुआ था। देश के अनेक हिस्सों में इस तिथि का अलग-अलग महत्व है। जैसे उड़ीसा और पंजाब में इस तिथि को किसानों की समृद्धि से जोड़कर देखा जाता है तो बंगाल में इस दिन गणपति और लक्ष्मीजी की पूजा का विधान है। इतना पवित्र पर्व होने के बाद भी इस दिन बड़ी संख्या में होने वाले बाल विवाह इस पर्व के महत्व को कम करते हैं। अबूझ सावा मान कर बड़ी संख्या में लोग अपने नाबालिग बच्चों की इस दिन शादी कर देते हैं। कम उम्र के बच्चों के विवाह रोकने के लिए इस दिन प्रशासन को विशेष इंतजाम करने पड़ते हैं। राजस्थान सहित कई प्रदेशों में तो अक्षय तृतीया का दिन बाल विवाह के लिए बदनाम हो चुका है। विकास के दौर में बाल विवाह एक नासूर के समान है। देश में हर व्यक्ति को शिक्षित करने की मुहिम चल रही है। हर व्यक्ति को उत्तम स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने के प्रयास किए जा रहे हैं। ऐसे में बाल विवाह होना समाज के माथे पर कलंक के समान है।

देश में अक्षय तृतीया (आखा तीज) पर हर वर्ष हजारों की संख्या में बाल विवाह किए जाते हैं। तमाम प्रयासों के बावजूद हमारे देश में बाल विवाह जैसी कुप्रथा का अन्त नहीं हो पा रहा है। भारत में बेटी-बचाओ-बेटी पढ़ाओ जैसे अभियान के शुरू होने के बावजूद एक नाबालिग बेटी की जबर्दस्ती शादी करा दी जा रही है। बाल विवाह मनुष्य जाति के लिए अभिशाप है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हर जगह बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ का नारा देते हैं। देश के सभी प्रदेशों में बेटियां शिक्षित हो रही हैं। ऐसे में समाज को आगे आकर कम उम्र में लड़कियों के होने वाले बाल विवाह रुकवाने के प्रयास करने होंगे। ऐसे पवित्र दिन का महत्व बनाए रखने के लिए समाज को इस दिन होने वाली कुरीतियों पर रोक लगाकर सकारात्मक संदेश देना होगा। तभी सार्थकता बनी रह पाएगी।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर-7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 **संपादक - आदित्य वशिष्ठ** कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@ gmail. Com

बिना थके, बिना रुके, बिना डिगे, निरंतर जारी रहेगी यूपी की सफल यात्राः मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों को आश्वस्त किया है कि उत्तर प्रदेश सरकार ने विगत 8 वर्ष में प्रधानमंत्री मोदी के विजन के अनुरूप मजबूती के साथ सफलता की ओर कदम बढ़ाए हैं। बिना रुके, बिना थके, बिना डिगे यह यात्रा अनवरत जारी रहेगी। सीएम योगी ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश में एक्सप्रेसवे का सबसे बड़ा नेटवर्क है। सर्वाधिक मेट्रो का संचालन उत्तर प्रदेश कर रहा है। रेलवे का सबसे बड़ा नेटवर्क यूपी के पास है। देश की पहली रैपिड रेल यूपी में चल रही है और देश का पहला इनलैंड वॉटरवेज यूपी में है।

भारत सरकार द्वारा संचालित 45 से अधिक स्कीम को उत्तर प्रदेश लीड करता है। यह नए भारत का नया उत्तर प्रदेश है और नया उत्तर प्रदेश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन को जमीनी धरातल पर उतार कर अपने सामर्थ्य को देशवासियों के सामने रख रहा है। एक निजी चैनल के कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश जो 2017 में सातवीं अर्थव्यवस्था था, आज देश की नंबर दो अर्थव्यवस्था बन चुका है। 1 ट्रिलियन डॉलर इकोनामी बनने के लिए उत्तर प्रदेश ने जो कदम बढ़ाए हैं उसको आगे बढ़ाते हुए हम मानकर चलते हैं कि 2029 में उत्तर प्रदेश वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी बनेगा और उत्तर प्रदेश देश की अग्रणी अर्थव्यवस्था के रूप में अपने आप को स्थापित करेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश भारत की आबादी का सबसे बड़ा राज्य है और देश का हृदय स्थल भी है। भारत की आत्मा उत्तर प्रदेश में निवास करती है, लेकिन जिन लोगों का एजेंडा विकास नहीं था, जिन लोगों ने उत्तर प्रदेश की इस आत्मा को पहचानने का कभी प्रयास नहीं किया वह लोग उत्तर प्रदेश के बारे में अपने एजेंडे को जबरन उत्तर प्रदेश पर थोपते थे। इसके चलते उत्तर प्रदेश जो व्यापक संभावनाओं वाला प्रदेश था वह 2014 के पहले पहचान के संकट से गुजर रहा था। नौजवान पहचान के लिए मोहताज हो गया, अन्नदाता किसान आत्महत्या के लिए मजबूर हो गया, यहां का श्रमिक भुखमरी का शिकार हो गया, बेटी और व्यापारी दोनों की सुरक्षा में सेंध लग चुकी थी, पर्व और त्योहार दहशत के माहौल में मनाने को मजबूर होना पड़ता था। उत्तर प्रदेश की पहचान एक सामर्थ्यवान और असीम संभावनाओं वाले प्रदेश के रूप में नहीं बल्कि एक बीमारू राज्य के रूप में होने लगी। 2017 से पहले सत्ता का संचालन करने वाले लोग चाहते ही नहीं थे कि उत्तर प्रदेश का कुछ हो। वह हर एक मामले में स्कीम को फेल करने में अपनी पूरी ताकत लगा देते थे। केंद्र में जो स्कीम बनती थी वह उत्तर प्रदेश में आकर फेल हो जाती थी। म

ुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 में जब प्रधानमंत्री मोदी जी के आह्वान पर उत्तर प्रदेश वासियों ने भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में मतदान किया और नई सरकार का गठन किया तब से प्रदेश की सफलता की यह यात्रा जारी है। हमारी सरकार उत्तर प्रदेश में 56 लाख गरीबों के लिए एक-एक आवास बना चुकी है। यह जो गरीब हैं उनमें दलित, पिछड़े, अल्पसंख्यक और अन्य जातियों के लोग भी हैं। हम उनको जातीय खेमों में नहीं बांटते। हमारे लिए वह हमारा नागरिक है और उसकी खुशहाली हमारी खुशहाली है। इस भाव के साथ प्रधानमंत्री मोदी जी के सबका साथ सबका विकास के मंत्र को लेकर हमने काम किया। इसके चलते लोगों के मन में विश्वास पैदा हुआ, जिसका परिणाम है कि हर सेक्टर में बदलाव देखने को मिल रहा है। हमने किसानों की कर्ज माफी के कार्यक्रम को आगे बढ़ाया, हर गरीब को राशन कार्ड मिले यह भी व्यवस्था की, केंद्र और राज्य सरकार की स्कीम को समान रूप से प्रदेश के अंदर हर एक तबके तक पहुंचाने का भी काम किया, कानून व्यवस्था को बेहतर करने का भी काम किया और साथ-साथ उत्तर प्रदेश की पहचान से जुड़े मुद्दों को भी आगे बढ़ाने का काम किया। मुसहर, कोल, सहरिया, बुक्सा, थारू जैसे ट्राईबल को आजादी के बाद भी उनका हक नहीं मिला था।

जमीन के पट्टे तक नहीं हुए थे, बहुत सारी जगह नागरिकता नहीं थी, आवास की कोई सुविधा नहीं थी, राशन कार्ड भी नहीं थे। आज सरकार ने इन्हें सभी प्रकार की योजनाओं से आच्छादित किया है। सीएम ने कहा कि पिछली सरकारों की उपेक्षा के कारण उत्तर प्रदेश में एमएसएमई सेक्टर बंद सा हो गया था। हमने 2018 में उत्तर प्रदेश के परंपरागत उत्पादों को वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट के रूप में पहचान दी। आज पूरे देश के अंदर वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट छाया हुआ है। यह स्वदेशी और स्वाभिमान का प्रतीक बन चुका है।

2017 के पहले चीन का जो प्रोडक्ट दिवाली और अन्य पर्व पर हमारे मार्केट में छा जाता था, लेकिन आज वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट को लोग गिफ्ट के रूप में देते हैं। हमारा हस्तशिल्प, हमारा कारीगर मुनाफा कमाता है। देश का पैसा देश में ही लगता है। नए रोजगार का सृजन भी होता है। 2020 में जब कोरोना महामारी आई तो उत्तर प्रदेश पहला राज्य था जिसने अपने 40 लाख से अधिक कारीगरों और कामगारों के लिए एमएसएमई यूनिट के द्वार खोले। आज हर तबके के व्यक्ति को उसके अनुरूप यहां काम भी मिला है और व्यापक रोजगार भी मिला है। उन्होंने कहा कि स्पिरिचुअल टूरिज्म व्यापक रोजगार का सृजन करता है तो इकोनॉमी को नई गति भी देता है। आस्था और आर्थिक का यह अद्भुत संबंध महाकुंभ में देखने को मिला है। 2017 के पहले इन संभावनाओं के बारे में सोचने वाला कोई नहीं था। उस समय की राजनीतिक लीडरशिप इस दिशा में सोच नहीं रखती थी। उनका यह एजेंडा नहीं था। परिणाम था कि प्रदेश में गुंडागर्दी होती थी, बेटी भी सुरक्षित नहीं थी, व्यापारी भी सुरक्षित नहीं था, प्रदेश में दंगों का लंबा दौर चलता था, हर दूसरे तीसरे दिन एक नए दंगे की शुरुआत होती थी। सत्ताधारी लोगों ने उत्तर प्रदेश के माफिया के सामने घुटने टेक दिए थे। उनके सामने उनकी जुबान नहीं खुलती थी।

माफिया के इशारे पर सरकार चलती थी। वह पैसे वाला अपराधी, माफिया रहा हो, खनन माफिया रहा हो, भू माफिया रहा हो, वन माफिया रहा हो या पशु माफिया रहा हो, यह सभी अपने इशारे पर सरकारों को चलाते थे। आज उत्तर प्रदेश में पिछले 8 वर्ष के अंदर डबल इंजन की सरकार ने जो कार्य प्रारंभ किया है उसका परमाण है कि आज यूपी माफिया मुक्त भी है, दंगा मुक्त भी है, गुंडा मुक्त भी है, अपराध मुक्त भी है। देश के अंदर टूरिज्म के ड्रीम डेस्टिनेशन के रूप में उत्तर प्रदेश ने अपने आप को स्थापित किया है तो निवेश के लिए भी सबसे इन्वेस्टमेंट फ्रेंडली के रूप में उत्तर प्रदेश आज जाना जाता है। सीएम ने कहा कि 2017 के पहले इनवेस्टर्स समिट प्रदेश के लिए एक सपना थी। हमने इसे अमली जामा पहनाया।

पहले इन्वेस्टर समिट में हमें 4,67,000 करोड़ का प्रस्ताव प्राप्त हुआ और 2023 में हमें 40 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। इन्वेस्टमेंट के सबसे अच्छे डेस्टिनेशन के रूप में आज उत्तर प्रदेश जाना जा रहा है। यह सब प्रयास करने से होता है। आज कोई किसान आत्महत्या नहीं करता है, कोई व्यक्ति भूख से नहीं मरता है, किसी नौजवान को पलायन करने के लिए मजबूर नहीं होना पड़ता है, किसी बेटी और व्यापारी को सुरक्षा के लिए गुहार नहीं लगानी होती है, प्रदेश के अंदर पिक एंड चूज करके कोई व्यक्ति किसी भी इन्वेस्टर को यहां से बाहर जाने के लिए मजबूर नहीं कर सकता है, क्योंकि सब कुछ एक सिंगल विंडो प्लेटफार्म पर आधारित है। टेक्नोलॉजी का बेहतर उपयोग किया गया है और उसके माध्यम से कोई भी निवेशक आकर के अपने निवेश को करते हुए प्रदेश के विकास में, देश के विकास में अपना योगदान कर सकता है।

दंगा मुक्त, माफिया मुक्त हुआ उत्तर प्रदेश

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले दिन से सरकार ने तय किया कि अपराध और अपराधियों के प्रति, भ्रष्टाचार और भ्रष्टाचारियों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत काम करेगी। आज परिणाम सबके सामने है। हर व्यक्ति आज अपने आप को सुरक्षित महसूस करता है और 2017 से पहले पर्व और त्यौहारों पर भय का माहौल होता था। आज पर्व और त्योहार किसी भी समुदाय का हो बहुत शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न होता है। प्रदेश दंगा मुक्त हुआ, सुरक्षा का एक बेहतरीन वातावरण बना तो देखते ही देखते देश और दुनिया के यात्री और पर्यटक उत्तर प्रदेश की ओर उमड़ पड़ा। जिस उत्तर प्रदेश में 2017 के पहले वर्ष भर में मात्र लाखों की संख्या में पर्यटक आते थे, वहीं आज यह संख्या करोड़ों में पहुंच रही है। महाकुम्भ में ही 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालु उत्तर प्रदेश आए। इस वर्ष आंकलन करेंगे तो प्रदेश में पर्यटकों की संख्या 100 करोड़ के ऊपर पहुंचेगी।

2017 से पहले सरकारों की सोच जातिवादी और कार्य परिवारवादी

सीएम ने कहा कि यह संभावनाएं 2017 में भी थीं, लेकिन दूसरी सरकारों का एजेंडा संकीर्ण था। उनके एजेंडे सीमित दायरे में थे। उनकी सोच जातिवादी थी और कार्य परिवारवादी थे। वह परिवार से बाहर देख नहीं सकते थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज प्रदेश के किसी भी शहर में जाएंगे तो आपको 2017 के पहले और आज के उत्तर प्रदेश में अंतर साफ दिखाई देगा। कूड़े के ढेर पूरी तरह समाप्त हो चुके हैं। हर शहर और गांव में स्वच्छता के लिए प्रतिस्पर्द्धा प्रारंभ हुई है। इसका नतीजा ये हुआ है कि नारी की गरिमा की भी रक्षा हुई है, हर गरीब के घर में शौचालय आ गया है और इंसेफेलाइटिस और मलेरिया जैसी बीमारियों को नियंत्रित करने में सफलता प्राप्त हुई है।

अयोध्या में श्रीराम मन्दिर पर ध्वज दंड स्थापित

अयोध्या। श्रीराम जन्म भूमि मंदिर के शिखर पर ध्वज दंड स्थापित किया गया। वैशाख शुक्ल पक्ष द्वितीया तिथि मंगलवार को सुबह आठ बजे श्री राम जन्मभूमि मन्दिर के मुख्य शिखर पर विधि विधान पूर्वक ध्वज दंड स्थापित किया गया है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महामंत्री चम्पत राय के अनुसार ध्वज दंड 42 फुट लंबा है। इसे स्थापित करने की प्रक्रिया प्रातः साढ़े छह बजे प्रारम्भ होकर आठ बजे पूर्ण हुई। विदित हो कि शिखर कलश समेत मन्दिर की ऊंचाई 161 फुट है। अब इसमें 42 फुट का ध्वज दंड भी जुड़ गया है।

आतंकवाद के विरोध में पूरा शहर रहा बन्द

बिजनौर | पहलगाम में हुए आतंकी हमले के विरोध में बिजनौर शहर पूरी तरह बंद रहा शहर के सिविल लाइन, सर्राफा मार्केट,शक्ति चौक, डाकघर चौराहा,जजी चौराहा, बुल्ला चौराहा,राम का चौराहा,सदर बाजार, फल-सब्जी मण्डी, डाकघर चौराहा आदि में दुकानें बंद रही, वहीं वकील हड़ताल पर रहे, शहर के दर्जनों निजी स्कूलों व कॉलेजों में पहलगाम शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई | इस बंदी में सभी व्यापार संगठन, सामाजिक संगठन व राजनीतिक संगठनों के अलावा हिंदू संगठन भी शामिल रहे | व्यापारी चौराहों पर कुर्सी डाल कर बैठे रहे। सभी ने आतंकियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की भारत सरकार से मांग की है | इस बंद में सभी वर्ग शामिल रहे | मुसलमानों ने बंद का पूरा समर्थन करते हुए अपने प्रतिष्ठान पूरी तरह बंद रखे। हिंदू संगठनों ने रामलीला मैदान से प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान के विरुद्ध जमकर नारेबाजी की तथा पाकिस्तान का पुतला दहन किया | एकत्र लोगों ने पाकिस्तान को सबक सिखाने की मांग की | इस बंद में रिक्शा यूनियन ने भी साथ दिया। रिक्शे नहीं चलाए , वही ट्रांसपोर्ट भी इस बंदी से अछूता नहीं रहा | इस अभूतपूर्व बन्दी को लेकर लोगों का मानना था कि कोरोना काल में भी इतनी सफल बंदी नहीं देखी गई |

एसटीएफ ने एक लाख के इनामी को मार गिराया

मैनपुरी। एसटीएफ आगरा की टीम से आज सुबह तड़के एलाऊ थाना क्षेत्र में एक लाख रुपये के इनामी बदमाश की मुठभेड़ हो गई। पुलिस की गोली लगने से वह घायल हो गया।

बदमाश को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी पर पुलिस अधीक्षक गणेश प्रसाद साहा और एसपी सिटी अरुण कुमार सिंह ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच पड़ताल की। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि हाथरस के गांव पहाड़पुर निवासी एक लाख का इनामी जितेंद्र उर्फ जीतू एक हत्या के मामले में फरार चल रहा था। उसकी लोकेशन एलाऊ थाना इलाके के तारापुर से दिलाखर जाने वाले मार्ग में मिली तो एसटीएफ और पुलिस ने उसे घेर लिया। खुद को घिरा पाकर बदमाश ने फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस टीम ने अपना बचाव करते हुए जवाब में गोलियां चलाई, जिसमें एक गोली बदमाश के पेट में जा लगी। घायल होकर वह गिर पड़ा। पुलिस ने उसे इलाज के लिए अस्पताल लेकर पहुंची, जहां डॉक्टर ने देखते ही उसे मृत घोषित कर दिया। एसपी ने बताया कि जीतू पर हाथरस में हुई एक हत्या मामले में फरार चल रहा था। गिरफ्तारी पर पुलिस की ओर से एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया गया था। उस पर कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

मृतक की फाइल फोटो

राहुल का रायबरेली और अमेठी का दो दिवसीय दौरा शुरू, वंचितों को सौर ऊर्जा से चलने वाली गाड़ियां सौंपी

रायबरेली। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली और अमेठी लोकसभा क्षेत्र के दो दिवसीय दौरे की शुरुआत की। राहुल ने रायबरेली में वंचितों को सौर ऊर्जा से चलने वाली गाड़ियां वितरित कीं। राहुल मंगलवार सुबह लखनऊ हवाई अड्डे पर उतरे, जहां कांग्रेस की राज्य इकाई के प्रमुख अजय राय, राष्ट्रीय महासचिव एवं उप्र प्रभारी अविनाश पांडे, विधानसभा में कांग्रेस विधायक दल की नेता आराधना मिश्रा 'मोना' और अमेठी के सांसद केएल शर्मा सहित अन्य पार्टी नेताओं ने उनका स्वागत किया। इसके बाद राहुल सड़क मार्ग से रायबरेली के लिए रवाना हो गए। राहुल ने रायबरेली पहुंचने पर 'विसाका इंडस्ट्रीज' में दो मेगावाट के सौर छत संयंत्र और 'इलेक्ट्रिक चार्जिंग स्टेशन' का उद्घाटन किया।

उन्होंने इस अवसर पर वंचितों को एक गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) द्वारा दान की गईं सौर ऊर्जा से चलने वाली करीब एक दर्जन गाड़ियां भी सौंपीं। पार्टी की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष अजय राय ने से कहा कि राहुल गांधी का उत्तर प्रदेश, रायबरेली और अमेठी से पुराना रिश्ता है तथा इस क्षेत्र के साथ गांधी परिवार के पारिवारिक संबंध हैं।" राहुल गांधी ने मंगलवार सुबह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को एक पत्र लिखकर पहलगाम आतंकी हमले पर चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने का अनुरोध किया। हमले में 26 लोग मारे गए थे, जिनमें से अधिकतर पर्यटक थे। उन्होंने कहा कि पहलगाम त्रासदी ने हर भारतीय को झकझोर दिया है। राहुल ने पत्र में कहा, "हम अनुरोध करते हैं कि ऐसा विशेष सत्र जल्द से जल्द बुलाया जाए।" राहुल ने रायबरेली में सिविल लाइंस चौराहे पर सुभाष चंद्र बोस की एक प्रतिमा का उद्घाटन किया और फिर बचत भवन में आयोजित दिशा (जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति) की बैठक में भाग लिया। उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने दिशा की बैठक में शामिल होने के बाद पत्रकारों से बातचीत में कांग्रेस नेता के इरादों पर आलोचनात्मक टिप्पणी की। सिंह ने राहुल पर केवल मीडिया का ध्यान आकर्षित करने के लिए बैठक में भाग लेने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा, "वह (राहुल गांधी) केवल सुर्खियां बनाने के लिए आते हैं। रास्ते में, वह जलेबी खाने या मोची की दुकान पर बैठने के लिए रुक सकते हैं क्योंकि इससे वह मीडिया की सुर्खियों में आते हैं।" राहुल बुधवार को अमेठी का दौरा करेंगे।

पार्टी कार्यकर्ता आकाश आनंद का हौसला बढ़ाएंः मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने मंगलवार को कहा कि पार्टी के लोगों को आकाश आनंद का उत्साहवर्धन करना चाहिए, ताकि वह पार्टी के लिए पूरे मन से काम कर सकें। उन्होंने कहा कि पार्टी में वापस लिए गए अन्य सभी लोगों को भी पूरा सम्मान दिया जाना चाहिए।

बसपा प्रमुख मायावती ने मंगलवार को सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट किया, 'पार्टी से जुड़े लोग अपनी अज्ञानता, उत्साह, लापरवाही या विपक्षी दलों की साजिश के प्रभाव में आकर बहुत सारी गलतियां कर जाते हैं। ऐसे लोगों को सुधारने के लिए पार्टी की जिम्मेवारी से अलग करना व गम्भीर मामलों में निकालना भी पड़ता है।' उन्होंने लिखा, 'पार्टी से निकाले जाने के बाद अगर उनमें से कुछ बदलाव आते हैं। माफी मांग लेते हैं तो उन्हें पार्टी के हित में वापस भी लेना पड़ता है। जब से पार्टी बनी है, तब से ऐसा ही होता आ रहा है।

कई बार पार्टी से निकाले गए लोगों को भी वापस लिया गया है। ऐसा सिर्फ बसपा में ही नहीं, बल्कि अन्य सभी पार्टियों में भी होता है।' मायावती ने अपनी पोस्ट में कहा कि आकाश आनन्द के मामले में खासकर बहुजन समाज के कुछ स्वार्थी व बिकाऊ लोग हैं। जिन्होंने पार्टी के वोटों को बांटने व कमजोर करने के लिए अपनी अनेक पार्टी व संगठन आदि बनाये हुये हैं। वे इस बात का मीडिया में आएदिन काफी गलत प्रचार करते रहते हैं। पार्टी के लोगों को ऐसे अवसरवादी और स्वार्थी तत्वों से सावधान रहना चाहिए।

बढ़ती घरेलू हिंसा और आत्महत्या के मामले चिंताजनकः एडीजी

हाथरस। अग्रसेन कन्या महाविद्यालय में मंगलवार को ऑपरेशन जागृति फेस 4.0 के तहत एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एडीजी अनुपम कुलश्रेष्ठ ने कई जरूरी सामाजिक मुद्दों के प्रति छात्र-छात्राओं और मौजूद लोगों को जागरूक किया। सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों के बारे में जानकारी देते हुए उनकी उपयोगिता समझाई गई। महिलाओं के प्रति बढ़ती हिंसा, साइबर अपराध, नशा मुक्ति और पारिवारिक विघटन जैसे विषयों पर चर्चा कर जागरूकता बढ़ाई गई। महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबर वूमेन पावर हेल्पलाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, एंबुलेंस 108, चाइल्ड लाइन 1098, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 आदि के बारे में जागरूक किया गया। एडीजी अनुपम कुलश्रेष्ठ ने छात्राओं को समझाया कि वे दो परिवारों को जोड़ने का माध्यम हैं। उन्होंने घरेलू हिंसा के कारणों और युवाओं में आत्महत्या की बढ़ती प्रवृत्ति पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने छात्रों से अपनी समस्याएं परिजनों और शिक्षकों से साझा करने का आग्रह किया। डीएम राहुल पांडेय ने छात्राओं को मेहनत और लगन से शिक्षा प्राप्त करने की सलाह दी। पुलिस अधीक्षक ने छात्राओं को आश्वस्त किया कि पुलिस हमेशा उनकी मदद के लिए तैयार है।

प्रदेश सरकार अनाथ बच्चों के लिए 10 जिलों में बनाएगी आश्रय गृह

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ की सरकार राज्य के 10 जिलों में 10 नवीन बाल आश्रय गृह स्थापित करेगी। एक आधिकारिक बयान में मंगलवार को यह जानकारी दी गयी। बयान के मुताबिक, इन आश्रय गृहों की स्थापना के लिए 100 करोड़ रुपये का बजट प्रस्तावित है।

बयान में बताया गया कि मुख्यमंत्री बाल आश्रय योजना के अन्तर्गत महिला कल्याण विभाग द्वारा राजकीय देख-रेख व संरक्षण की आवश्यकता वाले निराश्रित बच्चों के सुरक्षित, सर्वांगीण विकास के लिए इन गृहों को संचालित किया जाएगा। बयान के मुताबिक, योजना के तहत प्रथम चरण में वाराणसी, गोरखपुर, लखनऊ, अयोध्या, अमेठी, मथुरा, फिरोजाबाद, बस्ती, झांसी एवं कानपुर देहात में विभिन्न श्रेणियों में 100-100 बच्चों की क्षमता के कुल 10 नवीन गृहों का निर्माण किया जाएगा।

बयान में बताया गया कि इन गृहों में एक राजकीय बाल गृह (बालिका), एक राजकीय बाल गृह (बालक), सात राजकीय सम्प्रेक्षण गृह (किशोर) और किशोर न्याय बोर्ड सहित एवं एक 'प्लेस ऑफ सेफ्टी' गृह सम्मिलित हैं। बयान के मुताबिक, योगी सरकार का इस योजना के माध्यम से उन बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ने का लक्ष्य है, जो अनाथ या फिर कठिन परिस्थितियों में जीवन यापन कर रहे हैं। बयान में बताया गया कि प्रस्तावित गृहों में बच्चों को सुरक्षित माहौल, पौष्टिक भोजन, शिक्षा और कौशल विकास की सुविधाएं दी जाएंगी।

सड़क हादसा में कार सवार पति-पत्नी की मौत

झांसी। जिले में मंगलवार सुबह एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की चपेट में आने से कार सवार पति-पत्नी की मौत हो गई। पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) डीएन मिश्रा ने बताया कि सुबह करीब सवा छह बजे मौठ थाना क्षेत्र में नारायण ढाबे के सामने कानपुर राजमार्ग पर झांसी की तरफ आ रही एक कार को विपरीत दिशा से आ रहे अज्ञात भारी वाहन ने टक्कर मार दी।

मिश्रा के मुताबिक, हादसे की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की टीम ने कार में फंसे पति-पत्नी को किसी तरह बाहर निकाला और स्वास्थ्य केंद्र मौठ ले गए, जहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। मिश्रा के अनुसार, मृतक दंपति की पहचान मडौरा (बड़ागांव) निवासी अनिल कुशवाहा और विनीता कुशवाहा के रूप में हुई है।

पुलिस ने बताया कि अनिल और विनीता सोमवार रात मौठ में एक विवाह समारोह में शामिल होने के बाद मंगलवार सुबह मडौरा लौट रहे थे, तभी वे हादसे के शिकार हो गए। मिश्रा के मुताबिक, टक्कर के बाद वाहन चालक वाहन लेकर फरार हो गया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने वाहन चालक की तलाश शुरू कर दी है।

संक्षिप्त खबरें

केनरा HSBC लाइफ इंश्योरेंस ने IPO लाने के लिए सेबी के समक्ष दाखिल किए दस्तावेज

नई दिल्ली। केनरा एचएसबीसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए पूंजी बाजार नियामक सेबी के समक्ष प्रारंभिक दस्तावेज दाखिल किए हैं। रोबेको एसेट मैनेजमेंट कंपनी (एएमसी) द्वारा भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष आईपीओ के लिए दस्तावेज दाखिल करने के कुछ दिन बाद इस कंपनी ने भी यही मार्ग चुना। सेबी के समक्ष सोमवार को दस्तावेजों के अनुसार, केनरा रोबेको एएमसी की तरह ही केनरा एचएसबीसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी का आईपीओ प्रवर्तकों और एक निवेशक द्वारा 23.75 करोड़ शेयर की पूर्ण बिक्री पेशकश (ओएफएस) पर आधारित होगा। बिक्री पेशकश के तहत, केनरा बैंक 13.77 करोड़ शेयर बेचेगा, एचएसबीसी इंश्योरेंस (एशिया-पैसिफिक) होल्डिंग्स लिमिटेड 47.5 लाख शेयर बेचेगा और पंजाब नेशनल बैंक 9.5 करोड़ शेयर बेचने की योजना बना रहा है। आईपीओं के पूरी तरह ओएफएस होने के कारण कंपनी को सार्वजनिक निर्गम से कोई आय प्राप्त नहीं होगी। केनरा एचएसबीसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी, केनरा बैंक द्वारा प्रवर्तित एक संयुक्त उद्यम है। इसके पास 51 प्रतिशत हिस्सेदारी है तथा एचएसबीसी समूह की एचएसबीसी इंश्योरेंस (एशिया पैसिफिक) होल्डिंग्स के पास 26 प्रतिशत हिस्सेदारी है। केनरा एचएसबीसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी का गठन 2007 में किया गया था। यह भारतीय जीवन बीमा क्षेत्र में एक प्रमुख बैंक-नेतृत्व वाली निजी कंपनी के रूप में उभरी है।

ग्रीनप्लाई का चौथी तिमाही में मुनाफा 41.5 प्रतिशत घटकर 16.6 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। प्लाईवुड उद्योग की अग्रणी कंपनियों में से एक ग्रीनप्लाई इंडस्ट्रीज लिमिटेड का वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही का एकीकृत शुद्ध लाभ 41.45 प्रतिशत घटकर 16.60 करोड़ रुपये रह गया। कंपनी का वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही में शुद्ध लाभ 28.36 करोड़ रुपये रहा था। ग्रीनप्लाई इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि जनवरी-मार्च 2025 में कंपनी की परिचालन आय 8.16 प्रतिशत बढ़कर 648.77 करोड़ रुपये हो गई। एक साल पहले इसी अवधि में यह 599.78 करोड़ रुपये रही थी। कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) मनोज तुलस्यान ने कहा कि चुनौतीपूर्ण बाजार परिदृश्य में चौथी तिमाही के लिए प्लाईवुड व्यवसाय में वृद्धि संतोषजनक रही। उच्च ब्रांड प्रचार व्यय के बावजूद वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में 'मार्जिन' सुधार के साथ 9.2 प्रतिशत हो गया। समूचे वित्त वर्ष 2024-25 में शुद्ध लाभ 31.12 प्रतिशत बढ़कर 91.72 करोड़ रुपये हो गया। एकीकृत राजस्व 14.11 प्रतिशत बढ़कर 2,487.58 करोड़ रुपये रहा।

इंडसइंड बैंक के डिप्टी सीईओ अरुण खुराना ने लेखा चूक पर इस्तीफा दिया

मुंबई। निजी क्षेत्र के इंडसइंड बैंक के उप मुख्य कार्यपालक अधिकारी अरुण खुराना ने वित्त वर्ष 2024-25 के बहीखाते में 1,960 करोड़ रुपये की लागत वाली लेखा चूक सामने आने के बाद इस्तीफा दे दिया है। खुराना बैंक के 'ट्रेजरी फ्रंट ऑफिस' के कामकाज की देखरेख करते थे, जहां लेनदेन निष्पादित करने और जोखिम प्रबंधन के लिए बाहरी ग्राहकों और बाजारों के साथ सीधे संपर्क किया जाता है। खुराना ने सोमवार को बैंक के निदेशक मंडल को भेजे अपने त्यागपत्र में कहा कि हाल के दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रमों को देखते हुए मैं तत्काल प्रभाव से इस्तीफा देता हूं। उन्होंने दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रमों के तहत आंतरिक वायदा एवं विकल्प सौदों के लिए गलत लेखांकन के चलते बैंक को हुए नुकसान का जिक्र किया। उन्होंने पूर्णकालिक निदेशक, डिप्टी सीईओ और बैंक के वरिष्ठ प्रबंधन के एक हिस्से के रूप में अपना पदभार छोड़ दिया है। इंडसइंड बैंक ने सोमवार शाम को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि खुराना का इस्तीफा 28 अप्रैल, 2025 से प्रभावी हो गया है।

डायमंड पावर इंफ्रा को मिले 230 करोड़ रुपये के दो ठेके

नई दिल्ली। डायमंड पावर इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (डीपीआईएल) को बिजली केबल की आपूर्ति के लिए 230 करोड़ रुपये से अधिक के दो ठेके मिले हैं। डीपीआईएल की ओर से सोमवार को जारी बयान के अनुसार, कंपनी को दक्षिण गुजरात विज कंपनी लिमिटेड के तहत परियोजना के लिए राजेश पावर सर्विसेज लिमिटेड से 1,50,98,65,000 रुपये और बिजली केबल की आपूर्ति के लिए अदाणी इलेक्ट्रिसिटी मुंबई लिमिटेड से 79,27,80,051 रुपये का ठेका मिला है। डीपीआईएल भारत की सबसे बड़ी एकल-स्थान विद्युत केबल और कंडक्टर विनिर्माता कंपनी है।

एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस का चौथी तिमाही में मुनाफा 22% बढ़कर 191 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। खाद्य तेल क्षेत्र की प्रमुख कंपनी एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस लिमिटेड का वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 22 प्रतिशत बढ़कर 190.66 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी का वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही में मुनाफा 156.75 करोड़ रुपये रहा था। एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस लिमिटेड ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया, जनवरी-मार्च 2025 में कुल आय बढ़कर 18,291.63 करोड़ रुपये हो गई जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 13,327.05 करोड़ रुपये थी। समूचे वित्त वर्ष 2024-25 में शुद्ध लाभ बढ़कर 1,225.81 करोड़ रुपये हो गया, जो वित्त वर्ष 2023-24 में 147.99 करोड़ रुपये था। कुल आय 2024-25 में बढ़कर 63,910.28 करोड़ रुपये हो गई, जो 2023-24 51,518.71 करोड़ रुपये थी। एडब्लूएल एग्री बिजनेस लिमिटेड (इसका पहले नाम अदाणी विल्मर लिमिटेड था) फॉर्च्यून ब्रांड के तहत खाद्य तेल तथा अन्य खाद्य उत्पाद बेचती है।

छह ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने स्टार्टअप्स को सपोर्ट करने के लिए निवेश किए 290 करोड़ रुपए: केंद्रीय मंत्री

नई दिल्ली। देश की छह ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने अब तक स्टार्टअप इकोसिस्टम को सपोर्ट करने के लिए 290 करोड़ रुपए का निवेश किया है। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मंगलवार को यह बयान दिया। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने अपने 550 करोड़ रुपए के स्टार्टअप फंड से 303 उभरते हुए स्टार्टअप्स को सपोर्ट किया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बन गया है। पुरी ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि भारत की स्टार्टअप यात्रा सिर्फ संख्याओं के बारे में नहीं है। यह सपनों, दृढ़ संकल्प और इनोवेशन द्वारा आकार दिए गए नए भविष्य के बारे में है।

हरदीप पुरी ने आगे कहा कि देश में 1.5 लाख से अधिक स्टार्टअप और 120 यूनिकॉर्न हैं। पुरी ने पोस्ट में आगे कहा कि पेट्रोलियम मंत्रालय के तहत आने वाली छह ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने अपने 550 करोड़ रुपए के स्टार्टअप फंड में से 290 करोड़ रुपए का निवेश 303 कंपनियों में किया है।" सरकार ने केंद्रीय बजट 2025-26 में फंड ऑफ फंड्स

स्कीम के माध्यम से डीपटेक और एआई-सक्षम प्लेटफॉर्म विकसित करने के लिए स्टार्टअप्स को 10,000 करोड़ रुपए का फंड आवंटित किया था।

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने हाल ही में 'स्टार्टअप महाकुंभ' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार एक नियामक के रूप में नहीं बल्कि एक सुविधाकर्ता के रूप में स्टार्टअप का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है। इनोवेशन में भारत की बढ़ती ताकत पर प्रकाश डालते हुए, गोयल ने डीप टेक्नोलॉजी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा एनालिटिक्स में देश की क्षमता पर विश्वास जताया। गोयल ने कहा कि मुझे विश्वास है कि भारत इनोवेशन की दुनिया में बड़े पैमाने पर आगे बढ़ेगा। हम वैश्विक मंच पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे।

पीयूष गोयल ने ब्रिटेन से सहयोग बढ़ाने पर की चर्चा

लंदन। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने ब्रिटेन के साथ अधिक सहयोग की संभावनाओं का पता लगाने के लिए व्यापार जगत के लोगों के साथ अपनी बातचीत के दौरान द्विपक्षीय व्यापार और निवेश संबंधों पर चर्चा की। गोयल दो दिवसीय लंदन यात्रा पर हैं।

मंत्री ने मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर जारी वार्ता को आगे बढ़ाने के लिए ब्रिटेन के व्यापार एवं वाणिज्य मंत्री जोनाथन रेनॉल्ड्स के साथ बैठक की। इसके बाद सोमवार को वित्त प्रौद्योगिकी पर ध्यान केंद्रित करते हुए रेवोल्यूट के प्रमुख मार्टिन गिल्बर्ट और ''रत्न एवं आभूषण क्षेत्र में वैश्विक रुझानों'' पर ध्यान केंद्रित करते हुए डी बीयर्स समूह के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अल कुक के साथ चर्चा की। गिल्बर्ट से मुलाकात के बाद गोयल ने सोशल मीडिया पर लिखा कि भारत के वित्तीय प्रौद्योगिकी परिवेश में अपार अवसरों तथा नवाचार व विकास को बढ़ावा देने के लिए वैश्विक कंपनियों के साथ साझेदारी के महत्व पर विचारों का आदान-प्रदान किया। मंत्री ने कुक के साथ अपनी बैठक के बारे में कहा कि हमने भारत के अवसरों, टिकाऊ प्रथाओं और हीरा उद्योग के लिए विकास की संभावनाओं पर चर्चा की।' गोयल ने भारत से आए मुख्य कार्यकारी अधिकारियों के प्रतिनिधिमंडल के

साथ भी बातचीत की। इसमें फेडरेशन ऑफ इंडियन चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) के वरिष्ठ वाइस चेयरमैन अनंत गोयनका और पूर्व अध्यक्ष हर्ष पति सिंघानिया और राजन भारती मित्तल शामिल रहे। मंत्री ने कहा कि भारतीय व्यापार प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों के साथ रात्रिभोज पर बातचीत की।

हमारे उद्योग के मजबूत विकास और आपसी समृद्धि के लिए ब्रिटेन के साथ अधिक सहयोग के अवसरों पर चर्चा की।मंत्री अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के अलावा मंगलवार को ब्रिटेन की चांसलर रेचल रीव्स से मुलाकात करेंगे।

भारत, नीदरलैंड ने यूरोप को स्वच्छ ऊर्जा निर्यात के लिए हरित, डिजिटल गलियारे की योजना बनाई

नई दिल्ली। वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल की नीदरलैंड यात्रा के दौरान दोनों देशों ने यूरोप को हरित हाइड्रोजन के निर्यात के लिए रॉटरडैम बंदरगाह और भारतीय बंदरगाहों के बीच एक हरित और डिजिटल गलियारे की स्थापना की योजना बनाई। मंगलवार को एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि भारतीय बंदरगाहों और नीदरलैंड के रॉटरडैम बंदरगाह के बीच सहयोग बढ़ाने के लिए बड़े अवसर हैं। इससे द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए डिजिटलीकरण, हरित पोत परिवहन और लॉजिस्टिक के बेहतर उपयोग में मदद मिलेगी। यात्रा के दौरान बर्थवाल ने इस संबंध में रॉटरडैम बंदरगाह प्राधिकरण के सीईओ बौडेविजन सिमोन के साथ चर्चा की। रॉटरडैम बंदरगाह यूरोप का सबसे बड़ा और दुनिया के सबसे आधुनिक बंदरगाहों में से एक है।

आरबीआई का बैंक में नकदी डालने का कदम बॉन्ड की कीमतों के लिए सकारात्मक

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने मई में कुल 1.25 लाख करोड़ रुपए के सरकारी बॉन्ड खरीदकर बैंकिंग सिस्टम में अधिक नकदी डालने का फैसला किया है। इस कदम से बॉन्ड की कीमतों में भी तेजी आने की उम्मीद है, जो पहलगाम आतंकी हमले के बाद पैदा हुई अनिश्चितता के बाद विदेशी बैंकों और प्राथमिक डीलरों की बिकवाली के कारण गिर गई थी। सरकारी बॉन्ड खरीदने के लिए आरबीआई का ओपन मार्केट ऑपरेशन (ओएमओ) 6 से 19 मई के बीच चार चरणों में होगा। आरबीआई के बयान के अनुसार, मौजूदा और नकदी स्थितियों की समीक्षा के बाद यह फैसला लिया गया।

यह कदम आरबीआई के 1 अप्रैल को 80,000 करोड़ रुपए के सरकारी बॉन्ड खरीदने की घोषणा के तुरंत बाद उठाया गया है, जिसके बाद 11 अप्रैल को 40,000 करोड़ रुपए की एक और खरीद की घोषणा की गई। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा है कि केंद्रीय बैंक लिक्विडिटी और बाजार स्थितियों की निगरानी करना जारी

रखेगा और व्यवस्थित लिक्विडिटी की स्थिति सुनिश्चित करने के लिए उचित उपाय करेगा। 'बॉन्ड की खरीद' आरबीआई द्वारा सिस्टम में नकदी डालने के लिए हाल ही में उठाए गए कदमों के क्रम में की गई है। मार्च में बैंक ने 50,000-50,000 करोड़ रुपए की दो किस्तों में 1 लाख करोड़ रुपए की सरकारी प्रतिभूतियों की ओएमओ खरीद की थी। केंद्रीय बैंक ने 36 महीनों के लिए 10 बिलियन डॉलर की डॉलर-रुपया खरीद/बिक्री स्वैप नीलामी भी आयोजित की। इसके अलावा, केंद्रीय बैंक ने बेंचमार्क रेपो दर में 25 आधार अंकों की कटौती कर और अपने तटस्थ रुख को बदलकर अकोमोडेटिव बनाकर उधार लेने की लागत कम कर दी।

मुद्रास्फीति की दर में कमी आने के कारण आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए 'सॉफ्ट मनी पॉलिसी' के हिस्से के रूप में ये कदम उठाए गए। वित्तीय विश्लेषकों के अनुसार, ताजा नकदी प्रवाह से नए बेंचमार्क बॉन्ड के लिए बेहतर कीमत मिलने की भी उम्मीद है, जिसकी नीलामी 2 मई को होगी। पुराने बेंचमार्क बॉन्ड द्वारा 1.84 लाख करोड़ रुपए की बकाया राशि पूरी होने के बाद आरबीआई ने नए बॉन्ड की घोषणा की।

सीसीपीए ने सेवा शुल्क वापस न करने पर दिल्ली के 5 रेस्तरां पर की कार्रवाई

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने दिल्ली के पांच रेस्तरां मखना डेली, जेरो कोर्टयार्ड, कैसल बारबेक्यू, चायोस और फिएस्टा बाय बारबेक्यू नेशन के खिलाफ कार्रवाई की है। इन रेस्तरां ने दिल्ली होई कोर्ट के आदेश के बावजूद अनिवार्य सेवा शुल्क की वापस नहीं किया। उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के तहत इन्हें नोटिस जारी किए गए हैं। इनको सेवा शुल्क की राशि वापस करने का निर्देश दिया गया है।

सीसीपीए ने 04 जुलाई 2022 को होटल और रेस्तरां में सेवा शुल्क के संबंध में दिशा-निर्देश जारी किए थे। ये दिशा-निर्देश उपभोक्ता हितों की रक्षा के लिए बनाए गए हैं। इनमें कहा गया है कि कोई भी होटल या रेस्तरां सेवा शुल्क को स्वतः या डिफ़ॉल्ट रूप से बिल में नहीं जोड़ेगा। साथ ही, सेवा शुल्क का संग्रह किसी अन्य नाम से नहीं किया जाएगा। उपभोक्ताओं को स्पष्ट रूप से बताया जाना चाहिए कि सेवा शुल्क वैकल्पिक है और यह उनकी इच्छा पर निर्भर करता है। इसके अलावा, उपभोक्ताओं के प्रवेश या सेवाओं के प्रावधान पर सेवा शुल्क के संग्रह के आधार पर किसी भी प्रकार का प्रतिबंध नहीं लगाया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि 28 मार्च 2025 को दिल्ली हाई कोर्ट ने सीसीपीए के सेवा शुल्क संबंधी दिशा-निर्देशों को बरकरार रखा। इसके बाद, सीसीपीए को राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन (1915) के माध्यम से कई शिकायतें प्राप्त हुईं। इन शिकायतों में कहा गया कि कुछ रेस्तरां बिना पूर्व सहमति के अनिवार्य सेवा शुल्क लगा रहे हैं। सीसीपीए का गठन उपभोक्ता अधिकारों के उल्लंघन, अनुचित व्यापार प्रथाओं और गलत विज्ञापनों के मामलों को विनियमित करने के लिए किया गया है।

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने राजस्थान की केंद्र वित्तपोषित शहरी विकास योजनाओं की समीक्षा की

नई दिल्ली। केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल और राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने राज्य के शहरी विकास से संबंधित केंद्र वित्तपोषित सभी परियोजनाओं की मंगलवार को समीक्षा की।

आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार जयपुर में आयोजित समीक्षा बैठक में दोनों नेताओं ने स्वच्छ भारत मिशन, पीएम ई-बस सेवा, जयपुर मेट्रो रेल, अमृत मिशन 2.0 जैसी केंद्र द्वारा वित्तपोषित महत्वपूर्ण परियोजनाओं और प्रधानमंत्री आवास योजना के विकास, विस्तार तथा वित्तीय मॉडल की समीक्षा की। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने कहा कि मेट्रो के दूसरे चरण की परियोजना तथा अन्य महत्वपूर्ण परियोजनाओं में व्यय व लागत का उचित आकलन किया जाए ताकि वित्तीय संसाधनों के समुचित उपयोग के साथ-साथ जन

सामान्य को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। शर्मा के हवाले से बयान में कहा गया है कि राजस्थान ऐतिहासिक राज्य है। यह राज्य तेजी से प्रगति कर रहा है। केंद्र के सहयोग से शहरी विकास के लिए यहां महत्वपूर्ण काम किए जा रहे हैं। उन्होंने लोगों की भविष्य की जरूरतों व सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए योजना बनाने तथा उनके समुचित क्रियान्वयन के दिशा-निर्देश भी दिए। इस बैठक में भारत सरकार और राजस्थान सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

निवेशकों के सतर्क रुख अपनाने से शेयर बाजार मामूली बढ़त के साथ हुआ बंद

मुंबई। वैश्विक स्तर पर तनावों से उपजी चिंताओं के बीच निवेशकों के सतर्क रुख अपना लेने से मंगलवार को स्थानीय शेयर बाजार उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में मामूली बढ़त के साथ बंद हुए। हालांकि रिलायंस इंडस्ट्रीज, इन्फोसिस और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज जैसी प्रमुख कंपनियों में भारी खरीदारी और विदेशी संस्थागत निवेशकों के प्रवाह ने घरेलू बाजार को समर्थन देने का काम किया। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 70.01 अंक यानी 0.09 प्रतिशत चढ़कर 80,288.38 अंक पर बंद हुआ।

कारोबार के दौरान एक समय यह 442.94 अंक बढ़कर 80,661.31 पर पहुंच गया था लेकिन बिकवाली के दबाव में नीचे आ गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का मानक सूचकांक निफ्टी भी 7.45 अंक यानी 0.03 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 24,335.95 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से रिलायंस

इंडस्ट्रीज, टेक महिंद्रा, इटरनल (पूर्व में जोमैटो), एचसीएल टेक, इन्फोसिस, इंडसइंड बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और बजाज फिनसर्व के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए। इसके विपरीत, अल्ट्राटेक सीमेंट, सन फार्मा, पावर ग्रिड, एनटीपीसी, कोटक महिंद्रा बैंक और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयरों में गिरावट का रुख देखा गया।

शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 2,474.10 करोड़ रुपये मूल्य के शेयरों की शुद्ध खरीदारी की। जियोजित इन्वेस्टमेंट लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ₹भारत-पाकिस्तान सीमा पर तनाव को लेकर उपजी भू-राजनीतिक चिंताओं के बीच सतर्कता के कारण बाजार में काफी हद तक उतार-चढ़ाव देखने को मिला। हालांकि एफआईआई की ओर से निवेश जारी रहने से बाजार की धारणा को समर्थन मिला।₹ हालांकि नायर ने कहा कि पिछले वित्त वर्ष की चौथी तिमाही के मिलेजुले नतीजों ने वित्त वर्ष 2025-26 के अनुमानों में गिरावट का जोखिम बढ़ा दिया है।

एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग बढ़त पर रहे जबकि चीन के शंघाई कंपोजिट में मामूली गिरावट रही। यूरोप के अधिकांश बाजार बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। अमेरिका के बाजार सोमवार को ज्यादातर बढ़त के साथ बंद हुए थे।बीएसई सेंसेक्स सोमवार को 1,005.84 अंक उछलकर 80,218.37 और एनएसई निफ्टी 289.15 अंक बढ़कर 24,328.50 पर बंद हुआ था

आईफोन बनाने वाली फॉक्सकॉन का राजस्व 20 अरब डॉलर के पार

नई दिल्ली। ताइवान की दिग्गज इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माता फॉक्सकॉन का भारत में राजस्व आईफोन उत्पादन में उछाल के कारण वित्त वर्ष 2024-25 में दोगुना से अधिक बढ़कर 20 अरब डॉलर हो गया। इस मामले से परिचित सूत्रों ने कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 में भारत में फॉक्सकॉन के कर्मचारियों की कुल संख्या भी 65 % बढ़कर लगभग 80,000 हो गई। एक सूत्र ने कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 में भारत में फॉक्सकॉन का राजस्व दोगुना से अधिक होकर 20 अरब डॉलर से अधिक हो गया है। इसके कर्मचारियों की संख्या भी 80,000 से अधिक हो गई है। हालांकि इसकी पुष्टि के लिए फॉक्सकॉन को भेजे गए ईमेल का कोई जवाब नहीं मिला। फॉक्सकॉन दिग्गज अमेरिकी कंपनी एप्पल के लोकप्रिय उत्पाद आईफोन का विनिर्माण करने के लिए जानी जाती है। एप्पल ने भारत में आईफोन का उत्पादन बढ़ाने की घोषणा कर और भी तेजी देने के संकेत दिए हैं।

सस्ते स्टेनलेस स्टील आयात से सुरक्षा देने को कदम उठाए सरकार: उद्योग निकाय

नई दिल्ली। घरेलू स्टेनलेस स्टील उद्योग ने स्थानीय विनिर्माताओं के हितों की रक्षा करने के लिए सरकार से सुरक्षात्मक शुल्क जैसे कदम उठाने का आग्रह किया है। भारतीय स्टेनलेस स्टील विकास संघ (आईएसएसडीए) ने तैयार स्टील के बढ़ते आयात को भारतीय उद्योग के लिए बड़ा खतरा बताते हुए कहा कि उच्च लागत और बाजार की अस्थिरता से जूझ रहे स्थानीय उत्पादकों को अब सस्ते आयात से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है। उद्योग निकाय के अध्यक्ष राजमणि कृष्णमूर्ति ने इस स्थिति से निपटने के लिए 'मेक इन इंडिया' पहल पर ध्यान केंद्रित करने की बात कही। इसमें आयात शुल्क बढ़ाना, घरेलू उत्पादन क्षमता में सुधार करना और अनुचित व्यापार प्रथाओं पर ध्यान देना शामिल है।

जिंदल स्टेनलेस के विजय शर्मा ने चीन के खिलाफ मुकाबले में समुचित अवसर की उम्मीद जताते हुए कहा कि चीन से सस्ता आयात पड़ोसी आसियान देशों के रास्ते भारत में खपाया जा रहा है। शर्मा ने कहा कि हम सभी भारत में चीनी मूल के घटिया स्टेनलेस स्टील की डंपिंग लगातार जारी रहने से अवगत हैं। इसका हमारे घरेलू उत्पादकों, खासकर एमएसएमई इकाइयों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। बाजार शोध फर्म बिगमिंट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2024-25 में भारत का स्टेनलेस स्टील आयात लगभग तीन प्रतिशत बढ़कर 17.3 करोड़ टन हो गया जिसमें चीन, इंडोनेशिया, वियतनाम और दक्षिण कोरिया का मुख्य योगदान है।

राजपूताना स्टेनलेस के मुख्य कार्यपालक अधिकारी यश मेहता ने इस आयात को कम करने के लिए सुरक्षात्मक शुल्क लगाने की जरूरत बताई है। स्टेनलेस स्टील उद्योग के हितधारक जून में होने वाले वैश्विक स्टेनलेस स्टील शिखर सम्मेलन 2025 में इस मुद्दे पर चर्चा करेंगे।

रुपया दो पैसे की गिरावट के साथ 85.25 प्रति डॉलर पर

मुंबई।अमेरिकी डॉलर में सुधार और भारत एवं पाकिस्तान के बीच भू-राजनीतिक तनाव के बीच रुपया मंगलवार को सीमित दायरे में रहा और दो पैसे की गिरावट के साथ 85.25 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। हालांकि, मुद्रा विश्लेषकों ने कहा कि सकारात्मक घरेलू बाजार और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी ने घरेलू मुद्रा की गिरावट को सीमित रखा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 85.06 पर खुला था। कारोबार के दौरान रुपया 84.96 प्रति डॉलर के ऊपरी और 85.40 प्रति डॉलर के निचले स्तर के बीच घूमता रहा। कारोबार के अंत में रुपया 85.25 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ, जो पिछले बंद भाव से दो पैसे की गिरावट दर्शाता है। सोमवार को रुपया 18 पैसे मजबूत होकर 85.23 प्रति डॉलर के भाव पर रहा था। मिराए एसेट शेयरखान के अनुसंधान विश्लेषक अनुज चौधरी ने कहा कि व्यापार शुल्कों पर अनिश्चितता और भारत एवं पाकिस्तान के बीच जारी भू-राजनीतिक तनाव से रुपये के दबाव में रहने की आशंका है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी डॉलर-भारतीय रुपया का हाजिर मूल्य 84.90 से 85.60 के बीच रहने के आसार हैं। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.16 प्रतिशत की बढ़त के साथ 99.17 पर रहा।

भारत काफी अच्छी स्थिति में, खुदरा निवेशक लंबे समय तक बाजार में बने रहें: सेबी प्रमुख

मुंबई। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने मंगलवार को कहा कि वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत काफी अच्छी स्थिति में है और खुदरा निवेशकों को बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद लंबे समय तक बाजार में बने रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि शुल्क युद्ध के बाद से भारत ने काफी मजबूती दिखायी है। पांडेय ने देश की आर्थिक मजबूती के बारे में कहा df मैं सुझाव दूंगा कि वैश्विक चुनौतियों के बावजूद, भारत काफी अच्छी स्थिति में है।

उन्होंने कहा कि इसमें लगातार आर्थिक वृद्धि, कम राजकोषीय घाटा, संतुलित विदेशी ऋण, दोहरी बैलेंस शीट (बैंक फंसे कर्ज के कारण दबाव में तथा कंपनियां अधिक कर्ज की वजह से लौटाने की स्थिति में नहीं) की समस्या न होना और चालू खाते का घाटे का प्रबंधन लायक स्तर पर होना शामिल हैं। सेबी प्रमुख ने कहा कि देश विभिन्न द्विपक्षीय व्यापार समझौतों पर भी बातचीत कर रहा है। खुदरा निवेशकों पर मौजूदा अस्थिरता के प्रभाव के बारे में पांडेय ने माना कि ऐसे कई निवेशक हाल ही में इस यात्रा में शामिल हुए हैं और उन्होंने पहले कोई गिरावट नहीं देखी है। उन्होंने कहा कि यह खुदरा निवेशकों के लिए सीखने का वक्त है और निवेशकों को लंबी अवधि के लिए बाजार में बने रहने की जरूरत है।

इस साल मार्च में सेबी के चेयरमैन का पद संभालने वाले पांडेय ने कहा कि अगर वे (निवेशक) यही रणनीति अपनाते हैं, तो निश्चित रूप से अल्पावधि में घबराने के बजाय बेहतर स्थिति में होंगे। उन्होंने कहा कि खुदरा निवेशकों को जागरूकता और उचित जानकारी के साथ निवेश करने की जरूरत है। वायदा और विकल्प कारोबार में बढ़ते निवेश के बारे में पांडेय ने कहा कि शेयर बाजार में किसी को कसीनो की तरह बर्ताव नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस मोर्चे पर सेबी के उपाय कुछ हद तक प्रभावी रहे हैं क्योंकि सालाना आधार पर इनमें कारोबार घटा है। हालांकि दो साल पहले की तुलना में गतिविधि अभी भी अधिक है। पांडेय ने कहा कि खुदरा निवेशकों को अत्यधिक रिटर्न के झूठे वादों से आकर्षित नहीं होना चाहिए।

प्रशांत नील की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'एनटीआरनील' अगले साल 25 जून को सिनेमाघरों में दस्तक देगी

फिलहाल 'एनटीआरनील' के नाम से जानी जा रही इस बहुप्रतीक्षित फिल्म की रिलीज डेट सामने आ चुकी है। चर्चा है कि फिल्म का नाम 'ड्रैगन' रखा जा सकता है। माइथ्री मूवी मेकर्स के बैनर तले बन रही यह फिल्म 25 जून, 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। फिल्म को लेकर दर्शकों में जबरदस्त क्रेज देखा जा रहा है और इसके ऐलान के बाद से ही फैन्स गदगद हैं। हालांकि, इसकी कहानी को लेकर फिलहाल पर्दा बना हुआ है, लेकिन इंडस्ट्री से जुड़े लोगों का मानना है कि यह प्रोजेक्ट भारतीय सिनेमा के इतिहास की सबसे बड़ी और चर्चित कोलैबोरेशन्स में से एक है। जूनियर एनटीआर और डायरेक्टर प्रशांत नील की धमाकेदार जोड़ी अब माइथ्री मूवी मेकर्स के साथ मिलकर तहलका मचाने के लिए तैयार है। इस बड़ी घोषणा के बाद से फैन्स में गज़ब का उत्साह देखने को मिल रहा है। माइथ्री मूवी मेकर्स पहले भी कई ब्लॉकबस्टर फिल्में दे चुका है, लेकिन 'एनटीआरनील' को उनका अब तक का सबसे बड़ा और सबसे भव्य प्रोजेक्ट माना जा रहा है। इस मेगा प्रोजेक्ट को माइथ्री मूवी मेकर्स के साथ-साथ एनटीआर आर्ट्स जैसे नामी बैनर्स प्रोड्यूस कर रहे हैं, जो इसे एक शानदार विजुअल ट्रीट बना देगा। फिल्म को कल्याण राम नंदामुरी, नवीन यरनेनी, रवि शंकर यालमंचिली और हरीकृष्ण कोसाराजू मिलकर प्रोड्यूस कर रहे हैं। प्रशांत नील की सिग्नेचर स्टाइल और हार्ड-हिटिंग नैरेटिव, साथ ही जूनियर एनटीआर की दमदार स्क्रीन प्रेजेंस इस फिल्म को एक नई ऊंचाई देने वाली है।

फोटोग्राफर पैपराजी पर फूटा रिया चक्रवर्ती का गुस्सा

अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती का एक वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है, जिसमें वह फोटोग्राफर पैपराजी पर नाराज होती नजर आ रही हैं। जब रिया अपने भाई शोविक चक्रवर्ती के साथ मुंबई की सड़कों पर टहलने निकली थीं। इस दौरान जैसे ही पैपराजी ने उन्हें देखा, तो वे तस्वीरें लेने के लिए लगातार उनका पीछा करने लगे। कुछ देर तक यह सब सहने के बाद रिया का सब्र टूट गया और उन्होंने पैपराजी की इस हरकत पर नाराजगी जाहिर की। वीडियो में रिया काफी परेशान और असहज दिख रही हैं, जिस पर फैंस भी अलग-अलग प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। रिया चक्रवर्ती ने जब पैपराजी का पीछा करते देख नाराजगी जताई, तो उन्होंने चिढ़ते हुए कहा कि 'वो उनकी फोटो न ले', इसके बाद उन्होंने किसी को पोज नहीं दिया और सीधे वहां से चली गईं। सोशल मीडिया पर ये वीडियो वायरल हो रहा है और यूजर्स उनकी प्राइवेसी की चिंता को लेकर दो गुटों में बंटे नजर आ रहे हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो रिया इन दिनों रियलिटी शो 'एमटीवी रोडीज' में बतौर गैंग लीडर नजर आ रही हैं। उन्होंने लंबे समय बाद छोटे पर्दे पर वापसी की है। इससे पहले उन्हें 2021 में फिल्म 'चेहरे' में अमिताभ बच्चन और इमरान हाशमी के साथ देखा गया था, हालांकि यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह फ्लॉप रही।

सलमान खान ने पूल से शेयर की शर्टलेस तस्वीर

बॉलीवुड के भाईजान यानी सलमान ख़ान लगातार खबरों में बने हुए हैं। हाल ही में उन्होंने सोशल मीडिया पर शर्टलेस तस्वीरें शेयर की हैं, जिससे वह चर्चा में आ गए हैं। तस्वीरों के साथ उन्होंने अपनी हिट फिल्म 'अंदाज अपना अपना' के कुछ डायलॉग भी शेयर किए हैं। इन तस्वीरों में वह स्विमिंग पूल में पोज देते नजर आ रहे हैं। उन्होंने अलग-अलग पोज दिए और अपनी मांसपेशियां भी दिखाईं। सलमान ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, 'एलो जी सनम हम आ गए, अब इतना भी गुस्सा करो नहीं जानी।' ये पंक्तियां उनकी 1994 की फिल्म 'अंदाज अपना अपना' के एक गीत से हैं। सलमान खान की यह कॉमेडी फिल्म 25 अप्रैल को दोबारा रिलीज की गई है। फिल्म ने दोबारा रिलीज होने के पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर 25.75 लाख रुपये, दूसरे दिन 45.50 लाख रुपये और तीसरे दिन 51.25 लाख रुपये कमाए। यह एक कॉमेडी फिल्म है, जिसका लेखन और निर्देशन राजकुमार संतोषी ने किया है तथा इसका निर्माण विनय कुमार सिन्हा ने किया है। इसमें आमिर खान, रवीना टंडन, करिश्मा कपूर, परेश रावल और शक्ति कपूर जैसे कलाकार भी हैं। सलमान आखिरी बार रश्मिका मंदाना के साथ 'सिकंदर' में नजर आए थे। ए.आर. मुरुगादॉस के निर्देशन में बनी इस फिल्म का निर्माण साजिद नाडियाडवाला ने किया था। 30 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हुई फिल्म 'सिकंदर' बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई।

'ग्राउंड जीरो' को दर्शकों ने किया नजरअंदाज, बॉक्स ऑफिस पर धीमी रफ्तार

इस समय सिनेमाघरों में कई फिल्में दर्शकों का खूब मनोरंजन कर रही हैं। 25 अप्रैल को रिलीज हुई इमरान हाशमी की फिल्म 'ग्राउंड ज़ीरो' को लेकर शुरुआत में दर्शकों में खासा उत्साह देखने को मिला था, लेकिन बाद में यह उत्साह ठंडा पड़ गया। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर धीमी शुरुआत की और पहले दिन उम्मीदों पर खरा नहीं उतर सकी। हालांकि, वीकेंड के दौरान इसकी कमाई में थोड़ी बढ़ोतरी जरूर देखने को मिली, लेकिन चौथे दिन आते-आते 'ग्राउंड ज़ीरो' का कारोबार लाखों में सिमटकर रह गया है। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के अनुसार इमरान हाशमी की फिल्म 'ग्राउंड ज़ीरो' ने अपने रिलीज के चौथे दिन यानी पहले सोमवार को सिर्फ 70 लाख रुपये की कमाई की। इसके साथ ही फिल्म का कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 5.90 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। फिल्म ने पहले दिन 1.15 करोड़, दूसरे दिन 1.90 करोड़, और तीसरे दिन 2.15 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। लगभग 50 करोड़ रुपये की लागत में बनी इस फिल्म के लिए यह आंकड़े निराशाजनक कहे जा सकते हैं। शुरुआती उत्साह के बावजूद 'ग्राउंड ज़ीरो' दर्शकों को बड़े पैमाने पर खींचने में असफल रही है। 'ग्राउंड ज़ीरो' का निर्देशन तेजस प्रभा विजय देओस्कर ने किया है, जो इससे पहले रकुल प्रीत सिंह स्टारर फिल्म 'छत्रीवाली' के लिए पहचाने जाते हैं। यह फिल्म फरहान अख्तर के प्रोडक्शन हाउस एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी है और सच्ची घटनाओं से प्रेरित है। फिल्म की कहानी बीएसएफ अधिकारी नरेंद्र नाथ धर दुबे के इर्द-गिर्द घूमती है, जिन्होंने साल 2003 में एक बड़े ऑपरेशन का नेतृत्व किया था, जिसमें कुख्यात आतंकवादी गाजी बाबा (उर्फ राणा ताहिर नदीम) मारा गया था।

सेहत के लिए बहुत जरूरी है आंवले का सेवन

आंवले का सेवन सेहत के लिए बहुत जरूरी है। इसके नियमित सेवन से न केवल स्वास्थ्य सही रहता है, बल्कि सुंदरता भी बढ़ती है... आवला को यदि गुणों की खान कहा जाए तो गलत न होगा। सर्दी के मौसम में मिलने वाला आंवला बहुत सारे गुणों से भरपूर होता है। इसमें विटामिन सी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। यह पूरे शरीर के लिए फायदेमंद होता है। वरिष्ठ आयुर्वेदिक चिकित्सक डॉ. सतीश चंद्र शुक्ला का कहना है कि अगर जाड़े के मौसम में प्रतिदिन आंवले का सेवन किया जाए तो शरीर पूरी तरह स्वस्थ रहेगा।

- आंवला बहुत सारे रोगों से राहत दिलाता है। इसमें कई सारे विटामिन्स और मिनरल्स जैसे विटामिन ए, बी-6, थियामिन, कैल्शियम, फॉस्फोरस, आयरन, कैरोटीन, कॉपर, पोटैशियम, मैग्नीज आदि पाए जाते हैं। इसमें कई शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं।
- आंवले को कई प्रकार से खाया जा सकता है। आप चाहें तो इसे कच्चे रूप में खा सकते हैं। इसका जूस भी निकाला जा सकता है। इसकी चटनी बनाने के साथ ही इसका हलुआ भी बनाया जा सकता है। आंवले के लच्छों को मीठा या नमकीन बनाकर खाया जा सकता है। इसका मुरब्बा तो हर मौसम में खाया जाता है। आंवला के रस को शहद या एलोवेरा में मिलाकर लिया जा सकता है।
- आयरन और एंटीऑक्सीडेंट्स की मौजूदगी के कारण आंवला बालों की सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। इसके सेवन से न केवल बालों की ग्रोथ अच्छी होती, बल्कि उनमें चमक भी आती है और बालों का गिरना भी कम हो जाता है। इसके रस को बालों की जड़ों में लगाने से भी लाभ मिलता है।
- विटामिन ए और कैरोटीन से भरपूर होने के कारण आंवला आंखों की सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। इसके सेवन से न केवल आंखों की रोशनी सही रहती है, बल्कि वे कई सारी समस्याओं से भी बची रहती हैं।
- आंवले में मौजूद कैल्शियम दांतों, नाखूनों, त्वचा और हड्डियों के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इससे त्वचा में निखार भी आता है। इसमें मिलने वाला प्रोटीन शरीर को पूरी तरह स्वस्थ रखता है।
- डाइबिटीज वाले लोग भी आंवले का सेवन कर सकते हैं। इसमें मिलने वाला क्रोमियम ब्लड शुगर के स्तर को नियंत्रित रखता है। हां, यह ध्यान रखें कि बगैर शक्कर वाले आंवले का ही सेवन करें।
- आंवले में पानी भी पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है। इसलिए इसके सेवन करने पर पेशाब के साथ शरीर के हानिकारक तत्व जैसे अतिरिक्त पानी, नमक और यूरिक एसिड बाहर हो जाते हैं। यही कारण है कि यह किडनी को स्वस्थ रखने में भी सहायक है।
- इसमें फाइबर भी प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। फाइबर हमारे पाचन तंत्र अर्थात पेट के लिए भी बहुत फायदेमंद है। इसके सेवन से कब्ज की शिकायत दूर होती है। साथ ही डायरिया होने का भी खतरा नहीं रहता है।
- आंवले में मिलने वाले पोषक तत्व जैसे आयरन और एंटीऑक्सीडेंट्स हृदय को दुरुस्त रखने में बहुत सहायक हैं। आंवले के नियमित सेवन से हृदय में रक्तसंचार सही रूप से होता है। यह कोलेस्ट्राल के स्तर को भी सही रखता है।
- पोषक तत्वों से भरपूर होने के कारण आंवला एंटी एजिंग का भी काम करता है। साथ ही विभिन्न प्रकार के संक्रमण से बचाव करता है। यह हमारे इम्यून सिस्टम को सही रखता है। सर्दी-जुकाम से बचाव करने के साथ ही यह एनीमिया होने से भी बचाता है। एक्ने और पिंपल्स से भी बचाव करने में भी यह सहायक है।

बिना फ्रिज के कैसे रखें खाद्य पदार्थ सुरक्षित

अगर आप अपने घर से दूर रहते हैं जहां आप के पास फ्रिज की व्यवस्था नहीं है, तो उस दौरान फल और सब्जियों को सुरक्षित रखना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। यही नहीं अगर रात का बचा हुआ भोजन सुबह तक चलाना हो तो भी बड़ी कठिनाई आती है। बहुत से लोग ऐसे भी होते हैं जो बिजली का खर्चा बचाने के लिये भी फ्रिज का इस्तमाल नहीं करते। मगर दूध या मीट आदि अगर ठंडे स्थान पर ना रखा जाए तो वह जल्दी खराब हो जाता है। हांलाकि ऐसा नहीं है कि अगर आपके पास फ्रिज नहीं है तो कोई खाद्य पदार्थ सुरक्षित नहीं रह सकता। आप अपने खाने को बड़ी ही आराम से सुरक्षित रख सकते हैं, हमारे ये टिप्स पढ़ कर। हम आपको ऐसे आसान से उपाय बताएंगे जिनकी मदद से आप रसोई में बचे हुए भोजन या फिर साग-सब्जियों को बिल्कुल सुरक्षित रा सकते हैं। आइये जानते हैं वह उपाय...

- पानी का भरा कटोरा सब्जियों को अगर सुरक्षित रखना हो तो उसे ठंडे पानी के कटोरे में रखें। इससे पानी में रखी हुई सब्जी जल्दी खराब नहीं होगी। लेकिन कोशिश करें कि इन्हें कुछ ही दिनों में खा कर खतम कर दें नहीं तो यह लंबे समय नहीं चलेंगी। ठंडी हवा में अगर रात में खाना बच जाए तो उसे कटोरे में रख कर किसी खुली हुई खिड़की के सामने रख दें, जिससे ठंडी हवा के बहाव से वह खराब ना हो। यदि आपके घर पर कूलर या एसी की व्यवस्था तो भी यह काम आसानी से किया जा सकता है।
- बर्फ का कटोरा भोजन को किसी बर्फ से भरे कटोरे में रख कर लंबे समय तक आराम से चलाया जा सकता है। बस आपको कहीं से बर्फ का इंतजाम अपने आप करना होगा। वैसे मार्केट में आइस क्यूब्स कम दामों में उपलब्ध हो जाती हैं। ऐसा नहीं है कि आप बर्फ में केवल सब्जियां और फलों को ही सुरक्षित रख सकती हैं बल्कि कई और भी खाद्य पदार्थ भी सुरक्षित रखे जा सकते हैं। सुखा कर कुछ खाद्य पदार्थ को आप सूरज की धूप में सुखा कर भी कई दिनों तक चला सकती हैं।

आज का राशिफल

मेष राशि :-आत्मविश्वास रहेगा, परन्तु अति उत्साहित होने से बचें। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृषभ राशि :-लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। परिश्रम बढ़ेगा। आय में वृद्धि होगी।

मिथुन राशि :- बातचीत में संयत रहें। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

कर्क राशि :- संयत रहें। क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा।।

सिंह राशि :- कला या संगीत के प्रति के प्रति रुझान बढ़ सकता है। भाई-बहनों के सहयोग से कारोबार में निवेश कर सकते हैं।

कन्या राशि :- मन परेशान हो सकता है। संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। कारोबार में वृद्धि होगी।

तुला राशि :- पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। परिश्रम अधिक रहेगा।

वृश्चिक राशि :-मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। कारोबार में लाभ के अवसर मिलेंगे।

धनु राशि :-मानसिक शान्ति रहेगी। संगीत में रुचि बढ़ सकती है। नौकरी में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है।

मकर राशि :-आशा-निराशा के भाव मन में हो सकते हैं। कारोबार में वृद्धि होगी। परिश्रम अधिक रहेगा।

कुम्भ राशि :- नौकरी में बदलाव के योग बन रहे हैं। किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। परिवार का सहयोग मिलेगा।

मीन राशि :- व्यर्थ के क्रोध से बचें। बातचीत में संयत रहें। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

-ज्योतिषाचार्य: पंडित जितेंद्र तिवारी

तेंदुलकर सहित क्रिकेट दिग्गजों ने की वैभव सूर्यवंशी की सराहना

नई दिल्ली। सचिन तेंदुलकर सहित क्रिकेट जगत की मशहूर हस्तियों ने 14 साल के बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की सराहना करते हुए इस विलक्षण बालक को एक उभरता हुआ सितारा बताया। राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलते हुए सूर्यवंशी ने सोमवार की रात जयपुर में खेले गए आईपीएल मैच में गुजरात टाइटंस के राशिद खान को मिडविकेट पर छक्का लगाकर टी20 में सबसे कम उम्र का शतक बनाने वाला खिलाड़ी बनने के बाद क्रिकेट जगत को अपना दीवाना बना दिया।

भारत की तरफ से 16 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने वाले तेंदुलकर ने एक्स पर पोस्ट किया कि वैभव का निडर दृष्टिकोण, बल्लेबाजी की गति, लेंथ का जल्दी अनुमान लगाना और अपनी पूरी शक्ति गेंद पर लगा देना उनकी शानदार पारी का नुस्खा था। इसका परिणाम यह था कि वह 38 गेंद पर 101 रन बनाने में सफल रहे। बहुत अच्छी पारी खेली।'' सूर्यवंशी ने 35 गेंद में शतक जड़कर राजस्थान रॉयल्स के पूर्व बल्लेबाज यूसुफ पठान के किसी भारतीय के टी20 में सबसे तेज शतक के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। सूर्यवंशी का तब जन्म भी नहीं हुआ था जब 15 साल पहले पठान ने 37 गेंद में शतक लगाया था। पठान ने कहा कि एक भारतीय का आईपीएल में सबसे तेज शतक का मेरा रिकॉर्ड तोड़ने के लिए युवा वैभव सूर्यवंशी को बहुत-बहुत बधाई! राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलते हुए इसे देखना और भी खास है, जैसा मैंने किया था। भारत के एक अन्य पूर्व बल्लेबाज युवराज सिंह ने कहा कि आप 14 साल की उम्र में क्या कर रहे थे। यह बच्चा बिना पलक झपकाए दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों का सामना कर रहा है! वैभव सूर्यवंशी - नाम याद रखें! वह निडर रवैये के साथ खेल रहा है। अगली पीढ़ी को चमकते देखकर गर्व है। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज क्रिस श्रीकांत ने सूर्यवंशी को भारतीय क्रिकेट का अगला सुपरस्टार बताया। श्रीकांत ने कहा कि 14 साल की उम्र में ज्यादातर बच्चे सपने देखते हैं और आइसक्रीम खाते हैं। वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल के दावेदारों में से एक के खिलाफ शानदार 100 रन बनाए। उनका धैर्य, कौशल और साहस उनकी उम्र से कहीं अधिक है। हम एक अभूतपूर्व बल्लेबाज का उदय देख रहे हैं। भारतीय क्रिकेट का अगला सुपरस्टार यहां है।'' भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने लिखा, ''वैभव सूर्यवंशी, क्या अविश्वसनीय प्रतिभा है। सिर्फ 14 साल की उम्र में शतक बनाना अविश्वसनीय है। चमकते रहो भाई।'' भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान मिताली राज ने कहा कि वैभव सूर्यवंशी को आज खेलते हुए देखकर ऐसा लगा जैसे इतिहास बनते हुए देख रहे हों। उन्होंने बड़ी सहजता से 35 गेंद पर शतक बनाया। बहुत अच्छा खेला चैंपियन। क्रिकेटर से कमेंटेटर बने इयान बिशप सूर्यवंशी के आक्रामक तेवरों से स्तब्ध रह गए। उन्होंने ईएसपीएन क्रिकइन्फो पर कहा कि मुझे उम्मीद है कि हम उनकी प्रशंसा करते हुए बहुत आगे नहीं बढ़ेंगे, लेकिन आप इस तथ्य को नजरअंदाज नहीं कर सकते कि आज की रात बिल्कुल दिमाग हिला देने वाली थी।

पहली गेंद पर छक्का लगाना मेरे लिए सामान्य सी बात है: सूर्यवंशी

जयपुर। क्रिकेट जगत उनके साहसी 'स्ट्रोकप्ले' का कायल हो गया है, लेकिन 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी के लिए पहली गेंद पर छक्का लगाना एक सामान्य सी बात है क्योंकि परिस्थितियों का उन पर कोई खास प्रभाव नहीं पड़ता है। सूर्यवंशी ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ 38 गेंदों में 11 छक्कों और सात चौकों की मदद से 101 रन की पारी खेलकर टी20 क्रिकेट में अब तक के सबसे कम उम्र के शतकवीर बनकर आईपीएल में धूम मचा दी। यह आईपीएल में उनका केवल तीसरा मैच था। उन्होंने लखनऊ सुपरजाइंट्स के खिलाफ आईपीएल में अपना पहला मैच खेलते हुए 20 गेंद पर 34 रन बनाए थे और अपनी इस पारी के दौरान उन्होंने पहली गेंद पर छक्का लगाया था। सूर्यवंशी ने सोमवार रात यहां गुजरात टाइटंस पर जीत के बाद कहा कि यह मेरे लिए सामान्य बात थी। मैं भारत के लिए अंडर-19 और घरेलू स्तर पर भी खेला हूं, जहां मैंने पहली गेंद पर छक्के लगाए हैं। मुझ पर पहली 10 गेंदों को खेलने का दबाव नहीं था। मेरे दिमाग में स्पष्ट था कि अगर गेंद मेरी जद में आएगी, तो मैं उसे मारूंगा। उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं था कि मैं सोच रहा था कि यह मेरा पहला मैच है। हां, एक अंतरराष्ट्रीय गेंदबाज था और मंच बड़ा था लेकिन मैंने केवल अपने खेल पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने कहा, कि मैं जो कुछ भी हूं अपने माता-पिता की वजह से हूं। मेरी मां मेरे अभ्यास कार्यक्रम के कारण रात 11 बजे सोती है और सुबह तीन बजे उठ जाती है। इस तरह से वह मुश्किल से तीन घंटे सोती हैं। सूर्यवंशी ने कहा कि मेरे पिता ने मेरे लिए अपना काम छोड़ दिया। मेरा बड़ा भाई काम संभाल रहा है और घर बड़ी मुश्किल से चल रहा है। लेकिन पापा मेरा समर्थन कर रहे हैं। भगवान यह सुनिश्चित करते हैं कि जो लोग कड़ी मेहनत करते हैं वे कभी असफल न हों। जो परिणाम हम देख रहे हैं और जो सफलता मैं हासिल कर रहा हूं वह मेरे माता-पिता के कारण है। सूर्यवंशी ने कहा कि मैं भारत की तरफ से खेलना चाहता ह।

वैभव सूर्यवंशी को 19 लाख रुपये देगी बिहार सरकार

पटना। आईपीएलके इतिहास में सबसे कम उम्र (14 साल) में शतक लगाने वाले खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने फोन पर बात की उन्हें बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने वैभव कोबिहार सरकार की ओर से 10 लाख रुपये की सम्मान राशि देने की घोषणा की। बिहार के समस्तीपुर जिले के रहने वाले वैभव सूर्यवंशी को मुख्यमंत्री ने फोन पर बात की और उन्हें बधाई व शुभकामनाएं दीं। अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि वैभव सूर्यवंशी अपनी मेहनत और प्रतिभा के बलबूते भारतीय क्रिकेट की एक नई उम्मीद बन गए हैं।

ओलंपिक पदक विजेता भाकर कुसाले म्यूनिख विश्व कप के लिए भारतीय टीम में शामिल

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक के सितारे मनु भाकर और स्वप्निल कुसाले को मंगलवार को एशियाई खेलों की मौजूदा चैंपियन पलक के साथ आठ जून से शुरू होने वाले आईएसएसएफ राइफल/पिस्टल विश्व कप के म्यूनिख चरण के लिए 23 सदस्यीय भारतीय टीम में शामिल किया गया। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने टीम की घोषणा की, जिसमें भाकर दो व्यक्तिगत स्पर्धाओं (महिलाओं की 10 मीटर और 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा) में जगह बनाने वाली एकमात्र सदस्य हैं। राष्ट्रीय टीम में पुरुष एयर राइफल में संदीप सिंह की वापसी हुई है।

कुसाले और संदीप पेरिस खेलों में भाग लेने के बाद पहली बार प्रतिस्पर्धा करते दिखेंगे। भारतीय राइफल और पिस्टल टीम हाल ही में अर्जेंटीना और पेरू में आयोजित दो-चरण वाले संयुक्त आईएसएसएफ विश्व कप से लौटी है। टीम ने इसमें कुल छह स्वर्ण सहित 15 पदक जीते थे। भारतीय टीम अर्जेंटीना में दूसरे जबकि पेरू में तीसरे स्थान पर थी। उस टीम के कुल 13 सदस्य म्यूनिख जाने वाली टीम में भी हैं। इसमें महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन (3पी) और 25 मीटर पिस्टल प्रतियोगिताओं में कोई बदलाव नहीं हुआ है। म्यूनिख के लिए चुनी गयी टीम में तीन नए खिलाड़ी भी होंगे।

महाराष्ट्र की राष्ट्रीय चैंपियन अनन्या नायडू को घरेलू सर्किट में अपने शानदार प्रदर्शन को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जारी रखने का मौका दिया गया है। पुरुष वर्ग में एयर पिस्टल में दो नये निशानेबाजों को मौका दिया गया है। इसमें हाल ही में कुमार सुरेंद्र सिंह स्मारक टूर्नामेंट में मिश्रित टीम का खिताब जीतने वाली जोड़ी का हिस्सा रहे हरियाणा के आदित्य मालरा और सेना के निशानेबाज निशांत रावत का नाम शामिल है। रुद्राक्ष पाटिल और ऐश्वर्या तोमर ने स्वेच्छा से टीम से नाम वापस ले लिया है।

डोपिंग के कारण दो बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन मैक्स पर्सेल पर लगाया गया 18 महीने का बैन

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के दो बार के ग्रैंड स्लैम डबल्स चैंपियन मैक्स पर्सेल पर एंटी-डोपिंग नियमों के उल्लंघन के चलते 18 महीने का प्रतिबंध लगाया गया है। यह मामला किसी प्रतिबंधित पदार्थ के सेवन का नहीं, बल्कि ₹निषिद्ध प्रक्रिया₹ के तहत आया है। इंटरनेशनल टेनिस इंटीग्रिटी एजेंसी (आईटीआईए) ने मंगलवार को यह जानकारी दी। 27 वर्षीय पर्सेल ने यह स्वीकार किया कि उन्होंने अनजाने में 100 मिलीलीटर की निर्धारित सीमा से अधिक विटामिन की आईवी ड्रिप ली थी। नियमों के अनुसार 12 घंटे की अवधि में 100 मिली से अधिक का IV इन्फ्यूजन प्रतिबंधित है। पर्सेल ने बताया कि उन्होंने क्लिनिक को सूचित किया था कि वे प्रोफेशनल एथलीट हैं और यह इन्फ्यूजन तय मात्रा से अधिक नहीं होना चाहिए, लेकिन फिर भी उन्हें दो बार 500 मिली से अधिक का इन्फ्यूजन दिया गया। आईटीआईए के अनुसार पर्सेल ने जांच में पूरा सहयोग किया और सभी जानकारियां साझा कीं। इसी कारण उनकी सजा में 25 प्रतिशत की छूट दी गई।

राणा के पांच विकेट से भारत ने द. अफ्रीका को 15 रन से हराया

कोलंबो। प्रतिका रावल की अर्धशतकीय पारी के बाद स्पिनर स्नेह राणा ने एक ही ओवर में तीन विकेट चटकाकर महिला वनडे में पहली बार पांच विकेट लेने का का कारनामा किया जिससे भारत ने महिला त्रिकोणीय श्रृंखला में मंगलवार को दक्षिण अफ्रीका पर 15 रन की रोमांचक जीत दर्ज की। प्रतिका ने अपनी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए 91 गेंदों पर 78 रन की पारी खेली जिससे भारत ने कप्तान हरमनप्रीत कौर के पहले बल्लेबाजी करने के फैसले के बाद छह विकेट पर 276 रन का प्रतिस्पर्धी स्कोर खड़ा किया।

'प्लेयर ऑफ द मैच' राणा ने इसके बाद पांच विकेट चटकाए जिससे दक्षिण अफ्रीका की टीम ताजमिन ब्रिट्स के 109 रन के बावजूद 49.2 ओवर में 261 रन पर आउट हो गई। दक्षिण अफ्रीका ने अपने आखिरी पांच विकेट 21 रन पर गंवा दिए जिससे भारत ने टूर्नामेंट में लगातार दूसरी जीत दर्ज की। राणा ने 10 ओवर में 43 रन देकर पांच विकेट लिये। उन्होंने इस दौरान पारी के 48वें ओवर में तीन रन देकर तीन विकेट चटकाते हुए मैच का रूख भारत की ओर मोड़ दिया। दक्षिण अफ्रीका ने चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा आक्रामक तरीके से करते हुए भारत को शुरुआत में ही बैकफुट पर धकेल दिया। ब्रिट्स मौसम की मुश्किल परिस्थितियों में ऐंठन का सामना करने के कारण 105 गेंद पर 108 रन बनाकर रिटायर हर्ट हो गयी। उन्होंने कप्तान लॉरा वोल्वार्ड्ट (43) के साथ पहले विकेट के लिए 140 रनों साझेदारी कर भारत को बैकफुट पर धकेल दिया था। जब ऐसा लग रहा था कि दक्षिण अफ्रीका की टीम आसानी से इस मैच को जीत जायेगी तब भारतीय स्पिनरों ने अपनी फिरकी में बल्लेबाजों को फंसाना शुरू किया। दीप्ति शर्मा (40 रन पर एक विकेट) ने वोल्वार्ड्ट को पगबाधा कर मैच के 28वें ओवर में भारत को पहली सफलता दिलायी। इसके तुरंत बाद राणा ने लॉरा गुडोल (नौ) को चलता किया।

ब्रिट्स ने इस दौरान लगातार दो चौके के साथ वनडे करियर का तीसरा शतक पूरा किया। वह हालांकि उमस वाले मौसम में ऐंठन के कारण बल्लेबाजी जारी नहीं रख सकी और उन्हें रिटायर हर्ट होना पड़ा। तेज गेंदबाज अरुंधति रेड्डी (59 रन पर एक विकेट) ने पदार्पण कर रही विकेटकीपर काराबो मेसो (सात) को पवेलियन की राह दिखाने में ज्यादा समय नहीं लिया। युवा वामहस्त स्पिनर श्री चारणी (51 रन पर एक विकेट) ने अनुभवी सुने लुस (28) को चलता कर भारतीय खेमे में आत्मविश्वास भर दिया। जरूरी रन गति के नौ के करीब पहुंचने के बाद क्लो ट्रायोन (18) और एनेरी डर्कसेन (30) ने तेजी रन बनाते हुए गेंदबाजों को परेशान करना शुरू किया था कि राणा ने दोनों का विकेट झटकने के बाद नाडिने डिक्लर्क (शून्य) और फिर से बल्लेबाजी के लिए आयी ब्रिट्स को आउट कर यादगार पांच विकेट पूरे किए। इससे पहले प्रतिका ने 91 गेंदों पर 78 रन की पारी खेली जबकि स्मृति मंधाना (36), जेमिमा रोड्रिग्स (41), कप्तान हरमनप्रीत कौर (नाबाद 41), हरलीन देओल (29) और ऋचा घोष (24) ने भी उपयोगी योगदान दिया। दक्षिण अफ्रीका के लिए नॉनकुलुलेको म्लाबा (55 रन पर दो विकेट) सबसे सफल गेंदबाज रही। भारत ने रविवार को टूर्नामेंट के पहले मैच में श्रीलंका को हराया था। प्रतिका और मंधाना ने 18.3 ओवर में 83 रन की साझेदारी के साथ टीम को एक बार फिर ठोस शुरुआत दिलायी। प्रतिका ने इस दौरान अपनी आक्रामक पारी से मंधाना से तेजी से रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में पांच चौके और एक छक्का जड़ा। मंधाना ने इस साझेदारी में सहायक की भूमिका निभाई।

यह साझेदारी आखिरकार 19वें ओवर में टूट गई जब मंधाना को डर्कसेन की गेंद पर विकेटकीपर कराबो मेसो ने लेग साइड में कैच किया। हरलीन देओल (47 गेंदों पर 29 रन) ने भी अच्छी पारी खेली। हरलीन और प्रतिका ने दूसरे विकेट के लिए 68 रन की साझेदारी की। म्लाबा ने दो ओवर के अंदर इन दोनों बल्लेबाजों को बोल्ड कर मैच में दक्षिण अफ्रीका को वापसी करने का मौका दिया। हरमनप्रीत और जेमिमा ने हालांकि आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए गेंदबाजों पर दबाव बनाये रखा। दोनों की 58 गेंद में 59 रन की साझेदारी में जेमिमा का योगदान 32 गेंद में 41 रन का रहा। उन्होंने अपनी पारी में चार चौके लगाये। हरमनप्रीत ने भी 48 गेंद की नाबाद पारी में चार चौके जड़े। रिचा घोष ने 14 गेंद की पारी तीन चौके और एक छक्का लगाकर टीम को 46वें ओवर में 245 रन के पार पहुंचा दिया।

पंजाब किंग्स के खिलाफ किस्मत बदलने की कोशिश करेगा चेन्नई

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स प्ले ऑफ की दौड़ से लगभग बाहर हो चुका है लेकिन वह पंजाब किंग्स के खिलाफ बुधवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में अच्छा प्रदर्शन करके अपनी किस्मत बदलने की कोशिश करेगा। पांच बार की चैंपियन चेन्नई के लिए यह सत्र निराशाजनक रहा है और वह नौ मैचों में से सिर्फ दो जीत के साथ तालिका में सबसे नीचे है। दूसरी तरफ पंजाब किंग्स नौ मैचों में पांच जीत के साथ पांचवें स्थान पर है और वह लगातार हार से निराश चेन्नई के खिलाफ जीत दर्ज करके अंक तालिका में अपनी स्थिति मजबूत करना चाहेगा।

चेन्नई के लिए सबसे निराशाजनक बात लंबे समय से उसके गढ़ माने जाने वाले चेपक में घरेलू परिस्थितियों से सामंजस्य से बिठाने में असफल रहना है। चेन्नई की टीम प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी धुंधली उम्मीदों को बरकरार रखने के लिए टूर्नामेंट की अपनी तीसरी जीत दर्ज करने के लिए बेताब होगी। यहां तक कि महेंद्र सिंह धोनी जैसा करिश्माई खिलाड़ी भी कोहनी की चोट के कारण बाहर होने वाले रुतुराज गायकवाड़ से कप्तानी संभालने के बाद टीम में जोश भरने में नाकाम रहा है। धोनी ने स्वीकार किया कि चेन्नई की टीम अभी तक सही संयोजन तैयार करने में असफल रही है। धोनी ने कहा था, ''अगर आप पावरप्ले देखें, चाहे वह संयोजन हो या परिस्थितियां, हम बल्ले और गेंद दोनों से संघर्ष कर रहे हैं।'' इस मैच में कुछ खिलाड़ियों के बीच दिलचस्प मुकाबला देखने को मिल सकता है। चेन्नई के युवा खिलाड़ी आयुष म्हात्रे जब पावरप्ले में अर्शदीप सिंह का सामना करेंगे तो वह दमदार प्रदर्शन करना चाहेंगे। बीच के ओवरों में सबसे मनोरंजक जंग शिवम दुबे और युजवेंद्र चहल के बीच होने की उम्मीद है। चहल शानदार फॉर्म में हैं और यह देखना दिलचस्प होगा कि चेन्नई का मध्य क्रम उनकी चुनौती से कैसे पार पाता है। प्रियांश आर्य और प्रभसिमरन सिंह ने पंजाब को शानदार शुरुआत दिलाई है और इन दोनों पर अंकुश लगाने की जिम्मेदारी बाएं हाथ के तेज गेंदबाज खलील अहमद पर होगी। कप्तान श्रेयस अय्यर के रूप में पंजाब को एक ऐसा बल्लेबाज मिला है जो अच्छी तरह से सूत्रधार की भूमिका निभाता है। चेन्नई के स्पिनर नूर अहमद को उनके खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। धोनी 43 साल का होने के बावजूद मैच का सकारात्मक अंत करने में सक्षम हैं लेकिन विजय शंकर, दीपक हुड्डा और राहुल त्रिपाठी जैसे भारतीय बल्लेबाजों को अच्छा प्रदर्शन करने की जरूरत है। गेंदबाजी में रवींद्र जड़ेजा, रविचंद्रन अश्विन और मथीशा पथिराना के संघर्ष से भी चेन्नई को मदद नहीं मिली है। पंजाब के पास मार्को यानसन के रूप में बहुत अच्छा ऑलराउंडर है, जबकि गेंदबाजी इकाई का नेतृत्व अर्शदीप और चहल करेंगे।

इस प्रकार हैं दोनों टीम

- **चेन्नई सुपर किंग्स:** एमएस धोनी (कप्तान और विकेटकीपर), डेवाल्ड ब्रेविस, डेवोन कॉनवे, राहुल त्रिपाठी, शेख रशीद, वंश बेदी, आंद्रे सिद्धार्थ, आयुष म्हात्रे, रचिन रवींद्र, रविचंद्रन अश्विन, विजय शंकर, सैम कुरेन, अंशुल कंबोज, दीपक हुडा, जेमी ओवरटन, कमलेश नागरकोटी, रामकृष्ण घोष, रवींद्र जडेजा, शिवम दुबे, खलील अहमद, नूर अहमद, मुकेश चौधरी, नाथन एलिस। श्रेयस गोपाल, मथीशा पथिराना।
- **पंजाब किंग्स:** श्रेयस अय्यर (कप्तान), युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, मार्कस स्टोइनिस, नेहल वढेरा, ग्लेन मैक्सवेल, विशाक विजयकुमार, यश ठाकुर, हरप्रीत बराड़, विष्णु विनोद, मार्को यानसन, लॉकी फर्ग्यूसन, जोश इंग्लिस, जेवियर बार्टलेट, कुलदीप सेन, पायला अविनाश, सूर्यांश शेडगे, मुशीर खान, हरनूर पन्नू, आरोन हार्डी, प्रियांश आर्य, अजमतुल्लाह उमरजई.

रैपिड वर्ग में चितंबरम संयुक्त रूप से शीर्ष पर

वारसा (पोलैंड)। भारतीय ग्रैंडमास्टर अरविंद चितंबरम ने दबाव में अच्छा प्रदर्शन करते हुए ग्रैंड शतरंज टूर के तहत आयोजित 'सुपरबेट रैपिड एंड ब्लिट्ज टूर्नामेंट' के रैपिड दौर के आखिरी गेम में फ्रांस के अलिरेजा फिरोजा को हरा कर 11 अंकों के साथ संयुक्त रूप से पहला स्थान हासिल कर लिया।

वाइल्ड कार्ड से टूर्नामेंट का टिकट हासिल करने वाले चितंबरम को फिरोजा और स्लोवेनिया के व्लादिमीर फेडोसेव की बराबरी करने के लिए इस मुकाबले में जीत की जरूरत थी। उन्हें भाग्य का भी साथ मिला क्योकि फ्रांस के खिलाड़ी ने थोड़ी जल्दी हार मान ली। फिरोजा के पास इस मुकाबले को बराबरी पर रोकने का मौका था। आर प्रज्ञानानंदा ने अंतिम दो राउंड में रोमानिया के डेविड गैवरिल्सकू और डूडा पर जीत के साथ शानदार वापसी की और 10 अंक के साथ संयुक्त रूप से चौथे पायदान पहुंच गये। फ्रांस के मैक्सिम वचियर-लाग्रेव नौ अंकों के साथ उनसे बहुत पीछे नहीं हैं, जो रोमानिया के डेक बोगदान डैनियल और डुडा से एक अंक आगे हैं। गवरिलस्कू दस खिलाड़ियों के टूर्नामेंट में सात अंकों के साथ नौवें स्थान पर हैं, जो पूर्व विश्व चैंपियन वेसेलिन टोपालोव से दो अंक अधिक हैं। इस टूर के पहले आयोजन में ब्लिट्ज वर्ग के 18 मुकाबले अभी बाकी है। अरविंद ने दिन की शुरुआत डुडा पर जीत के साथ की। उन्हें इसके बाद आठवें दौर के मैच में वाचियर-लाग्रेव से हार का सामना करना पडा। इस हार से हालांकि उनका हौसला कम नहीं हुआ और उन्होंने फिरोजा पर जीत के साथ शीर्ष स्थान सुनिश्चित की। इस टूर में खिलाड़ियों को जीत के लिए दो अंक और ड्रॉ पर एक अंक मिलता है।

प्रज्ञानानंदा शुरुआती छह गेम के बाद पांच अंक के साथ पिछड़ रहे थे लेकिन उन्होंने वाचियर-लाग्रेव को बराबरी पर रोकने के बाद आखिरी दो गेम को जीतकर मजबूत वापसी की।

मैक्स पर्सेल पर लगा 18 महीने का बैन

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के दो बार के ग्रैंड स्लैम डबल्स चैंपियन मैक्स पर्सेल पर एंटी-डोपिंग नियमों के उल्लंघन के चलते 18 महीने का प्रतिबंध लगाया गया है। यह मामला किसी प्रतिबंधित पदार्थ के सेवन का नहीं, बल्कि निषिद्ध प्रक्रिया के तहत आया है। इंटरनेशनल टेनिस इंटीग्रिटी एजेंसी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। 27 वर्षीय पर्सेल ने यह स्वीकार किया कि उन्होंने अनजाने में 100 मिलीलीटर की निर्धारित सीमा से अधिक विटामिन की आईवी ड्रिप ली थी। नियमों के अनुसार 12 घंटे की अवधि में 100 मिली से अधिक का IV इन्फ्यूजन प्रतिबंधित है। पर्सेल ने बताया कि उन्होंने क्लिनिक को सूचित किया था कि वे प्रोफेशनल एथलीट हैं और यह इन्फ्यूजन तय मात्रा से अधिक नहीं होना चाहिए, लेकिन फिर भी उन्हें दो बार 500 मिली से अधिक का इन्फ्यूजन दिया गया।

भारत में फुटबॉल को मिलेगा नया बूस्ट प्रीमियर लीग मुंबई में खोलेगा ऑफिस

मुंबई। इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) ने भारत में अपनी मौजूदगी को औपचारिक रूप देते हुए मुंबई में नया ऑफिस खोलने की घोषणा की है। इसका उद्देश्य भारतीय फैन्स के साथ जुड़ाव बढ़ाना, ग्रासरूट फुटबॉल को प्रमोट करना और देश में फुटबॉल के समग्र विकास में योगदान देना है। भारत में यह ऑफिस प्रीमियर लीग की वैश्विक विस्तार योजना का हिस्सा है।

इससे पहले 2019 में सिंगापुर, 2023 में न्यूयॉर्क और 2024 में बीजिंग में भी ऑफिस खोले जा चुके हैं। मुंबई ऑफिस का उद्घाटन इस रणनीति में एक अहम माइलस्टोन माना जा रहा है। यह नया ऑफिस प्रीमियर लीग को भारतीय फैन्स, ब्रॉडकास्ट पार्टनर्स और स्थानीय फुटबॉल बॉडीज़ के साथ ज्यादा करीबी से काम करने में सक्षम बनाएगा। खासतौर से जियोस्टार जैसे ब्रॉडकास्ट पार्टनर्स के साथ मिलकर लीग, इवेंट्स और पार्टनरशिप एक्टिविटीज़ के ज़रिए फैन्स के अनुभव को और गहरा बनाएगी। प्रीमियर लीग 2007 से 'प्रीमियर स्किल्स' प्रोग्राम के माध्यम से भारत में फुटबॉल डेवलपमेंट से जुड़ी हुई है। ब्रिटिश काउंसिल के सहयोग से संचालित इस कार्यक्रम के जरिए अब तक 18 राज्यों में 7,300 से ज्यादा कोच, रेफरी और फुटबॉल एजुकेटर्स को ट्रेन किया गया है, जिससे 1.24 लाख से अधिक युवाओं को लाभ मिला है। 2014 से प्रीमियर लीग और इंडियन सुपर लीग की साझेदारी कई अहम पहलुओं गवर्नेंस, यूथ डेवलपमेंट और कोचिंग ट्रेनिंग पर केंद्रित रही है। 2019 में शुरू हुआ 'नेक्स्ट जेन कप' इसी दिशा में एक बड़ा कदम है। इस अंतरराष्ट्रीय यूथ टूर्नामेंट का छठा संस्करण मई 2025 में मुंबई में आयोजित होगा, जिसमें आईएसएल की यूथ टीमें प्रीमियर लीग क्लबों की अंडर-19 टीमों से भिड़ेंगी।

प्रीमियर लीग के चीफ एग्जीक्यूटिव रिचर्ड मास्टर्स ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि भारत में हमारा एक शानदार और समझदार फैन्स बेस है। यहां पर हमारी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को यह ऑफिस और मजबूत करेगा। हम इस क्षेत्र में संभावनाओं को लेकर उत्साहित हैं और इस पहल से भारतीय फुटबॉल में सार्थक योगदान देने की उम्मीद रखते हैं।

मार्क कार्नी की लिबरल पार्टी ने कनाडा का संघीय चुनाव जीता

टोरंटो। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की लिबरल पार्टी ने देश के संघीय चुनाव में जीत हासिल की। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कनाडा के अमेरिका में विलय की धमकियों और व्यापार युद्ध ने लिबरल पार्टी की इस जीत में अहम भूमिका निभाई। 'कैनेडियन ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन' के अनुसार कार्नी के प्रतिद्वंद्वी कंजर्वेटिव पार्टी के नेता पियरे पोलिवरे अपनी सीट हार गए। सोमवार को हुए चुनाव में ओटावा जिले का प्रतिनिधित्व करने वाली सीट पर हार से पोलिवरे का भविष्य दांव पर लग गया। पोलिवरे को कुछ महीने पहले कनाडा के अगले प्रधानमंत्री के तौर पर देखा जा रहा था। माना जा रहा था कि वह एक दशक में पहली बार कंजर्वेटिव पार्टी को सत्ता तक पहुंचा देंगे।

वरिष्ठ नेता पोलिवरे ने ट्रंप के 'अमेरिका फर्स्ट' नारे से प्रेरणा लेते हुए 'कनाडा फर्स्ट' का नारा दिया। लेकिन, ट्रंप की नीतियों से उनकी समानताओं ने अंततः उन्हें और उनकी पार्टी को नुकसान पहुंचाया। शुरुआती रुझानों के आधार पर अनुमान जताया गया कि लिबरल पार्टी संसद की 343 सीट में से कंजर्वेटिव पार्टी से ज्यादा सीट जीतेगी। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि लिबरल पार्टी को स्पष्ट बहुमत मिलेगा या नहीं। बहुमत के लिए 172 सीटें चाहिए। बहुमत नहीं मिलने की स्थिति में लिबरल पार्टी को विधेयक पारित कराने और सत्ता में बने रहने के लिए छोटे दलों के साथ की जरूरत होगी। मतगणना के अंतिम रुझान के अनुसार लिबरल पार्टी 168 सीट पर बढ़त बनाए हुए है या जीत चुकी है।

कार्नी ने संघीय चुनाव में लिबरल पार्टी की जीत के बाद अपने संबोधन में अमेरिका की धमकियों के सामने एकजुटता के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से कनाडा और अमेरिका ने जो पारस्परिक रूप से लाभकारी प्रणाली साझा की थी, वह समाप्त हो गई है। उन्होंने कहा कि हम अमेरिकी विश्वासघात के सदमे से उबर चुके हैं, लेकिन हमें उससे मिले सबक कभी नहीं भूलने चाहिए। कार्नी ने कहा कि जैसा कि मैं महीनों से आगाह कर रहा हूं कि अमेरिका हमारी जमीन, हमारे संसाधन, हमारा पानी, हमारा देश चाहता है।

उन्होंने कहा कि ये बेकार की धमकियां नहीं हैं। राष्ट्रपति ट्रंप हमें तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि अमेरिका हम पर कब्जा कर सके। ऐसा कभी नहीं होगा...कभी नहीं होगा। लेकिन हमें इस वास्तविकता को भी पहचानना होगा कि हमारी दुनिया मूल रूप से बदल गई है। पोलिवरे को उम्मीद थी कि चुनाव पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के लिए जनादेश होगा, जिनकी लोकप्रियता उनके कार्यकाल के अंतिम दिनों में खाद्य पदार्थों और आवास की कीमतों में वृद्धि के कारण कम हो गई थी। लेकिन ट्रंप ने निरंतर निशाना बनाया, जिसके बाद ट्रूडो ने इस्तीफा दे दिया और दो बार केंद्रीय बैंकर रहे कार्नी लिबरल पार्टी के नेता और प्रधानमंत्री बन गए।

पोलिवरे ने अपनी हार स्वीकार करते हुए कनाडावासियों के लिए लड़ते रहने का संकल्प जताया।

> "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, 'कनाडा के प्रधानमंत्री के रूप में चुने जाने पर आपको बधाई मार्क जे. कार्नी।' उन्होंने कहा कि भारत और कनाडा साझा लोकतांत्रिक मूल्य, कानून के शासन के प्रति मजबूत प्रतिबद्धता और दोनों देशों के लोगों के बीच जीवंत संबंध रखते हैं। मोदी ने कहा कि मैं दोनों देशों की साझेदारी को मजबूत करने और हमारे लोगों के लिए अधिक से अधिक अवसरों को खोलने के लिए आपके साथ काम करने को उत्सुक हूं। कनाडा में प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की सरकार के दौरान दोनों देशों के बीच संबंधों में काफी तनाव आ गया था।

चुनावी विश्लेषकों के अनुसार, शुरुआत में कनाडा में माहौल लिबरल पार्टी के समर्थन में नहीं दिख रहा था, लेकिन ट्रंप ने कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने की कई बार बात की और उसके तत्कालीन प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो को कनाडा का गवर्नर संबोधित किया। उन्होंने कनाडा पर जवाबी शुल्क भी लगाए। ट्रंप के इन कदमों से कनाडा की जनता में आक्रोश बढ़ गया और राष्ट्रवाद की भावना प्रबल होने के कारण लिबरल पार्टी को जीतने में मदद मिली।

चीन: रेस्तरां में लगी भीषण आग, 22 लोगों की मौत

बीजिंग। चीन के पूर्वोत्तर लियाओनिंग प्रांत के लियाओयांग शहर में मंगलवार दोपहर एक रेस्तरां में भीषण आग लग गई। हादसे में 22 लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। यह जानकारी सरकारी मीडिया ने दी। आग लगने का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं। सरकारी प्रसारक सीसीटीवी के अनुसार, आग स्थानीय समयानुसार दोपहर 12:25 बजे एक आवासीय क्षेत्र में स्थित रेस्तरां में लगी।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने घायलों को सर्वोत्तम संभव चिकित्सा देखभाल देने के लिए 'सभी संभव प्रयास' करने की अपील की। उन्होंने अधिकारियों को देश भर में अग्नि सुरक्षा उपायों को मजबूत करने का निर्देश दिया। यह इस महीने चीन में दूसरी बड़ी आग त्रासदी है। 9 अप्रैल को उत्तरी चीन के हेबेई प्रांत के चेंगडे शहर के लोंगहुआ काउंटी में एक नर्सिंग होम में लगी आग में 20 बुजुर्गों की मौत हो गई थी। आग लगने के समय इमारत के अंदर कुल 39 लोग मौजूद थे। हाल के वर्षों में चीन में कई घातक दुर्घटनाएं हुई हैं, जिनके लिए प्रायः गैस रिसाव, पुराने बुनियादी ढांचे या खराब सुरक्षा प्रवर्तन को जिम्मेदार ठहराया जाता है।

पिछले साल मार्च में, हेबेई प्रांत के एक रेस्तरां में गैस रिसाव की वजह से हुए विस्फोट में दो लोगों की मौत हो गई और 26 लोग घायल हो गए। सितंबर में, शेन्जेन में एक ऊंची इमारत में गैस से संबंधित एक और विस्फोट में एक व्यक्ति की जान चली गई। इस तरह की दुर्घटनाएं अक्सर अवैध रूप से संग्रहीत रसायनों, अग्नि निकास की कमी और भवन नियमों उल्लंघन से बढ़ती है। कभी-कभी भ्रष्टाचार और लापरवाही इन घटनाओं के लिए जिम्मेदार होता है। इस ताजा घटना में, कुछ मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, आग रसोई में लगी।

इससे पता चलता है कि यह खाना पकाने के लिए खुली लपटों के पारंपरिक उपयोग से जुड़ा मामला हो सकता है। जैसे हॉट पॉट जैसे लोकप्रिय भोजन तैयार करना, जहां खाने को सीधे टेबल पर आग की लपटों पर पकाया जाता है।

सुप्रीम कोर्ट ने संभल शाही जामा मस्जिद कमेटी से दो हफ्ते में मांगी स्टेटस रिपोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने संभल की शाही जामा मस्जिद में विवादित कुएं को लेकर शाही जामा मस्जिद कमेटी को स्टेटस रिपोर्ट पर दो हफ्ते में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। चीफ जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली बेंच ने ये आदेश दिया।

मंगलवार को सुनवाई के दौरान मस्जिद कमेटी की ओर से पेश वकील हुजैफा अहमदी ने कहा कि उसके प्रमुख हिरासत में हैं, इसलिए जवाब दाखिल नहीं हो पाया है। तब कोर्ट ने कहा कि मस्जिद कमेटी के वकील जेल में उनसे मिल कर जवाब दाखिल करवाएं। सुनवाई के दौरान यूपी सरकार ने कहा कि कुआं विवादित इमारत से पूरी तरह बाहर है, जबकि मस्जिद कमेटी की ओर से कहा गया कि कुआं का कुछ हिस्सा मस्जिद के भीतर है। इस पर कोर्ट ने कहा कि मस्जिद कमेटी और प्रशासन को आपस में बात कर हल निकालना चाहिए था। इस मामले में यूपी सरकार ने सुप्रीम

कोर्ट में स्टेटस रिपोर्ट दाखिल कर कहा है कि संभल जामा मस्जिद में कुआं मस्जिद परिसर के भीतर नहीं है। यूपी सरकार ने कहा है कि न केवल कुआं, बल्कि मस्जिद भी सार्वजनिक भूमि पर स्थित है। स्टेटस रिपोर्ट में कहा गया है कि मस्जिद वाला कुआं उन 19 कुओं का हिस्सा है, जिन्हें जिला प्रशासन की ओर से पुनर्जीवित किया जा रहा है। इनका रेनवाटर हार्वेस्टिंग के जरिये पुनर्जीवन होने के बाद सभी समुदायों के लोग इस्तेमाल कर सकेंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने 10 जनवरी को मस्जिद से जुड़े कुएं को लेकर नगरपालिका के नोटिस के अमल पर रोक लगा दी थी। चीफ जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली बेंच ने मस्जिद प्रबंधन कमेटी की याचिका पर यूपी सरकार को नोटिस जारी किया था। इससे पहले 29 नवंबर, 2024 को सुप्रीम कोर्ट ने संभल के ट्रायल कोर्ट को निर्देश दिया था कि वो जामा मस्जिद विवाद मामले पर तब तक कोई कार्रवाई नहीं करें, जब तक इलाहाबाद हाई कोर्ट कोई निर्देश न दे दे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि मुस्लिम पक्ष सर्वे के आदेश के खिलाफ हाई कोर्ट जा सकते हैं।

चीफ जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा था कि ट्रायल कोर्ट इलाहाबाद हाई कोर्ट के आदेश का पालन करेगा। सुप्रीम कोर्ट ने एडवोकेट कमिश्नर की रिपोर्ट को सील कवर रखने का आदेश दिया था। कोर्ट ने कहा था कि ये रिपोर्ट फिलहाल सार्वजनिक नहीं की जाए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट पर अलग से सुनवाई चल रही है, इस मामले को वहीं रखा जाएगा।

लोकार्नो फिल्म महोत्सव में जैकी चैन को किया जाएगा सम्मानित

लॉस एंजिलिस। मशहूर एक्शन हीरो जैकी चैन को लोकार्नो फिल्म महोत्सव के 78वें संस्करण में उनके लंबे और शानदार कॅरियर के लिए 'कॅरियर अचीवमेंट अवॉर्ड' से सम्मानित किया जाएगा। आयोजकों ने मंगलवार को यह घोषणा की। जैकी चैन 1990 के दशक में एशिया के सबसे ज्यादा कमाई करने वाले एक्शन अभिनेता थे। उन्होंने कई फिल्मों का निर्देशन भी किया है, जिनमें 'द फीयरलेस हाइना' (1979), 'हू ऐम आई?' (1998) और 'पुलिस स्टोरी' (1985) शामिल हैं। महोत्सव के कलात्मक निदेशक जियोना ए नाजारो ने कहा कि जैकी चैन का असर इतना गहरा है कि उन्होंने खासकर हॉलीवुड में एक्शन फिल्मों को देखने और बनाने का तरीका ही बदल दिया। यह फिल्म महोत्सव छह अगस्त से 16 अगस्त के बीच आयोजित किया जाएगा।

विभाजनकारी ताकतों की पहचान कर उनसे सख्ती से निपटा जाना चाहिए: महबूबा

श्रीनगर। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने मंगलवार को कहा कि पहलगाम हमले के बाद सोशल मीडिया पर सांप्रदायिक नफरत फैलाने वाली विभाजनकारी ताकतों की पहचान की जानी चाहिए और शांति एवं सद्भाव बनाए रखने के लिए उनसे सख्ती से निपटा जाना चाहिए।

पूर्ववर्ती जम्मू कश्मीर राज्य की मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने बताया कि उन्हें देश के अलग-अलग हिस्सों में रह रहे कश्मीरी छात्रों के फोन आ रहे हैं, जो डरे हुए हैं और खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कुछ संस्थानों ने परीक्षाएं स्थगित कर दी हैं और छात्रों को सामान्य स्थिति बहाल होने तक घर जाने की सलाह दी है, जबकि कुछ ने ऐसा नहीं किया है।

महबूबा मुफ्ती ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों से अपील की कि वे इस मामले में हस्तक्षेप करें और जब

तक छात्र सुरक्षित घर वापस ना लौट आएं तब तक उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करें।

उन्होंने कहा कि इसके अतिरिक्त, सोशल मीडिया पर सांप्रदायिक नफरत फैलाने वालों को कड़ा संदेश दिया जाना चाहिए। शांति और सद्भाव बनाए रखने के लिए ऐसी विभाजनकारी ताकतों की पहचान की जानी चाहिए और उनसे सख्ती से निपटा जाना चाहिए। दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में पर्यटक स्थल बैसरन में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादियों के हमले में कम से कम 26 लोग मारे गए थे, जिनमें अधिकतर पर्यटक थे।

पाकिस्तान में तेल टैंकर में विस्फोट, दो की मौत

क्वेटा। पाकिस्तान के दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र में एक तेल टैंकर में आग लग जाने से विस्फोट हो गया, जिससे दो लोगों की मौत हो गई और 56 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। यह आग टैंकर से तेल रिसने के कारण लगी। स्थानीय पुलिस अधिकारी अत्ता उल्ला ने बताया कि सोमवार को बलूचिस्तान प्रांत के नौशकी जिले में अग्निशमन कर्मी आग बुझाने का प्रयास कर रहे थे, उस दौरान ही यह विस्फोट हो गया, जिसमें टैंकर चालक और एक अन्य व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि घटनास्थल पर जमा हुई भीड़ और अग्निशमन विभाग के कर्मियों में से कुछ लोग घायल हो गए। क्वेटा के सरकारी अस्पताल के प्रवक्ता वसीम बेग ने बताया कि लगभग एक दर्जन घायलों की हालत गंभीर है और कुछ को हवाई मार्ग से दक्षिणी शहर कराची ले जाया जा रहा है, जहां बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध है। बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती ने प्रांत की राजधानी क्वेटा स्थित सरकारी अस्पताल का दौरा किया और उन्होंने चिकित्सकों को निर्देश दिया कि पीड़ितों को बेहतर इलाज उपलब्ध कराया जाए।

रूस ने की चीन को एस-400 वायु रक्षा मिसाइल प्रणालियों की आपूर्ति

मॉस्को। रूस ने चीन को अत्याधुनिक एस-400 वायु रक्षा मिसाइल प्रणाली की आपूर्ति की है जिसमें 'आश्चर्यजनक बातें' हैं। लेकिन चीन अब भी कुछ बातों को लेकर परेशान है। स्थानीय समाचार पोर्टल 'एबीएन 24' ने यह जानकारी दी। रूसी 'एस-400 ट्रायम्फ' वायु रक्षा प्रणाली को अपनी श्रेणी में दुनिया की सर्वश्रेष्ठ प्रणालियों के तौर पर प्रतिष्ठा प्राप्त है। उसे उनकी अच्छी विशेषताओं और विभिन्न प्रकार के हवाई लक्ष्यों को रोकने की क्षमता के लिए जाना जाता है।

चीन ने 2014 में कई 'एस-400 ट्रायम्फ' खरीदने के लिए रूस के साथ अरबों डॉलर के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए थे। कई वर्षों बाद, उस सौदे के बारे में रोचक विवरण सामने आए। तब 'एबीएन 24' ने कहा कि इस सौदे ने दुनिया भर का ध्यान आकर्षित किया और इसे चीनी-

रूसी सैन्य सहयोग का एक महत्वपूर्ण प्रतीक माना गया। इसे चीन द्वारा अपनी राष्ट्रीय वायु रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम भी माना गया। हालांकि, चीनी इंटरनेट सेवा सोहू के विश्लेषकों ने कहा है कि चीन को दिए गए एस-400 सिस्टम का आज शायद ही कहीं कोई उल्लेख है। इसके अलावा, वे शायद ही कभी चीनी सेना की सार्वजनिक रिपोर्टों में दिखाई देते हैं, और उनकी तैनाती और उपयोग के बारे में वस्तुतः कोई खबर नहीं है। इसके अलावा, चीनी सेना की सार्वजनिक रिपोर्टों में बमुश्किल इसकी चर्चा हैं और उनकी तैनाती और उपयोग के बारे में भी कोई खबर नहीं है। चीनी पत्रकारों का कहना है कि चीन रूसी वायु रक्षा प्रणालियों पर बहुत अधिक निर्भर है। उन्हें एक शक्तिशाली चीनी वायु रक्षा प्रणाली बनाने की कुंजी माना जाता था क्योंकि ये प्रणालियां वास्तव में उत्कृष्ट हथियार हैं। हालांकि चीनी पत्रकारों की बातों में एक तथ्य को ध्यान में नहीं लिया गया है। रूस ने एस -400 में कुछ आश्चर्यजनक बनाकर अपने हितों का ख्याल रखा है।

चीन का मानना है कि रूस ने चीन को अपने उपकरण का बहुत ही सामान्य संस्करण दिया है तथा कुछ उन्नत कार्यप्रणालियों (क्षमताओं) को रोक लिया है। चीन इस बात से आश्चर्यचकित है कि 'स्पष्टतः, एस-400 के निर्यात संस्करण प्रमुख प्रौद्योगिकियों तक सीमित हो सकते हैं।' चीनी पत्रकारों के अनुसार, रूस इस प्रकार अपने तकनीकी रहस्यों को नकल होने से बचा रहा है और विदेशी सेनाओं की अपने सशस्त्र बलों के साथ प्रतिस्पर्धा करने की क्षमता को भी सीमित कर रहा है।

सऊदी अरब ने अनधिकृत हज यात्रियों के लिए दंडात्मक व्यवस्था 28 अप्रैल से लागू

रियाद। सऊदी अरब के आंतरिक मंत्रालय ने हज परमिट नियमों का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों और उनके मददगारों के लिए दंड की घोषणा की है। मंत्रालय ने कहा कि यह दंडात्मक व्यवस्था 28 अप्रैल से लागू कर दी गई है। यह 10 जून तक प्रभावी रहेगी। बिना परमिट के हज करने या कराने का प्रयास करने वाले व्यक्तियों पर सऊदी रियाल 20 हजार (5,331.43 अमेरिकी डॉलर) तक का जुर्माना लगाया जाएगा।

अरब न्यूज अखबार के अनुसार आंतरिक मंत्रालय ने साफ किया है कि विजिट वीजा के लिए आवेदन करने वाले किसी भी व्यक्ति पर एक लाख सऊदी रियाल तक का जुर्माना लगाया जाएगा। यह आर्थिक दंड उन सभी लोगों पर लागू होगा,

जो यात्रा वीजा धारकों को निर्दिष्ट अवधि के दौरान मक्का शहर और पवित्र स्थलों पर ले जाते हैं या ले जाने का प्रयास करते हैं। ऐसे लोगों को होटल, अपार्टमेंट, निजी आवास, आश्रय या आवास स्थलों सहित किसी भी आवास में आश्रय देने वालों से भी यह आर्थिक दंड वसूला जाएगा। विशेष मामलों में आर्थिक दंड को और भी बढ़ाया जा सकता है। मंत्रालय ने कहा कि संबंधित अदालत से अनुरोध किया जाएगा कि वह निर्दिष्ट अवधि के दौरान मक्का शहर और पवित्र स्थलों तक यात्रा वीजा धारकों के परिवहन के लिए उपयोग किए जाने वाले वाहनों को जब्त कर ले, यदि उनका स्वामित्व ट्रांसपोर्टर, सुविधाकर्ता या किसी सहयोगी के पास है।

पहलगाम आतंकी हमला: कांग्रेस ने की संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग

नई दिल्ली। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से आग्रह किया है कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद पैदा हुए हालत के मद्देनजर संसद के दोनों सदनों का विशेष सत्र जल्द से जल्द बुलाया जाए ताकि आतंकवाद के खिलाफ देश के सामूहिक संकल्प और इच्छाशक्ति को व्यक्त किया जा सके। मुख्य विपक्षी दल ने यह भी कहा कि 1994 में संसद से पारित उस संकल्प को फिर से दोहराने का समय आ गया है जिसमें जम्मू-कश्मीर को भारत का अभिन्न हिस्सा बताने के साथ ही पाकिस्तान से उसके कब्जे वाले कश्मीर को खाली करने के लिए कहा गया था।

कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे तथा लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोमवार रात प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर यह आग्रह किया। पत्र में खरगे ने कहा कि इस समय, जब एकता और एकजुटता जरूरी है, विपक्ष का मानना है कि जल्द से जल्द संसद के दोनों सदनों का विशेष सत्र बुलाया जाए। यह 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में निर्दोष नागरिकों पर हुए क्रूर आतंकवादी

हमले से निपटने के लिए हमारे सामूहिक संकल्प और इच्छाशक्ति की एक दृढ़ अभिव्यक्ति होगी। उन्होंने कहा कि हमें आशा है कि सत्र बुलाया जाएगा।

राहुल ने पत्र 'एक्स' पर साझा करते हुए कहा कि इस महत्वपूर्ण समय में भारत को यह दिखाना होगा कि 'हम आतंकवाद के खिलाफ हमेशा एक साथ खड़े हैं।' उन्होंने पत्र में कहा कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले से हर भारतीय आक्रोशित है। इस महत्वपूर्ण समय में भारत को यह दिखाना होगा कि हम आतंकवाद के खिलाफ हमेशा एक साथ खड़े रहेंगे। विपक्ष का मानना है कि संसद के दोनों सदनों का विशेष सत्र बुलाया जाना चाहिए, जहां जनता के प्रतिनिधि अपनी एकता और दृढ़ संकल्प दिखा सकें। कांग्रेस नेता ने कहा कि हमारा अनुरोध है कि विशेष सत्र जल्द से जल्द बुलाया जाए।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट कर 22 फरवरी 1994 को संसद से पारित उस प्रस्ताव का उल्लेख किया जिसमें जम्मू-कश्मीर को भारत का अभिन्न हिस्सा बताने के साथ ही कहा गया था कि पाकिस्तान को अपने कब्जे वाले कश्मीर को खाली करना चाहिए। रमेश ने कहा कि 22 फरवरी 1994 को संसद के दोनों सदनों ने जम्मू-कश्मीर पर सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित किया था। इसे दोहराने, नवीनीकृत करने और ताजा करने तथा बहुत कुछ कहने का समय आ गया है। केंद्र सरकार को लोकसभा और राज्यसभा में विपक्ष के नेताओं के आह्वान पर ध्यान देना चाहिए और जल्द से जल्द संसद का विशेष सत्र बुलाना चाहिए। उन्होंने कहा कि खरगे और राहुल गांधी ने समूचे विपक्ष तथा देश की जनता की तरफ से संसद के विशेष सत्र बुलाने का आग्रह किया है।

आंबेडकर के देहावसान के बाद भी उनके प्रति नेहरू की 'दुश्मनी' कायम रही: मुख्यमंत्री मोहन यादव

इंदौर। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने देश के प्रति डॉ. भीमराव आंबेडकर के योगदान को कांग्रेस द्वारा नकारने का प्रयास किए जाने का आरोप लगाते हुए मंगलवार को कहा कि प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के मन में संविधान निर्माता को लेकर दुश्मनी का भाव उनके निधन के बाद भी कायम रहा। यादव ने यह बयान ऐसे वक्त दिया, जब आंबेडकर की जन्मस्थली मध्यप्रदेश में उनकी विरासत को लेकर भाजपा और कांग्रेस के बीच सियासी जंग लगातार तेज हो रही है। प्रमुख विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने ग्वालियर में सोमवार को 'संविधान बचाओ रैली' आयोजित की थी, जिसमें वह सत्तारूढ़ भाजपा के खिलाफ सामाजिक न्याय के मुद्दे को धार देती नजर आई थी।

मुख्यमंत्री यादव ने भाजपा के 'डॉ. भीमराव आंबेडकर सम्मान अभियान' के तहत इंदौर में आयोजित संगोष्ठी में कहा कि आंबेडकर ने जाति व्यवस्था के खिलाफ संघर्ष करके अपने जीवन में ऊंचा मुकाम हासिल किया था जिससे

नेहरू घबरा गए। नेहरू अपने पिता की विरासत के बलबूते पर आगे बढ़े थे, लेकिन वह भारत की जड़ों से नहीं जुड़े थे। उन्होंने आरोप लगाया कि आंबेडकर के जीते जी नेहरू के मन में उन्हें लेकर बुरा भाव था और संविधान निर्माता के देहावसान के बाद भी उनके प्रति नेहरू की यह 'दुश्मनी' कायम रही। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि तत्कालीन प्रधानमंत्री नेहरू ने पूरी ताकत लगाकर आंबेडकर को अलग-अलग चुनावों में हरवाया। आंबेडकर ने नयी दिल्ली में अपना शरीर त्यागा, लेकिन नेहरू ने राष्ट्रीय राजधानी में उनके दाह संस्कार की अनुमति नहीं दी। उन्होंने यह दावा भी किया कि आंबेडकर का पार्थिव शरीर दाह संस्कार के लिए जिस विमान से मुंबई ले जाया गया, उसका किराया चुकाने के लिए संविधान निर्माता की विधवा को बिल थमा दिया गया। यादव ने कहा कि चुनावों में आंबेडकर का नाम लेकर वोट मांगने से पहले कांग्रेस को अपने वे सब पाप याद करने चाहिए जो उसने अतीत में उनके साथ अन्याय के रूप में किए थे। कांग्रेस को इन पापों के लिए माफी मांगनी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के वंचित और शोषित वर्गों के साथ होने वाले जातिगत भेदभाव मिटाने में आंबेडकर का बहुत बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि लेकिन यह बात भी सही है कि कांग्रेस और उसके नेताओं ने आंबेडकर के इस योगदान को नकारने का प्रयास किया। यादव ने जोर देकर कहा कि भाजपा की सरकारों ने देश-दुनिया में आंबेडकर की विरासत से जुड़े स्थानों को सहेज कर विकसित किया और सामाजिक एकता के प्रति उनके योगदान को सम्मान दिया। आंबेडकर ने ब्रितानी राज के सैन्य अफसर रामजी मालोजी सकपाल और भीमाबाई की संतान के रूप में 14 अप्रैल 1891 को इंदौर के पास महू के काली पलटन इलाके में जन्म लिया था। उनका नयी दिल्ली में छह दिसंबर 1956 को निधन हुआ था।

TUITION TIGER

learn smart

ADMISSION OPEN

Premium Live Batches

Inaugural Offer

For First 100 students - 75% Off

For Next 100 students - 50% Off

For Next 100 students - 25% Off

visit to enroll

www.TuitionTiger.com

81304 81309 **9220 90 5919**

TUITION
TIGER
learn smart

Dear Teachers, associate with Tuition Tiger

Get Your **Referral Code** Today

mycode@tuitiontiger.com

922 09 05 910

www.TuitionTiger.com

81304 81309 9220 90 5919